- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बार काउंसिल चुनाव में 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित -12

- मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 26000 के नीचे-12

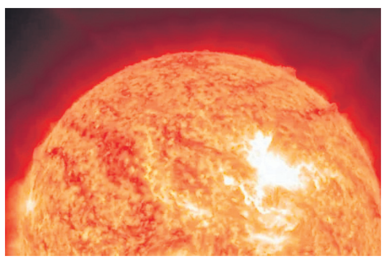

- सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा, सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास-13

- टी-20 सीरीज आज से शुरू होगी, जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम-14

आज का मौसम
21.0⁰ अधिकतम तापमान
12.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.53
सूर्यास्त 05.14

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी 02:29 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 289, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

हिमालयी क्षेत्र से आ रही सर्द हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ। हिमालयी क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवा के कारण उत्तर प्रदेश में पारा और गिर गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान तो सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार अब हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगा। सोमवार को लखनऊ, कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से सर्दी का असर बढ़ गया। पहाड़ों पर बर्फबारी कराने वाले पश्चिमी विक्षोभ के आने का प्रभाव दिखने लगा है। इस बीच अनुमान है कि यूपी के कई जिलों, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुज्जफरनगर, सहारनपुर में घना कोहरा पड़ सकता है। बरेली, मुरादाबाद और तराई में कोहरे के साथ ठंडी हवाएं चलने से दिन में गलाने वाली सर्दी का अहसास होने का अनुमान है। लखनऊ, कानपुर व पूर्वांचल के मौसम पर चर्चा करें तो सुबह ठंडी हवाएं चलेंगी और दिन में गुनगुनी धूप निकलेगी। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट संभव हैं।

सत्येंद्र जैन और डीजेबी के पूर्व अफसरों पर आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी के लिए निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन तथा 13 अन्य के खिलाफ ईडी ने धन शोधन विरोधी कानून के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 14 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि जैन, उदित प्रकाश राय, अजय गुप्ता, सतीश चंद्र वशिष्ठ और कुछ अन्य लोग 17 .70 करोड़ रुपये मूल्य की आपराधिक आय के सृजन, अधिग्रहण, छुपाने, कब्जे और उपयोग में शामिल थे।

स्वामी चैतन्यानंद को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को अपनी कार पर कथित तौर पर फर्जी राजनयिक नंबर प्लेट के इस्तेमाल करने से जुड़े मामले में सोमवार को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। चैतन्यानंद वर्तमान में एक निजी संस्थान की 16 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में न्यायिक हिरासत में है।

वंदे मातरम् और देश के बंटवारे पर झुकी कांग्रेस

वंदे मातरम् के 150 वर्ष के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेके

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा। सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मोदी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदे मातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। तब नेहरू ने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देने के बजाय वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

मोदी ने कहा कि अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। वे सपने लेकर तो आए थे, लेकिन उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

> वंदे मातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदे मातरम् सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी।
> – **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जब वंदे मातरम् का उत्तम पर्व होना था, तब संविधान का गला घोंटा गया

मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदे मातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और जब वंदे मातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा कि हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का। उसी ने संसद में पहुंचाने का रास्ता बनाया। अब हम आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे हैं और वंदे मातरम् हमारी प्रेरणा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना आज भी मौजूद है और वंदे मातरम हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले महापुरुषों का सपना स्वतंत्र भारत का था और आज की पीढ़ी का सपना समृद्ध भारत का है। मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था, जब 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सल्तनत बौखलाई हुई थी। उन्होंने कहा, ''हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

नेहरू ने लिखा था - मुस्लिम भड़केंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा ''वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को क्षुब्ध कर सकती है। इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा कि देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदे मातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, नेहरू ने पत्र में लिखा कि मैंने वंदे मातरम गीत की पृष्ठभूमि पढ़ी है। मुझे लगता है कि जो पृष्ठभूमि है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

बंगाल चुनाव के कारण वंदे मातरम् पर चर्चा कराई गईः प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सरकार पर 'वंदे मातरम्' को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया और दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है। उन्होंने सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका ने कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में चर्चा करा लेनी चाहिए ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी, महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो।

वाहनों से की बाघ की घेराबंदी, नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रेंजर समेत अन्य को नोटिस, चार सफारी वाहनों के चालक-गाइड चिन्हित, एक दिन पूर्व का मामला

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। दरअसल बीते रविवार को बराही रेंज के साइफन पुल पर चहलकदमी कर रहे एक बाघ को दिखाने के चक्कर में चालक व नेचर गाइडों ने नियमों को तांक पर रख दोनों ओर सफारी वाहन खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, सैलानियों के साथ चालकों और गाइडों ने सफारी वाहन से उतरकर जमकर फोटोग्राफी की। पुल के दोनों तरफ सफारी वाहनों के घिरने से बाघ असहज भी हो उठा। गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ।

इधर इस बड़ी लापरवाही से जुड़ा वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। डिप्टी डायरेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं लापरवाही पर बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी, फारेस्टर, वाचर एवं संबंधित चालकों व गाइडों को नोटिस जारी किया गया है।

साइफल पुल पर बाघ को घेरकर फोटो खींचते सैलानी।

नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 से

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 दिसंबर से शुरू होगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद 15 दिसंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 15 दिसंबर से ही अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम के अनुसार 19 दिसंबर तक रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इसके बाद 20 दिसंबर को सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवंटित सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी।

होमगाड्र्स को अब वर्दी भत्ता सरकार ने बढ़ाई सुविधाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ननूरखेड़ा में होमगाड्र्स स्थापना दिवस पर रैतिक परेड की सलामी ली। इस दौरान सीएम ने घोषणा की कि होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को वर्दी भत्ता अनुमन्य किया जाएगा। राज्य में अंतर्जनपदीय ड्यूटियों में तैनात होने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को मिलने वाला भोजन भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रतिदिन किया जाएगा। नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयंसेवकों को मिलने वाले प्रशिक्षण भत्ते को 50 रुपये से बढ़ाकर 140 रुपये प्रतिदिन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, होमगाड्र्स स्वयंसेवक कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और जनसेवा के दायित्वों को निभाते हैं। राज्य सरकार ने होमगाड्र्स जवानों के कल्याण और संगठन के उत्थान के लिए अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सरकार ने पहली बार होमगाड्र्स जवानों को 12 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया। महिला होमगाड्र्स को प्रसूति अवकाश प्रदान करने की सुविधा भी प्रारंभ की गई। पुलिसकर्मियों और एनडीआरएफ की भांति 9 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर ड्यूटी करने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को 200 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय भी लिया गया है। एसडीआरएफ के जवानों के साथ प्रशिक्षित हुए होमगाड्र्स के जवानों को 100 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। कहा कि होमगाड्र्स जवान बरसात, ठंड, गर्मी जैसी हर परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण से करते हैं। यातायात प्रबंधन, कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ कुंभ और कांवड़ यात्रा जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

चारों धामों के साथ-साथ हरिद्वार में स्थापित होमगाड्र्स हेल्प डेस्क देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को हर संभव मदद उपलब्ध करा रहा है। जवानों के हौसले और समर्पण को राज्य सरकार उचित सम्मान दे रही है। सीएम ने सेवा प्रदत्त एवं दिवंगत होमगार्ड के आश्रितों को चेक भी वितरित किए।

होमगाड्र्स स्थापना दिवस पर रैतिक परेड की सलामी लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

- सीएम धामी ने होमगाड्र्स स्थापना दिवस पर ली रैतिक परेड की सलामी
- भोजन और प्रशिक्षण भत्ते में 50 व 90 रुपये बढ़ाने की घोषणा की

जापान के उत्तरी तट पर 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी

तोक्यो, एजेंसी

- होंशू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रान्त आओमोरी के पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में सबसे तेज झटके

उत्तरी जापान में सोमवार को 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के तटीय इलाकों में 40 सेंटीमीटर तक की सुनामी आई। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के सबसे तेज झटके जापान के मुख्य होंशू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रान्त आओमोरी के ठीक पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में महसूस किये गए।

एजेंसी के अनुसार होक्काइडो प्रान्त के उराकावा शहर और आओमोरी प्रान्त के मुत्सु ओगावारा बंदरगाह पर 40 सेंटीमीटर की सुनामी आई। सरकारी प्रसारक एनएचके की खबर के मुताबिक, आओमोरी के हाचिनोहे कस्बे के एक होटल में कई लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संवाददाताओं को दिए संक्षिप्त बयान में कहा कि सरकार ने नुकसान की सीमा का तत्काल आकलन करने के लिए एक आपातकालीन कार्यबल का गठन किया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों के जीवन को सर्वोपरि रख रहे हैं और हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

बनभूलपुरा में फिर धड़कनें तेज, उल्टी गिनती शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः रेलवे भूमि पर अतिक्रमण के मामले में शीर्ष अदालत मंगलवार को सुनवाई करेगी। वहीं, सुनवाई को लेकर बनभूलपुरा के प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की धड़कनें बढ़ गई हैं। पुलिस-प्रशासन ने भी तैयारियों की उल्टी गिनती शुरू कर दी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था की है।

बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के बहुचर्चित मामले में जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से अंतिम सुनवाई को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। इस बार खास व्यवस्था यह की गई है कि, सुनवाई वाले दिन सुरक्षा के लिहाज से बाहरी लोगों के बनभूलपुरा क्षेत्र में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के अनुसार, पुलिस की ओर से सुरक्षा के लिहाज से संपूर्ण क्षेत्र में कड़े इंतजाम किए गए हैं। किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

संबंधित पेज-3 पर

उत्तराखंड में शुरू हुआ प्री-एसआईआर बूथ स्तर पर होगी मतदाताओं की जांच

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- वर्ष 2003 की मतदाता सूची से हो रहा मतदाता का मिलान

अमृत विचारः उत्तराखंड में मतदाता सूची को दुरुस्त और अपडेट करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्य चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता सूची के प्री-विशेष गहन पुनरीक्षण (प्री-एसआईआर) का कार्य शुरू हो गया है। इसके तहत जिलेवार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया ने तेजी पकड़ ली है।

हल्द्वानी के एक जागरूक मतदाता उर्वादत्त जोशी ने सोमवार को बताया कि, प्री-एसआईआर में घर पर पहुंच रही प्रशासनिक टीम द्वारा देखा जा रहा है कि संबंधित मतदाता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुसार है या नहीं। अगर मतदाता का नाम काटा गया है तो इसकी क्या वजह रही। नैनीताल के जिला निर्वाचन अधिकारी ललित मोहन रयाल का कहना है कि आयोग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटे नहीं और अपात्र नामों को समय रहते हटाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान समय में मतदाता सूची को लेकर कई तरह की भ्रांतियां फैली हुई हैं, ऐसे में अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं को सही और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी से बचा जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बूथ स्तर पर मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें नए मतदाताओं का पंजीकरण, जो लोग इस दुनियां में नहीं रहे उनका नाम मतदाता सूची से हटाने और पते में सुधार जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि आगामी चुनावों से पहले एक पारदर्शी, सटीक और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जाए, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

इंडिगो संकट

इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ

इंडिगो पर कार्रवाई होगी, ताकि अन्य को मिले सबक : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। हम न केवल इस मामले में बल्कि एक मिसाल पेश करने के लिए भी बहुत, बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे। विमानन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंडिगो संकट एएमएसएस से संबंधित नहीं था बल्कि इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ था। अप्रैल 2025 के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तैयार किए गये नये उड़ान ड्यूटी समय पाबंदी (एफडीटीएल) दिशानिर्देश की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे, जिनमें से 15 को एक जुलाई 2025 से और शेष सात को एक नवंबर 2025 से लागू किया गया।

- चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल रहा इंडिगो

इंडिगो ने महानगरों के छह हवाई अड्डों से 562 उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली। राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों पर 562 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें से 150 उड़ानें अकेले बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रद्द की गईं। इंडिगो ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों से अपनी 2,300 दैनिक उड़ानों में से 560 उड़ानें पहले ही रद्द कर दीं। यह संख्या नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुमानों से अधिक है, जिसने आज कहा था कि विमानन कंपनी सोमवार को 500 उड़ानें रद्द करने के अलावा 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना बना रही है। इंडिगो' ने अपनी ओर से सोमवार को रद्द की गई सेवाओं की संख्या सार्वजनिक नहीं की थी। सूत्रों के अनुसार रद्द की गई 560 उड़ानों में से, इंडिगो ने बेंगलुरु से 76 आगमन और 74 प्रस्थान, तथा दिल्ली से 83 प्रस्थान और 60 आगमन उड़ानें रद्द कीं। उन्होंने बताया कि मुंबई और हैदराबाद हवाई अड्डों पर उड़ानों को रद्द करने की संख्या क्रमशः 98 और 112 रही।

स्टेट ब्रीफ

सूखाताल याचिका हाईकोर्ट में निस्तारित

नैनीताल : हाईकोर्ट ने सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण के मामले में स्वतः संज्ञान लिए जाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर याचिका को निस्तारित करते हुए कार्यदायी संस्था को सूखाताल झील सौंदर्यकरण के तहत कराए जा रहे कार्यों में पूर्व के आदेशों में दिए गए दिशानिर्देश का अनुपालन करने के निर्देश दिए है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई। वहीं, हाईकोर्ट ने नाबालिग के साथ यौन शोषण के आरोपी ठेकेदार उस्मान खान की जमानत याचिका पर सुनवाई कर फिलहाल कोई राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई इसी बुधवार की नियत की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ में हुई।

हाईकोर्ट ने एसएसपी से मांगी रिपोर्ट

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने रामनगर के भाजपा नेता मदन जोशी व अन्य के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। राज्य सरकार व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित जांच अधिकारी द्वारा कोर्ट को बताया गया कि नामजद सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिस पर खंडपीठ ने एसएसपी नैनीताल को इस मामले में रिपोर्ट बनाकर कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए।

डायरी में लिखें यात्रा अनुभव, नवाचार में करें दर्ज: सीएम धामी

सीएम ने टॉपर छात्र-छात्राओं के दल को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर रवाना किया, कहा- ब्रांड एम्बेसडर के रूप में बताएंगे उत्तराखंड की विशेषताएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर जा रहे विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार : हाईस्कूल परीक्षा के टॉपर 240 छात्र-छात्राओं के दल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना किया।

एससीईआरटी ननूरखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के जरिए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भारत की प्रगति, विज्ञान, तकनीक, इतिहास और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने-समझने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से अपील की कि, वे अपनी डायरी में यात्रा अनुभव लिखने के साथ उत्तराखंड में पहली बार हुए नवाचारों और उपलब्धियों को भी दर्ज करें। शैक्षिक भ्रमण से लौटने के बाद इस डायरी के आधार पर प्रत्येक जिले से दो-दो छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से कहा कि जब आप इसरो, श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, प्रोफेसर यूआर राव उपग्रह केंद्र और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र जैसे संस्थानों का दौरा करेंगे तो अनुभव होगा कि तकनीक के क्षेत्र में आज का नया भारत कितना आगे बढ़ चुका है। किताबों से मिली शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रत्यक्ष अनुभव से समझ और दृष्टिकोण में कई गुना वृद्धि होती है। इस यात्रा का एक बड़ा लाभ ये होगा कि छात्र-छात्राओं में टीमवर्क, सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास का विकास होगा। इस भ्रमण से प्राप्त अनुभवों को वे जीवनभर याद रखेंगे और उत्तराखंड के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में देश के विभिन्न भागों में हमारी संस्कृति, प्रकृति, खान-पान और पर्यटन की विशेषताओं को साझा करेंगे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक उमेश शर्मा काऊ, सचिव रविनाथ रामन, अपर सचिव रंजना राजगुरु, डीजी शिक्षा दीप्ति सिंह मौजूद रहीं।

सीएम ने पहली बार के ये दिए उदाहरण

- उत्तराखंड यूसीसी लागू कर देश का मॉडल राज्य बना
- नकल विरोधी कानून लागू हुआ
- सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रथम स्थान मिला
- वर्ष 2023 में कर्तव्य पथ पर परेड में उत्तराखंड की झांकी प्रथम रही
- राज्य में 27 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई
- उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हुआ
- भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई
- 10 हजार हजार एकड़ जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई
- मदरसा बोर्ड समाप्त किया गया
- उत्तराखंड को मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट का पुरस्कार मिला

व्यूज की दौड़ में नैतिकता न भूलें

- सीएम धामी ने किया उत्तराखंड क्रिएटर्स मीट में सोशल मीडिया क्रिएटर्स से अनौपचारिक संवाद

मुख्य संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड क्रिएटर्स मीट में संवाद करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, साथ में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित उत्तराखंड क्रिएटर्स मीट में सोशल मीडिया क्रिएटर्स से अनौपचारिक संवाद कर उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। मुख्यमंत्री ने भ्रामक खबरों पर सख्ती दिखाते हुए क्रिएटर्स से फैक्ट-चेक कर सच जनता तक पहुंचाने की अपील की। नेगेटिव कंटेंट क्रिएटर्स पर निशाना साधते कहा कि, व्यूज की दौड़ में नैतिकता न भूलें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-श्रेष्ठ भारत @2047' दृष्टिकोण में उत्तराखंड की भूमिका के बारे में प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का आधार तभी सुदृढ़ होगा जब देश और राज्य का हर ब्लॉक, हर तहसील, हर जिला और हर गांव सशक्त होगा। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर स्पष्ट कहा कि, सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। अब तक 200 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

राज्य में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आगे भी पूरी दृढ़ता से जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य में हो रहे विकासात्मक प्रयासों का उल्लेख करते कहा कि, सरकार के प्रयासों से शीतकालीन यात्रा के भी अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। महिला सशक्तीकरण पर कहा कि, सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण तथा उनकी उद्यमशीलता को और मजबूत करने के लिए लगातार नई योजनाओं पर कार्य कर रही है।

अगले वर्ष तक उत्तराखंड सरकार की नई सोशल मीडिया नीति लागू कर दी जाएगी। यह नीति डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं के बेहतर प्रसारण, सरकारी योजनाओं के प्रभावी संप्रेषण तथा राज्य के युवाओं और क्रिएटर्स को अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, जागर गायक प्रीतम भरतवाण तथा देश-प्रदेश भर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं क्रिएटर्स मौजूद रहे।

मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के मामले में हाईकोर्ट गंभीर

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: क्षय (टीबी) रोग निवारण के लिए जाने जाने वाले भवाली में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल बनाये जाने के मामले में हाईकोर्ट गंभीर है और प्रदेश सरकार को इस मामले में मोहलत देने के मूड में नहीं है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई के बाद सोमवार को सरकार को एक सप्ताह में वित्तीय स्वीकृति के साथ ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के संबंध में जवाब देने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी) की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। स्वास्थ्य महानिदेशक की ओर से अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार भवाली में कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी को लेकर 200 बिस्तरों का सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल तैयार करने पर विचार कर रही है। 250 करोड़ रुपये का प्रस्ताव वित्तीय स्वीकृति के लिए शासन को भेजा गया है। निर्माण एजेंसी ब्रिज एंड रूफ (बीआर) ने सेनिटोरियम की भूमि का भौतिक सत्यापन कर लिया है और भूमि को अस्पताल निर्माण के लिए उपयुक्त पाया गया है। निर्माण एजेंसी की ओर से जल्द ही डीपीआर तैयार करने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद अदालत ने सरकार को एक सप्ताह का समय देते हुए वित्तीय स्वीकृति और डीपीआर को लेकर जवाब देने को कहा है।

सुंदरखाल मामले में अब 12 को सुनवाई

नैनीताल : रामनगर कॉर्बेट से जुड़े सुंदरखाल में रह रहे लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित करने के मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सुनवाई की। सरकार ने कोर्ट में पेश किए शपथ पत्र में कहा कि, सुंदरखाल में बड़ी आबादी निवास कर रही है। इनको एक साथ विस्थापित करने के लिए एकमुश्त भूमि एक जगह पर नहीं मिल पा रही है। सरकार सुझाव प्रस्तुत करना चाह रही है कि वे प्रति परिवार एकमुश्त धनराशि लेकर अपने आवास कहीं अन्य जगह बना लें जिससे उनकी समस्या का समाधान हो सके और वे यहां से विस्थापित हो सकें। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 दिसम्बर की तिथि नियत की है।

जनरल रावत का जीवन पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कनक चौक स्थित पार्क में भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ स्व. जनरल बिपिन रावत की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सीएम ने जनरल रावत के अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च समर्पण को स्मरण करते हुए उन्हें उत्तराखंड एवं देश का गौरव बताया। कहा कि जनरल रावत का जीवन देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणादायक मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सैनिकों एवं नागरिकों के साथ दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शहीदों के सम्मान में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

गुरुद्वारा पहुंचे पूर्व सीएम, किया प्रायश्चित, भाजपा ने तंज कसा

- कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत की टिप्पणी पर सियासी विवाद जारी
- भाजपा नेता लगातार छोड़ रहे तीर, कांग्रेस डैमेज कंट्रोल में

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के सिखों को लेकर दिए विवादित बयान के बाद भाजपा और कांग्रेस में बयानबाजी जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बयान से उपजे विवाद को शांत करने के लिए सोमवार को देहरादून के आढ़त बाजार के गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में पहुंचकर जोड़ा घर और लंगर रसोई में सेवा की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नतमस्तक होते हुए क्षमा मांगी। कहा कि जो गलती हमसे हुई है, उस भूलसुधार की माफी गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नतमस्तक होकर मांगी गई है। उन्हें इस बात की बहुत खुशी हुई है कि सिख संगत और गुरुद्वारा सिंह सभा ने साहिब गुरु नानक देव जी के कुछ वचन सुनाकर हमारे मन व भावनाओं को पवित्र किया है। समाधान स्वरूप हमने लंगर सेवा की है और उसके बाद जोड़ा घर में भी सेवा की।

पूर्व सीएम ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्गों का सम्मान करती हैं, इसी तरह सिखों का बहादुरी का इतिहास रहा है, सिख समाज देश में पराक्रम, बलिदान, देश के लिए अटूट निष्ठा और परंपराओं का प्रतीक रहा है। कहा कि हमारे साथी की कभी कोई ऐसी भावना नहीं रही लेकिन कभी शब्द इधर-उधर हो जाते हैं।

कांग्रेसी लाख ढोंग करें, जनता माफ नहीं करेगी

देहरादून : भाजपा ने हरक सिंह रावत द्वारा सिख समाज पर की गई अमर्यादित टिप्पणी को कांग्रेस पार्टी की 1984 दंगों वाली घृणित मानसिकता करार दिया है। प्रदेश प्रवक्ता खजान दास ने कहा, कांग्रेस नेता माफी मांगने का लाख ढोंग करें, लेकिन जनता उन्हें कभी माफ नहीं करने वाली है। वहीं, चुनौती दी कि क्या वह ऐसी टिप्पणी अपने तुष्टिकरण वोट बैंक के लिए कर सकते हैं? दास ने निशाना साधा कि आज बेशक कांग्रेस के तमाम नेता गुरुद्वारों के चक्कर काट माफी मांगने का ढोंग कर रहे हैं जबकि सच यह है कि हरक को अपने बयान पर कितना पश्चाताप था, यह तत्काल उनके द्वारा ये कहने से ही प्रतीत होता है कि मैंने ये सब मजाक में कहा था। अर्थात आपकी जुबान नहीं फिसली, आप सोच समझ कर किए मजाक में ही सिख समाज का अपमान कर रहे थे। हैरानी है कि कोई भी सभ्य, जिम्मेदार और संवेदनशील व्यक्ति ऐसा मजाक कैसे कर सकता है।

बेतलड़ी-क्वारबन सड़क पर पुल न बनने पर धरना

पिथौरागढ़ : बेतलड़ी-क्वारबन सड़क पर पुल निर्माण न होने से नाराज क्षेत्र के लोगों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। विधायक मयूख महर लोगों के साथ धरने पर बैठे। कहा कि सरकार जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भुला चुकी है। जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए धरना देना पड़ रहा है। लंबे समय तक विवादों में रहा बेलतड़ी-क्वारबन सड़क पर पुल फिर से चर्चाओं में है। बेतलड़ी, क्वारबन और धारीऐर क्षेत्र की 15 हजार की आबादी की आवाजाही सुगम बनाने के लिए वर्ष 2020 में आठ किमी सड़क का निर्माण किया गया। क्वारबन गधेरे पर पुल न बनने से इस सड़क पर आवाजाही नहीं हो सकी है। इस दौरान, जिपं सदस्य रेनू भट्ट, अन्नू महर, सुधा सौन, प्रधान राजकुमार, ऋषेंद्र महर मौजूद रहे।

गोवा अग्निकांड: अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोवा के नाइट क्लब अग्निकांड में उत्तराखंड के नौ लोगों के निधन को अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक बताया है।

बीती शनिवार रात हुए भीषण अग्निकांड में उत्तराखंड के पांच युवकों की मौत हो गई, जिनमें टिहरी के दो युवक जितेंद्र सिंह और सतीश सिंह हैं। ये सभी गोवा क्लब में कर्मचारी थे। हादसे में चम्पावत निवासी मनीष सिंह के साथ ही उत्तराखंड मूल के दो अन्य युवा (सुमित नेगी और सुरेंद्र सिंह) की भी जान चली गई। इस अग्निकांड में एक ही परिवार के पांच में से चार लोगों की मौत होना सामने आया है जो गोवा में छुट्टी मनाने गए थे। इनमें दो लोग मूल रूप से अल्मोड़ा के थे और वर्तमान में दिल्ली रहते थे। दो महिलाएं बागेश्वर की थीं। मरने वालों में तीन सगी बहनें बतायी गईं। इनके नाम विनोद, कमला, अनीता व सरोज बताए गए जबकि भावना बच गई। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठोर समय में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गोवा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्रता से पूरा कराया जाए ताकि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कर्नल विपिन पांडे ने किया डीएसबी परिसर का भ्रमण

नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में सोमवार को विशेष अवसर देखने को मिला, जब वर्ष 1976 में एमएससी भौतिक विज्ञान से उत्तीर्ण रहे पूर्व छात्र कर्नल विपिन पांडे ने अपने पुराने कॉलेज का भ्रमण किया। लंबे समय तक देश की सेवा करने के बाद सेना से अवकाश प्राप्त कर कर्नल पांडे वर्तमान में कॉरपोरेट क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भ्रमण के दौरान एलुमनी सेल के महासचिव प्रो. ललित तिवारी ने उनका स्वागत किया और छात्र जीवन से लेकर फौज तथा कॉरपोरेट जगत तक की उनकी यात्रा पर विस्तृत चर्चा की। कर्नल पांडे ने भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुची बिष्ट से भी भेंट की। उन्होंने विभाग की प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया और वर्तमान विद्यार्थियों से बातचीत कर अपने जीवन के अनुभव एवं सफलता के मंत्र साझा किए। चर्चा के दौरान प्रो. बिमल पांडे, प्रो. सीमा पांडे और डॉ. राजकुमार भी उपस्थित रहे। कर्नल पांडे का परिसर आगमन विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी क्षण रहा।

स्वर्ण जयंती अतिथि गृह का लोकार्पण

संवाददाता, नैनीताल

कुमाऊं विवि में अतिथि गृह का लोकार्पण करते कुलपति। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर के स्वर्ण जयंती अतिथि गृह का लोकार्पण शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत ने किया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष में निर्मित यह अतिथि गृह शिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षणिक संगोष्ठियों एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के संचालन को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

लोकार्पण के दौरान कुलपति प्रो. डीएस रावत ने कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय पिछले 50 वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है और अब उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा स्वर्ण जयंती अतिथि गृह केवल एक भवन नहीं है, बल्कि यह विश्वविद्यालय की प्रगति, शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने और शिक्षक प्रशिक्षण को व्यापक एवं प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह आधुनिक अतिथि गृह राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं संसाधनों को विश्वविद्यालय से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि एमएमटीटीसी के माध्यम से विश्वविद्यालय लगातार शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और क्षमता-विकास गतिविधियों का आयोजन करता रहा है, और अब नये अतिथि गृह से इन कार्यक्रमों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण वातावरण मिल सकेगा।

कवायद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दिए संकेत, बिहार की तर्ज पर योजना

महिलाओं-युवाओं के लिए प्रत्यक्ष लाभ योजना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए इसे चुनावी रिश्वत करार दिया

अमृत विचार: उत्तराखंड भाजपा के प्रमुख महेंद्र भट्ट ने कहा है कि राज्य सरकार बिहार की तर्ज पर महिलाओं और युवाओं के लिए प्रत्यक्ष लाभ योजना ला सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य की बजट व्यवस्था और जरूरतों के आधार पर प्रत्यक्ष लाभ योजना की दिशा में जल्द महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

भट्ट ने दावा किया कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भाजपा सरकार लगातार काम कर रही है। महिलाओं को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है, महिला सहायता समूहों को शून्य ब्याज दर पर कर्ज दिया जा रहा है। राज्य की प्रगति में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है और आगे भी उनके हित में नई पहल शुरू की जाएंगी। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री धामी ने केंद्र सरकार से भी बातचीत की है ताकि ऐसी योजनाएं लागू की जा सकें जिनसे विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। उधर, राज्य सरकार के इस प्रस्तावित कदम को विपक्ष कांग्रेस ने 'चुनावी रिश्वत' बताया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से ठीक पहले लाभ बांटकर मतदाताओं को प्रभावित करना चाहती है। गोदियाल ने कहा, प्रत्यक्ष लाभ योजना वह होती है जो पूरे पांच साल चले। चुनाव के वक़्त दिया गया लाभ योजना नहीं, बल्कि रिश्वत होती है। बिहार और उत्तराखंड की तुलना नहीं की जा सकती। हमें उम्मीद है कि नागरिक, योजना और रिश्वत में फर्क समझेंगे। कहा कि असली योजना वह होती है जिसमें कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति बिना सिफारिश के लाभ पा सके, न कि मतदान से पहले लाभ बांटकर राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश हो।

हालांकि कांग्रेस की आलोचना को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष के पास करने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह विकास और जनहित से जुड़ी योजनाओं का विरोध कर रहा है। भट्ट ने कहा कि, हम जो भी योजना लाएंगे वो राज्य हित में होगी। कांग्रेस को हर अच्छे काम का विरोध करने की आदत है। उनके आरोपों पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की शुरुआत में होने हैं।

सिटी ब्रीफ

मधुमक्खियों के हमले में नाव चालक की मौत

नैनीताल : बीते रविवार को ज्योलीकोट क्षेत्र के समीपवर्ती ग्राम गांजा निवासी रफीक पर जंगली मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। गंभीर हालत में उन्हें 108 एंबुलेंस से उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी ले जाया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, नैनीताल में नाव चालक के रूप में कार्य करने वाले रफीक रविवार सुबह करीब 10 बजे दो गांव के पास जा रहे थे। इसी दौरान अचानक एपिस डोरसिटा प्रजाति की जंगली मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। बड़ी संख्या में डंक लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया और तुरंत अस्पताल भेजा, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए। रफीक अपने पीछे पत्नी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्राम प्रधान बबीता मनराल ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

मृतक रफीक।

पहले सीडीएस रहे जनरल रावत को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने सोमवार को ऊंचापुल स्थित रामलीला मैदान में प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा की। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कैप्टन दया किशन जोशी (सेना मेडल विजेता) ने की। पूर्व सैनिकों ने जनरल रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान भुवन चंद भगत, खिलानंद चिलकोटी, पुष्कर भंडारी, अर्जुन भंडारी, भुवन चंद्र पाठक, खीम बोरा, नरेश दुर्गापाल, सुंदर रावत, दीवान राठौर, आरएस अंडोला, गजेंद्र धामी, पार्षद प्रमोद पंत मौजूद रहे।

डीडीए 15 करोड़ से चकाचक करेगा सड़कें

हल्द्वानी : जिला विकास प्राधिकरण 15 करोड़ से हल्द्वानी की सड़कों को चकाचक करेगा। इसके प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजे जा रहे हैं। डीडीए सचिव विजयनाथ शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत व गड्ढा मुक्त बनाने को लेकर विशेष निर्देश दिए हैं। इसके बाद डीडीए की ओर से हल्द्वानी की सड़कों के लिए 15 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि अब नवीनीकरण व मरम्मत के लिए सड़कों का चिन्हीकरण किया जा रहा है।

बनभूलपुरा में लोकल आईडी वालों को ही एंट्री

अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट के संभावित फैसले को लेकर पुलिस ने फिर कसी कमर, संदिग्ध हुए भूमिगत

- **कल सुप्रीम कोर्ट में होनी है रेल भूमि अतिक्रमण मामले की सुनवाई**
- **कोई भी बाहरी व्यक्ति बनभूलपुरा में नहीं कर सकेगा प्रवेश**

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा-रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में सुप्रीम कोर्ट से 10 दिसंबर को फैसला संभावित है। पुलिस ने कमर कस ली है और एक बार फिर गिरफ्तारियों के लिए संदिग्धों का चिह्नीकरण शुरू हो चुका है।

उधर, जेल जाने के डर से कई संदिग्ध भूमिगत हो गए हैं। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट कहा है कि फैसले के दिन बनभूलपुरा एक बार फिर जीरो जोन होगा और सिर्फ लोकल आईडी वालों को ही बनभूलपुरा में दाखिल होने की अनुमति होगी। इस पूरी व्यवस्था को लेकर पुलिस ने बैठक की है।

इससे पहले बीती 2 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट से बनभूलपुरा-रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में फैसला आना था, लेकिन किन्हीं कारणों से फैसला टला और अब 10 दिसंबर फैसले की तारीख तय की गई है। 2 दिसंबर से पहले पुलिस ने ऐसे 21 लोगों को बनभूलपुरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया, जिन पर पुलिस को हिंसा फैलाने या लोगों को भड़काने का संदेह था। जबकि 121 लोगों को नोटिस जारी किए थे। 10 दिसंबर को आने वाले संभावित फैसले को लेकर पुलिस ने पहले ही साफ कर दिया था। एक बार फिर गिरफ्तारियों का दौर शुरू होगा। पुलिस यह चेतावनी संदिग्धों के कान तक पहुंचा चुकी है। सूत्रों का कहना है कि बनभूलपुरा में रहने वाले कुछ संदिग्ध कई दिनों से लापता हैं। माना जा रहा है कि यह लोग गिरफ्तारी के डर से अंडरग्राउंड हो गए हैं।

सोमवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने अहम बैठक की। एसएसपी ने साफ कर दिया है कि संदिग्धों की फिर गिरफ्तारियां शुरू होंगी। जो भी भाग रहे हैं, उन्हें भी तलाश लिया जाएगा। एसएसपी ने बनभूलपुरा के साथ पूरे शहर में सघन चेकिंग के निर्देश दिए हैं। बम निरोधक दस्ते ने बैठक के बाद शहर के साथ बनभूलपुरा क्षेत्र में चेकिंग शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को सुबह से ही बनभूलपुरा को जीरो जोन बना दिया जाएगा। क्षेत्र में किसी भी तरह के परिवहन पर पाबंदी होगी। उन लोगों को बनभूलपुरा क्षेत्र में दाखिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिनके पास लोकल आईडी नहीं होगी। एसएसपी ने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में एसपी क्राइम/ट्रैफिक डॉ. जगदीश चंद्र, पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल, पुलिस अधीक्षक दूरसंचार रेवाधर मठपाल, सीओ सिटी अमित कुमार रहे।

बनभूलपुरा-रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी।

24 घंटे सोशल मीडिया की निगरानी करेगा सेल

हल्द्वानी : एसएसपी ने बताया कि जमीनी स्तर पर उनके पास पुलिस का भारी-भरकम बल मौजूद है। पुलिस के साथ पीएसी, आईटीबीपी और रेलवे पुलिस बल भी मौजूद रहेगा। इसके अलावा पुलिस और रेलवे के तकरीबन 52 सीसीटीवी से भी पूरे बनभूलपुरा क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है। सोशल मीडिया सेल 24 घंटे सोशल मीडिया प्लेट फार्म की निगरानी करेगा। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार से भ्रामक सूचना फैलाने, भड़काऊ संदेश प्रचारित करने और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसी पोस्ट प्रसारित करता है, तो उस पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

एसएसपी ने ये दिए निर्देश

- संपूर्ण प्रभावित क्षेत्र की बैरिकेटिंग की जाएगी।
- बनभूलपुरा की लोकल आईडी न होने पर कोर क्षेत्र में प्रवेश वर्जित।
- बनभूलपुरा व हल्द्वानी क्षेत्र में सोमवार से ही बीडीएस ने की चैकिंग शुरू।
- संभावित उपद्रवियों के विरुद्ध की जाएगी मुचलका पाबंद कार्यवाही।
- चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्धों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।
- आज बनभूलपुरा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला जाएगा।
- डायवर्जन प्लान समय से जारी करने के निर्देश दिए गए।

अब्दुल मलिक समेत 13 को नहीं मिली जमानत

विधि संवाददाता, नैनीताल

- **हल्द्वानी दंगा: हाईकोर्ट की खंडपीठ ने तीन आरोपियों को दी जमानत**
- **राज्य सरकार से आरोपों के संबंध में पूरा ब्योरा तलब किया**

अमृत विचारः हल्द्वानी दंगे के कथित मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को हाईकोर्ट ने सोमवार को जमानत नहीं दी। वहीं, उस पर लगे आरोपों के संबंध में प्रदेश सरकार से पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही अदालत ने हल्द्वानी दंगे के तीन अन्य आरोपियों को जमानत प्रदान कर दी है।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ में हल्द्वानी दंगे से जुड़े मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक समेत कुल 16 मामलों में सुनवाई हुई। इनमें से तीन ही आरोपियों को दानिश मलिक, जुनैद और अयाज अहमद को जमानत मिल पायी। खंडपीठ ने हल्द्वानी नगर निगम के पूर्व पार्षद जीशान परवेज उर्फ सेबू को भी जमानत नहीं दी। सभी आरोपियों के मामले में अदालत दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगी। मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक की ओर से जमानत की मांग करते हुए कहा गया कि वह निर्दोष है। वह वरिष्ठ नागरिक है और पिछले वर्ष फरवरी से जेल में बंद है। सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि वह मुख्य आरोपी है। उस पर पूरी साजिश रचने के गंभीर आरोप हैं। उसने सरकारी जमीन पर कब्जा किया और जब प्रशासन की टीम वहां पहुंची तो उन पर हमला कर दिया। अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए सरकार को निर्देश दिए कि वह आरोपी पर लगे सभी आरोपों का ब्योरा अदालत में पेश करे। अदालत दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि पिछले साल आठ फरवरी को बनभूलपुरा में सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के दौरान दंगा भड़क गया था। समुदाय विशेष के लोगों ने प्रशासन की टीम पर हमला कर बनभूलपुरा थाने में आग लगा दी थी। इस दंगे में 5 लोगों की मौत हो गयी थी और कई घायल हुए थे।

नाबालिगों ने उड़ा लिए सीसी कैमरे व ड्राई फ्रूट

नैनीतालः मल्लीताल क्षेत्र में एक होटल और एक दुकान में सेंधमारी कर तीन किशोरों द्वारी सीसीटीवी कैमरे और भारी मात्रा में ड्राई फ्रूट चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने क्षेत्र का सीसीटीवी फुटेज खंगाला, जिसमें तीनों की हरकतें कैद मिली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया।

मल्लीताल रोपवे मार्ग स्थित एक होटल के कर्मियों ने सुबह बाहर से लगे सीसीटीवी कैमरे गायब पाए। वहीं मल्लीताल गाड़ी पड़ाव की एक दुकान से ड्राइ फ्रूट चोरी होने की शिकायत पुलिस को मिली। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें तीन नाबालिग दोस्तों की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने छापेमारी कर तीनों किशोरों को पकड़ लिया तथा उनके घर से चोरी किया गया ड्राई फ्रूट भी बरामद कर लिया।

हजारों का फायदा देकर लाखों रुपये हड़प लिए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ऑनलाइन प्लेटफार्म बंपी पर मिली एक लड़की ने युवक का खाता खाली कर दिया। युवक को उसने ऑनलाइन टास्क में जोड़ा और छोटा-छोटा रिफंड देकर उसे झांसे में ले लिया। फिर उससे बड़ी रकम इन्वेस्ट कराई और हड़प ली। मुखानी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिवर वैली कमलुवागांजा निवासी पुष्पेंद्र सिंह परिहार ने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया प्लेटमार्फ बंपी पर उसकी मुलाकात अनुष्का गुप्ता से हुई थी। अनुष्का ने बताया था कि वह साकेत कालोनी आदर्शनगर जयपुर राजस्थान की रहने वाली है। अनुष्का ने पुष्पेंद्र को ई- कामर्स सेलर सिस्टम से जुड़ने को प्रेरित किया। अनुष्का ने पुष्पेंद्र का रजिस्ट्रेशन किया और एक सेलर डेशबोर्ड दिया गया। आर्डर पूरा करने पर कमीशन का वादा किया। शुरुआत में ऑर्डर पूरा करने पर पुष्पेंद्र को कुछ लाभ मिला और इससे उसे प्लेटफार्म पर भरोसा हो गया। इसके बाद पुष्पेन्द्र ने 8 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच विभिन्न किस्तों में लगभग 6 लाख रुपया डाल दिया। रुपया डालने के बाद साइट ने ऑर्डर प्रोसेस न होने की बात कहकर पैनाल्टी पैमेन्ट देने को कहा। जब पुष्पेंद्र ने असमर्थता जताई तो साइट से पुष्पेंद्र का सेलर डेशबोर्ड ब्लाक कर उसके खाते में जमा 6 लाख रुपया रोक दिया गया। इसके बाद पुष्पेंद्र को धोखाधड़ी का एहसास हुआ।

विभिन्न पदों पर होगी संविदा भर्ती

हल्द्वानीः जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति नैनीताल की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत विभिन्न पदों पर संविदा पर नियुक्ति की जाएंगी। इसके लिए 16 और 17 दिसंबर को कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी नैनीताल में वॉक इन इंटरव्यू होगा।

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय नैनीताल के अनुसार पदों की शैक्षिक व अन्य योग्यता तथा साक्षात्कार की तिथि एनआईसी नैनीताल की वेबसाइट (nainital.nic.in) पर उपलब्ध है। जिन पदों के लिए साक्षात्कार होंगे उनमें स्टाफ नर्स, एएमएम, डाटा इंट्री ऑपरेटर, डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर, लैब टैक्नीशियन, डेंटल असिस्टेंट, एक्सरे-टेक्नीशियन, साइकोलॉजिस्ट, ब्लड बैंक टेक्नीशियन, काउंसलर, फार्मासिस्ट आदि पद शामिल हैं।

गौला डंपरों में 108 और ट्रॉली में 80 क्विंटल क्षमता को लागू किया जाए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डंपर एसोसिएशन व गौला संघर्ष समिति ने वन विकास निगम व जिला प्रशासन से गौला नदी के खनन वाहनों में ओवरलोडिंग पर रोक लगाने की मांग की है।

डंपर एसोसिएशन व गौला संघर्ष समिति ने सोमवार को एडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी, एसडीएम राहुल शाह व वन विकास निगम के डीएलएम धीरेश बिष्ट को ज्ञापन सौंपकर कहा कि पूर्व की भांति गौला नदी के खनन वाहनों में ओवरलोडिंग पर एक दिन का प्रतिबंध लागू किया जाए। साथ ही पूर्व व्यवस्था के तहत डंपर में 108 और ट्रॉली में 80 क्विंटल वजन क्षमता का नियम लागू किया जाए। वाहनों की पंजीयन कॉपी के अनुसार वजन लागू किया गया है, जिससे खनन से जुड़े एक हजार से अधिक टिप्पर व ट्रैक्टर ट्रॉली खड़े हो गए हैं। सभी वाहन स्वामियों ने एक सुर में खनन वाहनों में पूर्व की व्यवस्था लागू करने की मांग की ताकि सरकार को राजस्व व वाहन स्वामियों, चालकों, श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो सके।

ज्ञापन सौंपने वालों में गौला संघर्ष समिति से पम्मी सैफी, डंपर एसोसिएशन से इंद्र सिंह बिष्ट, मनोज मठपाल, पृथ्वी पाठक, कंचन जोशी, सुधीर पांडे, भूपेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते डंपर एसोसिएशन व गौला संघर्ष समिति के सदस्य।

कंपनी के मैनेजर को कार ने कुचला, मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **कंपनी से लौटते वक्त चोरगलिया में कार से टकराई बाइक**
- **मूल रूप से पंजाब का रहने वाला था 35 वर्षीय कंपनी मैनेजर**

अमृत विचार : आधी रात ड्यूटी से घर लौट रहा एक कंपनी का मैनेजर सड़क हादसे का शिकार हो गया। बाइक सवार मैनेजर चोरगलिया में एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

मूल रूप से पठानकोट पंजाब के रहने वाले मोहन लाल (35 वर्ष) चोरगलिया सिडकुल स्थित एक कंपनी में डिजाइन एंड प्रोडेक्ट मैनेजर के पद पर तैनात थे और चोरगलिया क्षेत्र में वह अपनी डेढ़ साल की बेटी व पत्नी संग रहते थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात करीब सवा एक बजे मोहन सिडकुल से घर लौट रहे थे। इसी बीच चोरगलिया में टूटी चक्की एस मोड़ के पास उनकी बाइक को सामने से आ रही एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद कार सवार फरार हो गया। हादसे में मोहन के सिर पर गंभीर चोट आई। उन्हें फौरन डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से उसे निजी अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान मोहन की मौत हो गई।

बरहैनी जंगल में नर हाथी का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः तराई केन्द्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर की बरहैनी रेंज के जंगल में नर हाथी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव कुछ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। हाथी की मौत उम्रदराज और बीमार होने के कारण होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वन विभाग की टीम मौके पर डटी हुई है।

सोमवार को कमोला बीट में गश्त के दौरान वन रक्षक विवेक गोस्वामी और बीट वॉचर प्रमोद सामंत को मृत हाथी दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही विभाग में हड़कंप मच गया और रेंजर लक्ष्मण सिंह बिष्ट टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

डीएफओ उमेश तिवारी ने बताया कि मृत नर हाथी की उम्र लगभग 30 से 32 वर्ष होगी और शव कुछ दिन पुराना लग रहा है। शुरुआती अनुमान है कि हाथी की मौत कमजोरी और बीमारी के कारण हुई है। हालांकि, वास्तविक मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। हाथी के दांत सुरक्षित पाए गए हैं। हाथी के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को पशु चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

बरहैनी रेंज के जंगल में मिला नर हाथी का शव। ● अमृत विचार

कुकर फटने से दो कर्मचारी घायल

नैनीतालः मल्लीताल क्षेत्र में रेस्टोरेंट में कुकर फटने से दो रेस्टोरेंट कर्मी घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी है। जानकारी के अनुसार मल्लीताल न्यू पालिका बाजार के एक रेस्टोरेंट में सुबह कर्मचारियों ने गैस में छोले से भरा कूकर चढ़ाया था।

इस दौरान रेस्टोरेंट में कर्मी काम कर रहे थे। रेस्टोरेंट में गैस के ऊपर रखे कुकर में अचानक ब्लाट हुआ तो वहां भगदड़ मच गई। आसपास के लोगों ने शोर सुना तो वह रेस्टोरेंट पर पहुंचे। इस दौरान वहां दो चोटिल कर्मी कराह रहे थे। जिनको अस्पताल पहुंचाया गया। बीडी पांडे अस्पताल के डॉ. अनिरुद्ध गंगोला ने बताया कि रेस्टोरेंट में कुकर फटने से संतोष (40) के हाथ पैर में चोट आई है। जबकि संतोष (28) को गुम चोट आई है।

मध्याह्न भोजन योजना का ईंधन जलकर राख

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **देवलचौड़ स्थित प्राथमिक स्कूल में देर शाम घटी घटना**
- **रसोई के पास रखा था ईंधन दमकल ने बुझाई आग**

अमृत विचार : देवलचौड़ स्थित प्राथमिक स्कूल के किचन के पास रखी लकड़ियों में सोमवार की देर शाम आग लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अनुसार इसमें किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि यदि आग किचन तक पहुंचती तो बड़ी घटना हो सकती थी। जो लकड़ियां जलीं एक मध्याह्न भोजन योजना के तहत एक माह का ईंधन था।

फायर स्टेशन में आग लगने की सूचना किसी राहगीर ने दी थी। एफएसओ मिन्दर पाल सिंह ने बताया कि तत्काल ही एक दमकल को मौके पर रवाना किया गया। स्कूल के अंदर किचन के निकट कुछ लकड़ियां रखीं थीं। इसी में आग लग गई।

आग बढ़ी तो राहगीर डर गए और तत्काल ही एक राहगीर ने फायर स्टेशन को जानकारी दी। दमकल ने 5 से 7 मिनट में आग पर काबू पा लिया। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। स्कूल प्रबंधन की मानें तो अवकाश के बाद स्कूल परिसर में अराजक तत्वों की आवाजाही भी रहती है। इसमें नशा करने वाले अधिक हैं। इन्हीं में से किसी की यह हरकत हो सकती है।

मायूसी

यूनिट के लिए अभी चार मेडिकल ऑफिसरों की जरूरत, पूरी तरह से संचालन में लगेगा समय

आईसीयू तो खुला लेकिन गंभीर मरीज नहीं होंगे भर्ती

- **सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू स्थापित**
- **पर्याप्त स्टाफ न होने से फिलहाल साधारण मरीज किए जा रहे भर्ती**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू तो खुल गया लेकिन दिक्कत यह है कि अभी आईसीयू में गंभीर मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। अभी केवल सामान्य मरीजों को ही भर्ती कर रहे हैं जबकि आईसीयू से असली राहत गंभीर मरीजों को ही मिलती है।

कोविड काल की पहली लहर के दौरान बेस अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू खोला गया था। स्टाफ नहीं होने की वजह से आईसीयू में ताला लगा रहा। यह मामला जब बार-बार उठा तो स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने 10 दिन के अंदर आईसीयू खोलने के आदेश सीएमओ डॉ. एचएस पंत को दिए थे। चार दिसंबर को आईसीयू का उद्घाटन कर दिया गया। तब कहा गया था कि आईसीयू का संचालन पूरी तरह से किया जाएगा लेकिन अब दिक्कत सामने आना शुरू हो गई हैं। यहां अभी जिस मरीज को भी भर्ती किया है वह सामान्य मरीज ही हैं। आईसीयू के पूरी तरह से संचालन के लिए अभी स्टाफ की जरूरत है। चार मेडिकल ऑफिसर हों तो तब आईसीयू में मरीज की 24 घंटे तक मॉनिटिरिंग हो पाएगी। इसके अलावा कुछ तकनीशियनों की भी जरूरत है। अस्पताल प्रशासन से जानकारी मिली कि आईसीयू को पूरी तरह से ऑपरेट करने के लिए अभी कुछ माह का समय और लग सकता है। पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि सामान्य मरीजों को भर्ती कर रहे हैं। हालांकि अभी बहुत ही गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती नहीं कर रहे हैं।

बैटरी की भी जरूरत

हल्द्वानी : आईसीयू के संचालन में बैटरी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बिजली कटौती के दौरान जीवन रक्षक उपकरणों (जैसे वेंटिलेटर, मॉनिटर, पंप) को निरंतर ऊर्जा प्रदान करती हैं, पोर्टेबल उपकरणों को शक्ति देती हैं और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इससे रोगी की देखभाल में कोई रुकावट नहीं आती और अचानक बिजली गुल होने से होने वाले खतरों से बचा जा सकता है। बताया जा रहा है कि आईसीयू को अभी तक पूरी तरह से बैटरी नहीं मिल पाई हैं। साथ ही आईसीयू का मरीजों से कितना चार्ज लिया जाएगा, अभी इसकी भी जानकारी नहीं है।

फरीदाबाद में 81 हजार लौटाकर मुखानी की युवती ने छुड़ाई जान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **हालांकि समझौता होने के बावजूद पुलिस ने बंद नहीं की है जांच**
- **युवती के खातों में आई अन्य रकम को ट्रैक कर रही है पुलिस**

अमृत विचार : ट्रेडिंग एप में निवेश और फिर खाते में अचानक हजारों की रकम आने के बाद मुखानी में रहने वाली युवती फरीदाबाद पुलिस की निगाह में आ गई। फरीदाबाद में एक युवक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही पुलिस बीते गुरुवार को उसे फरीदाबाद उठा ले गई। युवती ने रकम वादी को वापस कर किसी तरह अपनी जान तो छुड़ा ली, लेकिन फरीदाबाद पुलिस ने अभी उसका पीछा नहीं छोड़ा है।

पुलिस के मुताबिक, मुखानी थानाक्षेत्र में रहने वाली इस युवती ने एक ट्रेडिंग एप को अपने मोबाइल पर इंस्टाल कर पांच हजार रुपए का निवेश किया था। पांच हजार का निवेश करने वाली युवती के खाते में कुछ दिन बाद 81 हजार रुपये आ गए। उसे लगा यह निवेश का लाभ है। हालांकि खाते में इतनी बड़ी रकम आने के बाद वह फरीदाबाद पुलिस की नजर में आ गई।

बताया गया कि फरीदाबाद में एक युवक ने अपने साथ हुई जालसाजी की पुलिस से शिकायत की थी और इसी मामले की जांच करती पुलिस की नजर युवती के बैंक खाते पर पड़ी। बीते शुक्रवार को फरीदाबाद पुलिस हल्द्वानी पहुंची। उसने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और पूछताछ के लिए युवती को अपने साथ ले गई। बताया जाता है कि युवती ने अपने खाते में आई सारी रकम मुकदमा दर्ज कराने वाले युवक को देकर समझौता कर लिया। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल का कहना है कि मामले में समझौता भले ही हो गया है, लेकिन वह अभी भी युवती के बैंक खाते की जांच कर रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि उसके खाते में कहां-कहां से ट्रांजेक्शन हुआ है। ताकि पुलिस असल गुनहगार तक पहुंच सके।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,9 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

14 को रातीघाट में लगेगा स्वास्थ्य शिविर

नैनीताल : रोटरी क्लब, स्वास्थ्य विभाग और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिसंबर को शहीद संजय सिंह बिष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, रातीघाट में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कानूनी जानकारी और परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा। रोटरी क्लब की शिवांगी साह ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

11 को मनायी जायेंगी डॉ. मैटि जयंती

रामनगर : ईआरडीओ उत्तराखंड की बैठक मे 11 जनवरी को डॉ. मैटि जयंती समारोह रामनगर मे मनाये जाने का निर्णय लिया गया। सोमवार को रामनगर के एक होटल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेश राजपूत की अध्यक्षता व मीडिया प्रभारी डॉ. जफर सैफी के संचालन में समपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से इलैक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीजर मैटि की 216 वी जयंती के अवसर पर आगामी 11 जनवरी को डॉ. मैटि जयंती समारोह मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। डॉ. सुरेश राजपूत, डॉ. जफर सैफी, डॉ. आरके विश्नोई, डॉ. शमशाद अली, डॉ. नावेद जाफरी, डॉ. जैड रहमान, डॉ. वैभव शर्मा, डॉ. राहत अली, डॉ. सीएम देवली रहे।

पूछड़ी मामले को लेकर सैंकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

विभिन्न संगठनों ने जुलूस निकालकर जताया विरोध, ग्रामीणों के उत्पीड़न का आरोप, बेदखल परिवारों के पुनर्वास की मांग

संवाददाता, रामनगर

रामनगर के पूछड़ी में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में धरने पर बैठीं महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पूछड़ी में वन विभाग व जिला प्रशासन द्वारा हटाए गए अतिक्रमण के नाम पर ग्रामीणों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए सैकड़ों लोगों ने जुलूस निकालकर धरना-प्रदर्शन किया।

संयुक्त संघर्ष समिति ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर को भेजे ज्ञापन में ग्राम पूछड़ी व उत्तराखंड में चल रही सभी बेदखली एवं दमनात्मक कार्रवाइयों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इसके साथ ही 7 दिसंबर को बेदखल किए गए परिवारों के पुनर्वास, महिलाओं व ग्रामीणों के साथ हुई मारपीट और अवैध हिरासत की न्यायिक, उच्च स्तरीय जांच करवाने, उच्च न्यायालय के स्टे आदेशों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार डीएफओ प्रकाश आर्य एवं अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा उत्तराखंड में वनाधिकार कानून लागू कर सभी वन ग्रामों, गोठ व खत्तों को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग भी उठाई गई।

तहसील परिसर में वक्ताओं ने कहा कि ग्राम पूछड़ी में विगत वर्ष ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति का विधिवत गठन हो चुका है। कानूनन अधिकार निर्धारण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक किसी भी ग्रामीण को उसके घर या भूमि से बेदखल नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद 7 दिसंबर की सुबह 5 बजे से वन विभाग और जिला प्रशासन ने बलपूर्वक बेदखली की कार्रवाई की। जिन लोगों को हाईकोर्ट से स्टे मिला हुआ था, या जिन्हें केवल नोटिस दिया गया था उन पर भी बुल्डोजर कार्रवाई की गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति की अध्यक्ष धना तिवारी और सदस्य सीमा तिवारी को स्टे आदेश दिखाने के बावजूद मारपीट कर हिरासत में लिया गया। दर्जनों ग्रामीणों को पूरे दिन अवैध हिरासत में रखा गया। इसके अलावा ग्रामीणों की गेहूं की खड़ी फसल उजाड़कर नगर पालिका द्वारा वहां कूड़ा डंप किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। वक्ताओं ने कहा कि यह भूमि खाम भूमि है, जिसे वन विभाग ने 1966 से अवैध रूप से आरक्षित वन क्षेत्र घोषित कर रखा है। वन विभाग इस मामले में 1990 में काशीपुर न्यायालय में मुकदमा हार चुका है और सूचना आयोग में भी लिखित रूप से स्वीकार कर चुका है कि संबंधित भूमि के दस्तावेज उनके पास उपलब्ध नहीं हैं। वक्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक की चुप्पी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इसका जवाब भाजपा को 2027 में दिया जाएगा।

सभा का संचालन सरस्वती जोशी ने किया। सभा को पीपी आर्य, कैलाश पांडे, ललित उप्रेती, ललिता रावत, प्रभात ध्यानी, मुनीश अग्रवाल, खीम राम, रेनु सैनी, नेहा, सोनम शेख, लालमणी, तुलसी छिम्वाल, दीपक तिवारी, सीमा तिवारी, मो. अकरम, रमेश आर्य, महेश जोशी और जगमोहन रावत ने संबोधित किया।

स्टे वाले मकानों को नहीं छुआ: एसडीएम

एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि संयुक्त संघर्ष समिति ने कुमाऊं आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई के दौरान किसी भी स्टे प्राप्त भवन को नहीं छुआ गया है। यदि किसी के पास भूमि से संबंधित स्टे आदेश है, तो वह उसे डीएफओ को दिखा सकता है। एसडीएम ने पुलिस पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि कार्रवाई की पूरी वीडियोग्राफी उपलब्ध है। यदि जांच की मांग की जाती है, तो निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

आज बनेगी रणनीति

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रामनगर क्षेत्र के कोने-कोने से ग्रामीण पहुंचे। आंदोलन की आगामी रणनीति तय करने के लिए 9 दिसंबर को पूछड़ी एकता चौक में बैठक आयोजित की गई है, जिसमें आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

स्पीड ब्रेकर लगाने की कार्यवाही शुरू

बाईपास मार्ग में बनाई गई जेब्रा क्रासिंग।

भीमताल : बायपास मार्ग में स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग को लेकर अमृत विचार अखबार में प्रकाशित खबर का एक बार फिर से असर देखने को मिला है। इसका संज्ञान में लेते हुए लोक निर्माण विभाग भवाली ने स्पीड ब्रेकर लगाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

कार्यवाही के तहत लोक निर्माण विभाग ने जेबरा क्रॉसिंग बना दी है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक शीघ्र ही स्पीड ब्रेकर का निर्माण भी ड्राइंग के अनुसार शीघ्र किया जाएगा। गौरतलब है कि स्थानीय लोगों ने जिला मंत्री भाजपा मनोज भट्ट को ज्ञापन देकर क्षेत्र में सुरक्षात्मक उपाय के लिए स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की थी। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग ने स्पीड ब्रेकर लगाने की कार्रवाई प्रारंभ होने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

थोक व्यापारी मंडी में करें कारोबार

संवाददाता, रामनगर

व्यापारियों की बैठक लेते मंडी सचिव सहील अहमद। ● अमृत विचार

अमृत विचारः कृषि उत्पादन मंडी समिति रामनगर के सभागार में खाधान्न आढ़तियों एवं व्यापारियों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें मंडी सचिव सहील अहमद ने कृषि उत्पाद का थोक संव्यवहार प्रधान मंडी स्थल के भीतर किये जाने की व्यवस्था है।

मंडी सचिव सहील अहमद ने कहा मंडी स्थल में कारोबार न कर मंडी क्षेत्र से बाहर बाजार में कारोबार किया जा रहा है। जिस कारण बाजार में विनिर्दिष्ट कृषि उत्पादों से सम्बंधित वाहनों के आवागमन से अनावश्यक यातायात भी प्रभावित हो रहा है। जिसके कारण आम जनमानस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी को सहमति के साथ मनाना पड़ेगा कि वह थोक का कारोबार मंडी से ही करें। व्यापारी राहुल अग्रवाल ने कहा कि मंडी समिति परिसर की कई स्थानों पर चाहरदीवारी क्षतिग्रस्त हो गई है और सूरक्षा की दृष्टि से मरम्मत कार्य कराया जाए। नालियों की मरम्मत एवं पानी की निकासी होनी चाहिए

देवभूमि व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल ने कहा कि मंडी में कारोबार करने के लिए बैंक, शौचालय, एवं दुकानों के मरम्मत कार्य एवं कच्ची स्थानों पर ही सीमा इंटरलॉक से सड़कें बननी चाहिए

मंडी सचिव ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार और व्यवस्था कर दी जाएगी। देवभूमि उधोग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन काण्डपाल ने कहा कि रामनगर मंडी पहाड़ की लोडिंग मंडी है। इसे हल्द्वानी मंडी की तरह कारोबार करने दिया जाए। बैठक में मनमोहन अग्रवाल, पलक अग्रवाल, जय दीप, सुमित मेहरोत्रा, मोहित अग्रवाल, दिनेश चंद्र, रामशंकर, हिमांशु अग्रवाल, सतीश चन्द्र, रामनिवास अग्रवाल, मनोज माहेश्वरी, राहुल अग्रवाल आदि रहे।

सिंचाई के लिए पानी न मिलने से ग्रामीण परेशान

कालाढूंगी : सिंचाई नहर में पिछले दो सप्ताह से सफाई का कार्य चलने के कारण पानी बंद है। इससे कालाढूंगी, छोटी हल्द्वानी, गुलजारपुर और बंकी क्षेत्रों के हजारों एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल सिंचाई संकट से जूझ रही है।

किसान गोविन्द दसौनी, गोपाल मेहरा, राजू रावल, गोधा बिष्ट, धन सिंह बिष्ट, जानकी देवी, महेश आर्या, त्रिलोक साह, भगवान दसौनी, प्रीतम सिंह चौहान, बसंत, प्रेम बिष्ट, गणेश बिष्ट, आनंद सिंह बिष्ट, अनिल वालिया और टीका राम का कहना है कि जब गेहूं की पहली सिंचाई का महत्वपूर्ण समय है, तभी विभाग को नहर की सफाई याद आ रही है। नलकूप के जेई जावेद अंसारी ने बताया कि रतनपुर सिंचाई ट्यूबवेल ठीक हो चुका है, जबकि पूरनपुर ट्यूबवेल की लीक हुई पाइपलाइन भी मरम्मत कर दी गई है। आज से दोनों ट्यूबवेल किसानों को पानी उपलब्ध कराने लगेंगे।

रोजगार की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, भीमताल

रोजगार की मांग को लेकर जमरानी में विरोध-प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भीमताल विधानसभा की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल जमरानी बांध में स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलने से नाराज़ ग्रामीणों ने पूर्व दर्जा राज्यमंत्री एवं प्रमुख राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरु, राज्य आंदोलनकारी केदार पलड़िया, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामगढ़ लाखन सिंह नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य धर्मेन्द्र शर्मा, हरीश पलड़िया और नवीन पांडे के संयुक्त नेतृत्व में बांध के परियोजना कार्यालय में प्रदर्शन किया।

एक सप्ताह पूर्व हुए धरने में रोजगार न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित इस धरने में क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरु ने कहा कि एक सप्ताह पूर्व घेराव कर आंदोलन की चेतावनी दी गई थी, लेकिन प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया, जिसका परिणाम है कि आज फिर आंदोलन करना पड़ा। पूर्व प्रमुख लाखन नेगी ने क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि रोजगार मिलने से ही पलायन को रोका जा सकता है। उन्होंने प्रबंधन से सभी स्थानीय लोगों को रोजगार देने की मांग की। बाद में प्रशासन ने बातचीत का प्रयास किया, लेकिन उग्र होते आंदोलन और बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति को देखते हुए सिंचाई विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजर को ग्रामीणों की नाराज़गी झेलनी पड़ी, जिससे माहौल कुछ समय के लिए गर्म हो गया। एसआई गणेश राणा व पुलिस बल की मौजूदगी में वार्ता हुई, जिसमें सिंचाई विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजर और कंपनी प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि इसमें एडीएम नैनीताल की अध्यक्षता में बैठक होगी, जिसमें स्थानीय लोगों को रोजगार की गारंटी, डूब क्षेत्र के लोगों के वाहनों को काम पर लगाने, सड़क निर्माण में हो रही अनियमितताओं को दूर करने सहित सभी समस्याओं पर निर्णय लिया जाएगा। हिमांशु महरा, टीडी पांडे, मंजू महरा, इंदिरा मेहरा, प्रधान भगवती देवी, सरपंच डहरा, भावना बिष्ट, हरीश पलड़िया, क्षेपंस नवीन पांडे, अमृतपुर के क्षेपंस धर्मेंद्र शर्मा, एलडी पलड़िया, संजय व विकास रहे।

प्रतियोगिता में शामिल विजेता बच्चे। ● अमृत विचार

प्रेरणा बनीं गणित की जादूगर व पूजा इंग्लिश जीनियस

रामनगर : ब्लॉक संसाधन केंद्र पीरुमदारा में ब्लॉक स्तरीय मैथ्स विजार्ड एवं इंग्लिश जीनियस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संकुल स्तर से चयनित बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बीआरसी में आयोजित मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय नरसिंहपुर की प्रेरणा प्रथम जबकि प्राथमिक विद्यालय लखनपुर की राधिका द्वितीय एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय कालूसिद्ध के मोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंग्लिश स्पेलिंग जीनियस में राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय पीरुमदारा की पूजा चौहान प्रथम एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय पीपलसाना की वंशिका द्वितीय तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय गांधीनगर की आरोही तृतीय रही। निर्णायक मंडल में सारिका चौहान, गणेश पांडे, रश्मि जोशी एवं शिवम अग्रवाल रहे। विजेताओं को राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी, प्रधानाचार्य किसान इंटर कॉलेज हरेंद्र चौहान, सुभाष जुयाल, भारती लखचौरा, कमलकांत पांडे, रूपाली, राखी धनगर, मंजुला जोशी, हरीश, गौरव जोशी, रमासैनी, रामप्रकाश, दिनेश चंद्र कांडपाल ने पुरस्कृत किया।

36 प्रत्याशियों ने खरीदे नामांकन पत्र

विधि संवाददाता, नैनीताल

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए नामांकन पत्र खरीदते अधिवक्ता।

अमृत विचारः उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कुर्बान अली एवं मुख्य सलाहकार चुनाव समिति रविन्द्र बिष्ट की उपस्थिति में बार एसोसिएशन चुनाव कार्यालय द्वारा नामांकन पत्रों के विक्रय का कार्य प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया गया। इस दौरान अध्यक्ष पद के लिए 4, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए 2, उपाध्यक्ष पद के लिए एक, महिला उपाध्यक्ष पद के लिए 2, महासचिव पद के लिए 3, संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए 2, संयुक्त सचिव प्रेस के लिए 2, कोषाध्यक्ष पद के लिए 2, पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए 1, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के 5 पदों के लिए 8, वरिष्ठ कार्यकारिणी महिला पद हेतु एक, कनिष्ठ कार्यकारिणी के 4 पदों के लिए 7 तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी महिला सदस्य पद हेतु एक सहित कुल 36 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र खरीदे गए। नामांकन पत्रों के बिक्री में कमलेश कुमार तिवारी, राजेश शर्मा, राजीव पाठक, विशाल सिंह मेहरा, पंकज कपिल, मनीष बिष्ट, वन्दना मेहरा, मीनाक्षी शर्मा, देविका तिवारी, श्वेता डोभाल, चित्रार्थ कांडपाल, संगीता पाटनी, शीतल सेलवाल सहित चुनाव कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। वहीं, उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र खरीदने से माना जा रहा है कि अध्यक्ष पद पर चतुष्कोणीय मुकाबला हो सकता है।

शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी का आयोजन हुआ

रामनगर : अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन की रामनगर ब्लॉक इकाई का अधिवेशन एवं शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वीरेंद्र टम्टा तथा संचालन जिला महामंत्री दीप दर्शन ने किया।

मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अकरम ने कहा कि शिक्षकों को गरीब व वंचित वर्ग के छात्रों के शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान हेतु निरंतर प्रयास करने चाहिए। विशिष्ट अतिथि बीईओ हवलदार प्रसाद ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की। महेंद्र कुमार आर्य अध्यक्ष, प्रियंका टम्टा उपाध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार मंत्री और मोहन सिंह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

आलूखेत में भूस्खलन का होगा स्थायी उपचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल के आलूखेत, खूपी और ढूंगसील क्षेत्रों में वर्षों से सक्रिय भूस्खलन के स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग ने उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र को डीपीआर तैयार करने का पत्र भेज दिया है। सहायक अभियंता एमएस बिष्ट के अनुसार शहर की नींव में सक्रिय पुराने भूस्खलन से सड़कें, भवन और बुनियादी ढांचा लगातार प्रभावित हो रहे हैं, जिसके लिए वैज्ञानिक और दीर्घकालिक उपाय जरूरी हैं।

केंद्र इन क्षेत्रों में भू-विज्ञान, ढाल स्थिरता, मृदा संरचना और जल निकासी का विस्तृत अध्ययन कर आधुनिक तकनीकी समाधान जैसे नई ड्रेनेज प्रणाली, रिटेनिंग वॉल और स्लोप स्टाबिलिजेशन प्रस्तावित करेगा। डीपीआर स्वीकृत होने के बाद स्थायी उपचार कार्य शुरू होंगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात में मलबा बहाव और दरारों से घरों व मार्गों को खतरा रहता है। सिंचाई विभाग के एई बिष्ट के अनुसार उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र न सिर्फ वर्तमान समस्या का समाधान सुझाएगा, बल्कि भविष्य में भी इन संवेदनशील क्षेत्रों की मॉनिटरिंग करता रहेगा। उम्मीद है कि स्थायी उपचार से शहर के इन संवेदनशील ढाल क्षेत्रों की सुरक्षा मजबूत होगी और भूस्खलन का खतरा काफी हद तक कम होगा।

भ्रमण

दोनों पार्कों के इको-टूरिज्म को जोड़ने पर हुआ मंथन

नेपाल के राष्ट्रीय उद्यान का 15 सदस्यीय दल कॉर्बेट पहुंचा

संवाददाता, रामनगर

नेपाल और कार्बेट टाइगर रिजर्व के अधिकारियों एवं कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः नेपाल के प्रसिद्ध शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान से 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के दौरे पर पहुंचा। दल का नेतृत्व नेपाल के वाइल्डलाइफ वार्डन चंद्रशेखर चौधरी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में नेपाल सरकार के अधिकारी, स्थानीय गांवों से जुड़े पर्यटन क्षेत्र के लोग, प्राइवेट टूरिज्म सेक्टर के प्रतिनिधि, कंजरवेशन पार्टनर्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स शामिल रहे।

दौरे का उद्देश्य भारत के कॉर्बेट टाइगर रिजर्व और नेपाल के शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान के बीच इको-टूरिज्म को जोड़ना और दोनों पार्कों के पर्यटन मॉडल को साझा करना रहा। इस कड़ी में नेपाल के प्रतिनिधिमंडल ने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला और अन्य वरिष्ठ वन अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। नेपाल के वाइल्डलाइफ वार्डन चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि शुक्लाफांटा और कॉर्बेट के बीच टूरिज्म को किस तरह से लिंक किया जाए, ताकि भारतीय पर्यटक बड़ी संख्या में नेपाल के शुक्लाफांटा नेशनल पार्क तक भी पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने कॉर्बेट पार्क के जंगलों, वन्यजीवों और पर्यटन व्यवस्थाओं की जानकारी ली, जिसके बाद उन्होंने कॉर्बेट प्रशासन को शुक्लाफाँटा पार्क की विशेषताओं से भी अवगत कराया। चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि शुक्लाफांटा नेशनल पार्क बायोडायवर्सिटी के मामले में बेहद समृद्ध है, लेकिन वहां पर्यटन अपेक्षित स्तर पर नहीं बढ़ पाया है। उन्होंने कहा कि शुक्लाफांटा में वर्तमान में 36 टाइगर दर्ज हैं, जबकि एनुअल रिपोर्ट में यह संख्या 44 तक पहुंचने की बात सामने आई है। इसके अलावा वहां 100 से अधिक हाथी मौजूद हैं। शुक्लाफांटा की पहचान उसका आइकॉनिक स्पीशीज स्वांग हिरण भी है। वहां पर्यटन सीमित है, जबकि कॉर्बेट में कैरिंग कैपेसिटी से भी अधिक पर्यटक पार्क भ्रमण पर पहुंच रहे हैं,ऐसे में यह जानना जरूरी है कि यहाँ किस तरीके से पर्यटन गतिविधियां चलाई जाती है। साथ ही पर्यटकों को नेपाल की ओर कैसे आकर्षित किया जाए। ताकि शुक्लाफांटा में भी पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ सकें। कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने कहा कि नेपाल के शुक्लाफांटा नेशनल पार्क से आए अधिकारी और स्टेकहोल्डर्स कॉर्बेट का इको-टूरिज्म मॉडल समझने के लिए यहां आए हैं।

ब्लाक प्रमुख रूवाली ने अस्पताल का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता, भीमताल

अस्पताल का निरीक्षण करते ब्लाक प्रमुख ओखलकांडा केडी रुवाली। ● अमृत विचार

अमृत विचारः विकासखंड ओखलकांडा के ज्स्यूड़ा स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली और सुविधाओं को सुदृढ़ बनाए जाने की स्थानीय जनता की मांगों पर ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा केडी रूवाली ने स्वास्थ्य केंद्र का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, उपलब्ध संसाधनों, दवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की नियमितता के संबंध में संबंधित अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। ब्लॉक प्रमुख ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे तथा आवश्यक मरम्मत एवं व्यवस्था सुधार को शीघ्र कार्यवाही की जाए।

निरीक्षण कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी ओखलकांडा, जिला विकास अधिकारी गोस्वामी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग भवाली, ग्रामीण निर्माण विभाग के अभियंता, जल निगम के अवर अभियंता तथा स्वास्थ्य विभाग की अन्य तकनीकी टीमें उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित आवश्यक सुधार कार्यों और प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी भी साझा की। इस मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

महिला लापता गुमशुदगी दर्ज

हल्द्वानी : टीपीनगर चौकी क्षेत्र में वार्ड 54 बिरला स्कूल के पास रहने वाली एक महिला बीते दो दिसंबर से लापता है। महिला के पति भूपेंद्र सिंह महरा ने टीपीनगर चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है। भूपेंद्र ने बताया कि उनकी पत्नी मानसिक रूप से कमजोर है। उन्होंने बताया कि बीते दो दिसंबर को सुबह करीब 6:30 बजे उनकी पत्नी घर से चले गई। बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि वह अपने साथ एक बैग लिए हुए है। उनकी पत्नी का पूर्व में इलाज चल रहा था। काफी खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है। उन्होंने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

पेयजल लाइन में लीकेज बना मुसीबत का सबब

शक्तिफार्म : हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए बिछाई पाइपलाइन जगह-जगह लीकेज होने से लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। लीकेज के कारण पानी खेतों में जाने से फसलें खराब हो रही है। देवनगर से आनंदनगर गांव की ओर जाने वाली सड़क के किनारे पेयजल पाइप लाइन बिछाई गई है। पिछले काफी दिनों से उसमें लीकेज देखा जा रहा है। पानी खेतों में भरने से कई किसानों की आलू और गेहूं की फसलें खराब होने लगी हैं। विभागीय कर्मियों को अवगत कराने के बावजूद लीकेज ठीक नहीं की जा रही है।

शनि बाजार नाले पर अतिक्रमण मामले में 51 चिन्हित, नोटिस जारी

नगर निगम व लोनिवि के संयुक्त सर्वे में हुआ खुलासा, अवैध कब्जों पर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शनि बाजार नाले पर 51 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। अब इन अतिक्रमणकारियों को नोटिस तामील कराए जा रहे हैं। यदि अतिक्रमणकारियों ने नोटिसों के बाद भी स्वयं ही अवैध कब्जे नहीं हटाए तो बुलडोजर से अतिक्रमण ध्वस्त किया जाएगा।

हल्द्वानी शहर में शनि बाजार नाले का जलभराव एक ज्वलंत समस्या है। इस समस्या से निजात के लिए हाल ही में नगर निगम, लोनिवि, प्रशासन व उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) की संयुक्त टीम ने नाले का जायजा लिया था। इसमें सामने आया था कि नाले पर अवैध कब्जा किया गया है जिसकी वजह से नाला संकरा होता गया जबकि नाले में पानी का फ्लो अत्यधिक आता था। नाला संकरा होने के वजह से पानी ओवरफ्लो होकर सड़क व आसपास के मोहल्लों में घरों में घुस जाता है हालांकि नगर निगम की ओर से हर वर्ष बारिश से पूर्व व बारिश के दौरान नाले की साफ-सफाई कर पानी निकासी की असफल कोशिश की जाती थी। इधर, नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने चार्ज संभालते ही सबसे पहले शनि बाजार नाले से होने वाले जलभराव को लेकर बीड़ा उठाया। इसके बाद नाले का निरीक्षण किया जिसमें अतिक्रमण सामने आया। इसके बाद नगर निगम व लोनिवि की संयुक्त टीम ने नाले का संयुक्त सर्वे किया जिसमें दुकानें, भवन मिलाकर कुल 51 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। अब इन अवैध कब्जाधारकों की सूची बनाई जा रही है। इन अतिक्रमणकारियों को नगर निगम व लोनिवि की ओर से अतिक्रमण हटाओ के नोटिस तामील कराए जा रहे हैं। इनमें अतिक्रमण हटाने और स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाने पर ध्वस्तीकरण की चेतावनी दी गई है।

प्रेमपुर लोश्ज्ञानी की तर्ज पर नाले का समाधान

यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट कुलदीप सिंह ने बताया कि शनि बाजार नाले के जलभराव को लेकर टेक्नीकल मुआयना भी हुआ है। दरअसल, इंदिरा नगर व शनिबाजार नाला दोनों का पानी शनिबाजार नाले में आता है। इन नालों से सटी सड़क का स्लोप दोनों तरफ को है, जिस वजह से नालों से पानी ओवरफ्लो होने पर दोनों ओर जलभराव होता है। इसका टेक्नीकल समाधान निकाला है, इसमें नाले को अंडरग्राउंड गहरा किया जाएगा। फिर जहां से इंदिरा नगर व शनि बाजार नाले मिलते हैं, वहां से सड़क की ढाल को गौला नदी की तरफ ले जाया जाएगा। यह नाला प्रेमपुर लोश्ज्ञानी की तर्ज पर अंडरग्राउंड नाला होगा और ऊपर सड़क बनेगी। इसका डिजाइन बनकर तैयार हो गया है। जब काम होगा तो सड़क को दूसरी ओर शिफ्ट किया जाएगा।

> नगर निगम, लोनिवि की ओर से शनि बाजार नाले पर 51 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस तामील कराए जा रहे हैं। शनि बाजार नाले को लेकर यूयूएसडीए ने एक प्रस्ताव बनाया है, जल्द ही उसको क्रियान्वयन किया जाएगा ताकि जलभराव से निजात मिल सके।
> **-परितोष वर्मा**, नगर आयुक्त नगर निगम

> नगर निगम व लोनिवि ने शनि बाजार नाले पर अतिक्रमण चिन्हित कर लिए हैं, अब उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं। नियमानुसार नाले से अतिक्रमण हटाया जाएगा।
> **-गोपाल सिंह चौहान**, सिटी मजिस्ट्रेट

नशा मुक्त उत्तराखंड की मांग को लेकर हाफ मैराथन

खटीमा: मिनी स्टेडियम और नशा मुक्ति उत्तराखंड की मांग को लेकर टनकपुर मनिहार गोठ के युवा हाफ मैराथन दौड़ लगाते हुए खटीमा पहुंचे और मीडिया के माध्यम से मिनी स्टेडियम की मांग व नशे से दूर रहने की अपील की।

टनकपुर से खटीमा तक लगभग 25 किलोमीटर की हाफ मैराथन में टनकपुर मनिहार गोठ के युवाओं ने दौड़ लगाते हुए रविवार की देर शाम खटीमा पहुंचे और मीडिया के माध्यम से उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मनिहार गोठ में एक मिनी स्टेडियम की मांग की और साथ ही नशा मुक्त उत्तराखंड बनाने की अपील की। वहीं युवाओं ने बताया कि उनके क्षेत्र मनिहार गोठ में एक मिनी स्टेडियम की सख्त आवश्यकता है जिससे युवाओं को दौड़ लगाने, भर्ती परीक्षा की तैयारी करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों व युवाओं को नशे से दूर रहने की बात कही। इस दौरान हाफ मैराथन में इसाक हुसैन, रियासत हुसैन, अफजल अली, नवीन चंद्र, मोहम्मद परवेज, मोहम्मद कैफ, तनुज पचोली, मोहम्मद आरिफ, फरदीन आदि शामिल रहे।

हरक गुरुद्वारे जाएं और सार्वजनिक माफी मांगें

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के बयान को सिखों में खासा आक्रोश है। कहा कि हरक को गुरुद्वारे में जाकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

सिख समाज ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि देहरादून में अधिवक्ताओं के एक धरना प्रदर्शन के बीच पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने एक सिख अधिवक्ता को लेकर अभद्र टिप्पणी की जिससे सिख समुदाय में भारी आक्रोश है। गुरुप्रीत सिंह प्रिंस ने कहा कि 12 बजे मजाक का विषय नहीं है, यह सिख इतिहास का गौरव है। सिख फेडरेशन के गगनदीप कोहली ने कहा कि धर्म का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गगन सयाली ने कहा कि हरक सिंह गुरुद्वारा साहिब में जाकर सार्वजनिक रूप से सिख समाज से माफी मांगे। आक्रोश जताने वालों में परमजीत सिंह पम्मा, मनप्रीत सेठी, अमन कोहली, कुलविन्दर सिंह, तरन बिंद्रा, बलविंदर सिंह, बलबीर सिंह, मनिंदर सिंह, मनजीत सिंह, अमनदीप सिंह, कंवलजीत रेखी, पुनीत सब्बरवाल, कमलदीप, दिलप्रीत सिंह, बलजीत आनंद, रविंद्रपाल सिंह हेमी, सुरेन्द्र सेठी, इकजोत कालरा, मनदीप सिंह, हरजस सिंह, विक्की सेठी, रिम्पी, तरन सेठी, मन्नू सयाली, अमनदीप पिंडी, अमरजीत आनंद, सुमित सबरवाल, जसप्रीत गुजराल, गुरजीत कोहली, हरमीत बिंद्रा, अमरजोत सेठी, नवजोत सिंह, गुरविंदर सिंह, जसप्रीत सेठी रहे।

गुरुद्वारे में जाकर जताएं अफसोस हरक : शंटी

हल्द्वानी : खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं श्री गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल प्रबंध कमेटी के पूर्व चेयरमैन सरदार परमजीत सिंह शंटी ने कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के सिखों को लेकर दिए गए बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। उनका कहना है कि हरक को सिख समाज से माफी मांगनी चाहिए और गुरुद्वारे में जाकर इसको लेकर खेद व्यक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताओं को सोच समझ कर बयान देने चाहिए और किसी भी समाज पर विवादास्पद टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

गौलापार बाईपास रोड पर ट्रंचिंग ग्राउंड के सामने जला दिया कूड़ा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार बाईपास रोड पर बने ट्रंचिंग ग्राउंड में तो आग नहीं लगी लेकिन ट्रंचिंग ग्राउंड के ठीक सामने कूड़े का बड़ा ढेर जला दिया गया। पूरे क्षेत्र में उस आग की वजह से धुआं-धुआं हो गया।

ट्रंचिंग ग्राउंड में तो आग लगने की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं लेकिन अभी कुछ दिनों से यहां आग की घटनाएं पूरी तरह से शांत हैं। ग्राउंड के ठीक सामने शनिनाला के पास रेलवे क्रासिंग की तरफ कूड़े का ढेर पड़ा हुआ है। सुबह करीब नौ बजे इस ढेर में किसी ने आग लगा दी। आग की वजह से दूषित धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया। रोड पर धुआं की वजह से चलना मुश्किल हो गया। लोगों को मुंह ढककर जाना पड़ा। आग काफी देर तक जलती रही और उस जगह आसपास की झाड़ियों में भी फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि किसी ने यहां आग लगा दी है। उल्लेखनीय है कि इस जगह पर लोग कूड़ा लाकर डालते रहते हैं। जिस वजह से कूड़े का बड़ा ढेर बन गया है। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने कहा कि पता लगाया जाएगा कि किसने वहां आग लगाई है क्योंकि ट्रंचिंग ग्राउंड के पास लगी आग की वजह से ग्राउंड के अंदर भी आग लगने का खतरा है।

ट्रंचिंग ग्राउंड के सामने जलते कूड़े से उठता धुआं। ● अमृत विचार

जनरल बिपिन रावत के नाम पर हो टीपी नगर

हल्द्वानी : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल और देवभूमि ट्रक ऑनर्स महासंघ ने स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि दी। महासंघ ने उत्तराखंड सरकार और नगर निगम हल्द्वानी से मांग की कि हल्द्वानी ट्रांसपोर्ट नगर का नामकरण जनरल बिपिन रावत के नाम से किया जाए।

देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के कुमाऊं मंडल प्रवक्ता हरजीत सिंह चड्ढा और महासंघ अध्यक्ष राकेश जोशी ने कहा कि, हमें गर्व है कि जनरल बिपिन रावत हमारे प्रदेश के बेटे थे और उन्होंने देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया था। हम सरकार से मांग करते हैं कि हल्द्वानी का ट्रांसपोर्ट नगर उनके नाम से जाना जाए और उनकी याद में स्मारक बनाया जाए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष हुकुम सिंह कुंवर, पं. दया किशन शर्मा, भास्कर मेहता, ललित रौतेला, उमेश चंद्र पांडे रहे।

हल्द्वानी में हुई सोर्स सेग्रीगेशन की शुरुआत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। जिसमें सोर्स सेग्रीगेशन के माध्यम से घर पर ही गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग किया जाएगा। नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को शहर के वार्ड 51 मयूर विहार में श्रीजी स्वयं सहायता समूह के सहयोग से इसकी औपचारिक शुरुआत हुई।

नगर आयुक्त परितोष वर्मा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ घर-घर पहुंचे और लोगों को समझाया कि स्वच्छ शहर की नींव घर पर ही सही तरीके से कूड़े के सेग्रीगेशन से शुरू होती है। उन्होंने जनता से अपील की कि घर पर ही गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग कर कूड़ा गाड़ी को दें, ताकि शहर को साफ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके। बताया कि कूड़ा गाड़ी से एमआरएफ सेंटर तक, कचरे का होगा सही उपयोग होगा। नगर निगम की कूड़ा गाड़ी घरों से अलग-अलग किए गए कूड़े को एकत्र कर उसे एमआरएफ सेंटर तक पहुंचाएगी, जहां कचरे का आवश्यकता के अनुसार दोबारा उपयोग और निस्तारण किया जाएगा। बताया कि यह व्यवस्था शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देगी। वार्ड 51 में जागरूकता कार्यक्रम के बाद सभी वार्डों में यह अभियान चलाया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लोगों को कूड़ा अलग-अलग के लिए प्रेरित किया जाएगा। जागरूकता कार्यक्रम में गणेश भट्ट, सहायक लेखा अधिकारी, डॉ. आईपी पंत, नगर परियोजना प्रबंधक, भाषित पाठक, रजनी नैनवाल, अर्चना आदि रहे।

सोर्स सेग्रीगेशन के शुभारंभ के दौरान मौजूद नगर आयुक्त परितोष वर्मा व अन्य।

कैटेगरी वाइज होगा कूड़े का सेग्रीगेशन

हल्द्वानी : इंद्रानगर स्थित एसटीपी के पास एमआरएफ (मैटीरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर विकसित किया जा रहा है। निगम की ओर से यहां आधुनिक मशीनें लगाई जा रही हैं। जिनकी मदद से कूड़े को कैटेगरी के अनुसार अलग-अलग किया जाएगा। सेग्रीगेशन के तहत मेटल, कांच, प्लास्टिक, गत्ता और अन्य चीजों की छंटनी की जाएगी। घरों से मोटे तौर पर कूड़े को अलग-अलग करने के बाद कूड़ा कलेक्शन वाहनों से एमआरएफ सेंटर तक पहुंचाया जाएगा, जहां मशीनों से कूड़े का सेग्रीगेशन होगा। लोगों को अपने घरों से ही गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि आगामी दो सप्ताह में एमआरएफ सेंटर पूरी तरह विकसित कर लिया जाएगा।

जिला क्रिकेट लीग में डीके स्पोर्ट्स ने मारी बाजी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-14 बालक जिला क्रिकेट लीग का फाइनल मैच सोमवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और डीके स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला गया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 39वें ओवर में 84 रनों पर ऑल आउट हो गई। सौम्य जोशी 34 और हर्षवर्धन गुरुरानी ने 22 रन बनाए।

डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज ईशान जोशी ने 4, देवांग नेगी ने 3 और अनामय पांडे ने 2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीके स्पोर्ट्स अकादमी की टीम ने 19वें ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 87 रन बनाकर 5 विकेट से मैच जीत लिया। टीम की ओर से हार्दिकराज ने 26, भावेश रावत ने 21 और ईशान जोशी ने 15 रनों का योगदान दिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज कृष रावत और वंश रावत ने 2-2 विकेट लिए। अंपायर की भूमिका में भूपेश शाही और विजय आर्या रहे, जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज ने निभाई। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि जसगोविन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर नागेश चंद ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश रावत, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, लीला कांडपाल, जगमोहन बगड़वाल, अमित कांडपाल, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, संजय चौधरी, विजय कुकसाल, त्रिलोक जीना आदि रहे।

ट्राफी के साथ विजेता क्रिकेट टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

मैन ऑफ द मैच- ईशान जोशी
सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज- हार्दिकराज
सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज- देवांग नेगी
मैन ऑफ द सीरीज- कुनाल हलसी

लावारिस पशुओं को मिलेगा आश्रय

सितारगंज: सितारगंज में लावारिस पशुओं को आशियाना देने की कवायद तेज हो गई है। सोमवार को राजस्व विभाग की टीम ने जमीन का सर्वे कर सीमांकन की प्रकिया पूरी कर दी है। जल्द ही, सड़कों पर घूम रहें लावारिश पशुओं को गोशाला में सुरक्षित स्थान उपलब्ध होगा।

गौरतलब है कि गांव खुनसरा में राजस्व विभाग ने गौशाला बनाने के लिए करीब ढाई एकड़ जमीन को पशुपालन विभाग को हस्तांतरित किया था। वहीं, विभाग ने जमीन की चाहरदीवारी के लिए पेयजल निगम देहरादून को कार्यदायी संस्था नामित किया है। कानूनगो वीरेंद्र लाल ने बताया कि गांव खुनसरा में करीब ढाई एकड़ जमीन को पशुपालन विभाग को हस्तांतरित किया है। सोमवार को जमींन के सीमांकन की प्रक्रिया को पूरी कर लिया है।

कैड़ा ने किया पुल का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने ओखलकांडा ब्लॉक में पस्या नदी पर बन रहे पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पुल निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

विधायक कैड़ा सोमवार को ओखलकांडा ब्लॉक पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने पस्या नदी पर 1.21 करोड़ के निर्माण पुल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों को अत्यधिक परेशानी होती है। एक दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ने के लिए ग्रामीण पिछले कई वर्षों से लमगड़ा साचा के समीप पस्या नदी में पुल की मांग की कर रहे थे। दरअसल, बारिश में ग्रामीणों को न्यूनतम 20 और अधिकतम 40 किमी कास फेरा लगाकर मुख्य मार्ग पर आना पड़ता है। पुल नहीं होने स्कूली बच्चों, बुजुर्ग, महिलाओं को दिक्कतें होती थीं।

ग्रामीणों ने विधायक कैड़ा से पस्या नदी पर पुल बनाने की मांग की थी। इस पर विधायक ने नदी पर मोटर पुल के लिए सरकार से 1.21 करोड़ का बजट पास कराया था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों का पुल निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। पुल निर्माण से सिर्फ साचा, लमगड़ा, बेडूखेत, हैड़ाखान, पस्या, महराखेत, कौडार, देवली, छीड़ा समेत एक दर्जन से अधिक गांवों को इसका फायदा होगा। कहा कि मुख्यमंत्री धामी की सरकार लगातार क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की दिशा में काम कर रही है।

पुल का निरीक्षण करते विधायक राम सिंह कैड़ा। ● अमृत विचार

राज्य स्तरीय जू-जित्सु प्रतियोगिता में भीमताल के विजेता प्रतिभागी। ● अमृत विचार

भीमताल ने जू-जित्सु में जीते दो स्वर्ण सहित चार पदक

भीमताल, अमृत विचार : इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, गोलापार में 6 से 7 दिसंबर तक जू-जित्सु एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय जू-जित्सु प्रतियोगिता में औरो मार्शल आर्ट अकादमी, भीमताल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में राज्यभर के सभी जिलों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। गजेंद्र प्रताप बिश्नोई ने 12 वर्ष 35 प्लस किग्रा में स्वर्ण, आरोह कुलेठा ने 12 वर्ष अंडर 30 किग्रा में स्वर्ण, चैतन्य कुल्याल ने 12 वर्ष 35 किग्रा में रजत, प्रांजल कुल्याल ने 14 वर्ष 48 किग्रा में कांस्य पदक जीता। बच्चों के इन उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल भीमताल, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। विजेता खिलाड़ियों, कोच सिंहान हिमांशु कुलेठा एवं सैनसाई अनीता बोरा को आयोजक रेन्शी विनय जोशी, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा, पूर्व पालिका अध्यक्ष देवेंद्र चनौतिया ने बधाई दी।

सराहनीय यूओयू के दिव्यांग प्रकोष्ठ, विशेष शिक्षा विभाग व समान अवसर अनुभाग ने हौसलों की उड़ान विषय पर आयोजित किया कार्यक्रम

दिव्यांगों को शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस कार्य करने की जरूरत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के दिव्यांग प्रकोष्ठ, विशेष शिक्षा विभाग और समान अवसर अनुभाग की ओर से विवि सभागार में हौसलों की उड़ान विषय पर एकदिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य दिव्यांगों की प्रतिभा, संघर्ष और उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने लाना और समावेशी शिक्षा व संवेदनशील वातावरण को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में निदेशक, शिक्षा शास्त्र प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं, जिन पर गंभीरता से कार्य करने की जरुरत है। समान अवसर अनुभाग के प्रभारी प्रो. पीडी पंत ने समाज में व्यापक जागरुकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों में शारीरिक कमी के बावजूद उनमें विभिन्न तरह के विशिष्ट गुण होते हैं, जिन्हें निखारने की जरूरत है। विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि वर्तमान में विवि दिव्यांग विद्यार्थियों से प्रवेश शुल्क नहीं लेता।

कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र कैड़ा, सिद्धार्थ पोखरियाल, दिव्यांग प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. बालम दफोटी, डॉ नागेंद्र गंगोला, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. राकेश रयाल, तरूण नेगी, भावना धोनी, अंकिता सिंह, निशा राणा, पूजा शर्मा, रश्मि सक्सेना, डॉ. बबीता खाती आदि मौजूद रहे।

यूओयू में हौसलों की उड़ान विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कुलपति व अन्य। ● अमृत विचार

नीरजा व प्रीति ने संघर्ष के अनुभव किए साझा

तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित नीरजा गोयल ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि बचपन में गलत इंजेक्शन के कारण वे दिव्यांगता का सामना करने लगीं। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने स्टार्टअप शुरू किया। एक दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और राष्ट्रीय खेलों में बैडमिंटन, स्विमिंग, गिटार प्लेइंग सहित कई स्पर्धाओं में मेडल जीते। दिव्यांग वक्ता और हाईकोर्ट वकील प्रीति गोस्वामी ने अपने जीवन की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि माता-पिता को अपने दिव्यांग बच्चों को कभी भी हीनभावना का अनुभव नहीं होने देना चाहिए। वे रेडियो-टीवी कार्यक्रमों की एंकर रह चुकी हैं। मोटर रैली में मेडल जीत चुकी हैं और लॉन बॉल में भारत की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

33/11 के०वी० उपसंस्थान परिसर, कमलुवागांजा, हल्द्वानी (नैनीताल)

ई-मेलः erddh@yahoo.co.in फोन नं०-(05946) 292040 फैक्स नं०-(05946) 298318

पत्रांक : 4137/वि०वि०ख० (ग्रा०) ह० दिनांक : 08-12-2025

शिविर सूचना

विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अधीन विद्युत वितरण उपखण्ड, कमलुवागांजा, लालकुआं एवं टी०पी० नगर के समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित स्थानों पर उनके सम्मुख अंकित तिथियों में उपभोक्ता सेवा शिविर लगाये जायेंगे। जिसमें विद्युत बिलों का भुगतान एवं विद्युत बिल सम्बन्धी, स्मार्ट मीटर एवं अन्य शिकायतों / समस्याओं / सुझावों आदि कार्यों को निष्पादित किया जायेगा। एवं प्रत्येक कार्यदिवास (कार्यालय समय) में सभी कैश काउन्टरों पर अपने विद्युत बिलों का भुगतान करा सकते हैं।
अतः सम्मानित उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि उक्त शिविर में पधारकर अपने बकाया विद्युत बिलों का भुगतान करें।

क्र० सं०	दिनांक	श्री विद्या भूषण जोशी, उपखण्ड अधिकारी, कमलुवागांजा मो०नं०-9412093111/श्री विनोद कुमार शाह, अवर अभियन्ता, कमलुवागांजा मो०नं०-9917474863 श्री पंकज पंत, अवर अभियन्ता, अनुभाग मुखानी, ऊँचापुल, मो०नं०-9412087737/श्री कुंदन आर्या, अवर अभियन्ता, कठघरिया, मो०नं०-9412086324/श्री रजनीश कुमार, अवर अभियन्ता, अनुभाग ब्लॉक, बिठौरिया, मो०नं०-9412087181/श्री विनोद चन्द्र जोशी, अवर अभियन्ता, अनुभाग दमुवाढूंगा, मो०नं०-9412087736	श्री संजय प्रसाद, उपखण्ड अधिकारी, लालकुआं, मो०नं०-9412093123/श्री नीरज आर्या, अवर अभियन्ता, लालकुआँ, मो०नं०-9412093126/श्री पुष्कर सिंह मेहरा, अवर अभियन्ता, धौलाखेड़ा, मो०नं०-9411107896	श्रीमती शुभा जोशी, उपखण्ड अधिकारी, टी०पी० नगर (फूलचौड़),मो०नं०-9411113010/श्री धीरज पंत, अवर अभियन्ता, टी०पी० नगर, मो०नं०-9412093125/श्री हरीश कुमार, अवर अभियन्ता, फुटकुआं, मो०नं०-9412087243/श्री सुरेश काण्डपाल, अवर अभियन्ता, फूलचौड़, मो०नं०-9411113062
1	09-12-2025	रामलीला ग्राउण्ड ऊँचापुल	धौलाखेड़ा	शिवाशीष कॉलोनी
2	10-12-2025	अमृता आश्रम ऊँचापुल	बंगाली कॉलोनी, लालकुआं	33/11 के०वी० उपसंस्थान टी०पी० नगर
3	11-12-2025	गाँधी आश्रम कठघरिया	जयपुर बीसा प्राईमरी स्कूल	गन्ना सेंटर
4	12-12-2025	लामाचौड़ इंटर कॉलेज लामाचौड़	भट्ट कॉमप्लैक्स हाथीखाल	पुरानी आई०टी०आई० बरेली रोड
5	13-12-2025	कठघरिया चौराहा	हाथीखाना	धनपुरी चौराहा
6	15-12-2025	चौफुला चौराहा	दुम्काबंगर उमापति काण्डपाल जी की चक्की	आम का बगीचा
7	16-12-2025	हनुमान मंदिर कुसुमखेड़ा	इन्द्रपुर चौराहा	पंचमुखी हनुमान मंदिर
8	17-12-2025	लामाचौड़ चौराहा	बंगाली कॉलोनी, लालकुआं	पंचायत घर चौराहा
9	18-12-2025	गैस गोदाम रोड (नेगी जी के घर के पास)	जयपुर बीसा प्राईमरी स्कूल	वार्ड नं-56 मानपुर पश्चिम
10	19-12-2025	33/11 के०वी० उपसंस्थान कमलुवागांजा	हनुमान मंदिर, बिन्दुखत्ता	बेलबाबा मंदिर
11	20-12-2025	पंचक्की चौराहा	आदर्श नर्सरी के समीप फत्ताबंगर	33/11 के०वी० उपसंस्थान फूलचौड़
12	22-12-2025	अंबेडकर पार्क दमुवाढूंगा	धौलाखेड़ा	प्रेमपुर लोशज्ञानी
13	23-12-2025	बावन डॉठ फतेहपुर	2 कि०मी० बिन्दुखत्ता /आदर्श नर्सरी के समीप फत्ताबंगर	सिद्धेश्वर मंदिर
14	24-12-2025	गुजरौड़ा फतेहपुर	इन्द्रपुर चौराहा	नई आई०टी०आई०
15	26-12-2025	प्राईमरी स्कूल पनियाली कठघरिया	भट्ट कॉमप्लैक्स हाथीखाल	ग्रामीण बैंक, एस मोड़ छडैल के पास
16	29-12-2025	बेडीखत्ता दमुवाढुंगा	हनुमान मंदिर, बिन्दुखत्ता	जी मॉल, धान मिल के पास

कृपया बिल तिथि से 10 दिनों के भीतर बिजली का ऑनलाईन भुगतान करें, ऑनलाईन भुगतान पर 1.5% की छूट और वर्तमान बिल राशि पर 100 रूपये तक के कर को छोड़कर सभी ऑफलाईन भुगतान पर 1% की छूट प्राप्त करें।

Customer Care Toll Free No. 1912

"Pay Electricity bill Online 24 X 7 from www.upcl.org"

"विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ"

"राष्ट्रहित में बिजली बचायें"

"बिजली बचाने हेतु एल०ई०डी० बल्ब का प्रयोग करें"

(अभि० एस० के० गुप्ता)
अधिशासी अभियन्ता

डीएम नितिन सिंह भदौरिया से वार्ता करते विधायक शिव अरोरा।

नजूल पर बसे लोगों को मिलेंगे कनेक्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

- **डीडीए से मानचित्र स्वीकृति की अनिवार्यता हुई समाप्त**
- **विधायक अरोरा की पहल के बाद आदेश हुआ संशोधित**

अमृत विचारः विधायक शिव अरोरा नजूल, दानपात्र की जमीन पर रह रहे 30 हजार परिवारों की समस्या लेकर जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे और समस्या से अवगत कराया। वहीं जिलाधिकारी के आदेश के बाद जिला विकास प्राधिकरण ने 28 नवंबर 2025 के आदेश को संशोधित कर दिया है।

सोमवार को विधायक अरोरा अपने तय समय के मुताबिक सोमवार को जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया से मुलाकात करने उनके कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शुक्रवार को एसडीओ कार्यालय में हुई घटना से जिलाधिकारी को बताया। साथ ही विगत दिनों जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन और सचिव पंकज उपाध्याय से आदेश को लेकर हुई वार्ता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्ता के बाद भी लोगों को बगैर मानचित्र पास कराए बिजली के कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ट्रांजिट कैंप, शिवनगर, रम्पुरा भादईपुरा, रेशमबाड़ी, दूधियानगर, आदर्श इंद्रा बंगाली कॉलोनी, खेड़ा, संजयनगर खेड़ा, जगतपुरा, आदर्श कालोनी घास मंडी आदि क्षेत्र में दशकों से निर्धन परिवार निवास कर रहे हैं। इनको प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश जिसमें बिजली कनेक्शन के लिए मानचित्र स्वीकृति अनिवार्य है उस अनिवार्यता समाप्त किया जाए। वहीं जिलाधिकारी के आदेश के बाद प्राधिकरण सचिव ने आदेश को संशोधित कर दिया है। वहीं विधायक अरोरा ने कहा कि संशोधित आदेश जारी होने से नजूल दानपात्र पर पुराने बस लोगों के लिए मानचित्र स्वीकृति की अनिवार्यता समाप्त हो गई है। इस अवसर पर भाजपा मडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, राजकुमार साह, पार्षद पवन राणा निमित्त शर्मा, राजेंद्र राठौर, कैलाश राठौर, राधेश शर्मा, महेंद्र आर्य, महेंद्री शर्मा, मनोज मदान, कमल राणा, गोविंद राय, पिंटू पाल, दर्शन कोली, राजू कोली मौजूद रहे।

ठुकराल ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने रुद्रपुर के नजूल, दानपात्र और सीलिंग भूमि पर लंबे समय से रह रहे परिवारों को मालिकाना हक दिए जाने और उन्हें विद्युत संयोजन दिए जाने की मांग को लेकर मुख्य सचिव आनंद वर्धन से सचिवालय में भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्य सचिव को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। वहीं मुख्य सचिव ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। सोमवार को मुख्य सचिव को सौंपे ज्ञापन में पूर्व विधायक ठुकराल ने बताया कि रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप, विभिन्न वार्डों और मलिन बस्तियों में लगभग 70 प्रतिशत से अधिक नागरिक नजूल, दानपात्र या सीलिंग भूमि पर निवास कर रहे हैं। जिला विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति नहीं होने के कारण इन परिवारों को विद्युत संयोजन देने से इंकार किया जा रहा है, जिससे हजारों परिवार को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक आदेश इन बस्तियों में निवासियों के लिए जीवन कठिनाई का कारण बन गया है। उन्होंने बताया कि उनके विधायक कार्यकाल में 10 दिसंबर 2016 को नजूल भूमि को फ्रीहोल्ड कराने का आदेश जारी किया गया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे निरस्त कर दिया।

सभा के दौरान मौजूद कांग्रेस नेता।

ट्रांजिट कैंप से कई कांग्रेस कार्यकर्ता जाएंगे दिल्ली

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः शिव नगर ट्रांजिट कैंप में पूर्व पार्षद मोहन भारद्वाज की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक सभा का आयोजन किया गया। इसमें तय किया गया कि दिल्ली के रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र से भी अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता पहुंचकर रैली को सफल बनाएंगे।

सोमवार को आयोजित सभा के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा, महानगर कांग्रेस कमेटी की नव निर्वाचित अध्यक्ष ममता रानी, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संजीव रस्तोगी समेत कांग्रेसियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सोनू को वार्ड अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, उमा सरकार, पूनम, बेबी सिकंदर, मधु सिकंदर, अनुज दीक्षित, निरोध अधिकारी, राजू, बालम सिंह, मोनू ठाकुर, विमलेश, सावित्री, संतोष, कुसुम, प्रियंका उपस्थित रहे।

कांग्रेस की रैली को लेकर गदरपुर में जोश

गदरपुर : आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' रैली को सफल बनाने के उद्देश्य से गदरपुर में एक बैठक आयोजित हुई। किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने कंबोज धर्मशाला में कार्यकर्ताओं में जोश भरकर महा रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। कांग्रेस नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ भुसरी और पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने भी कहा कि यह रैली राहुल गांधी के नेतृत्व में सफल होगी और पूरे प्रदेश से कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। इस दौरान मास्टर रामविलास, सुखविन्दर सिंह, चंदन नयाल, किशोर सामंत, भीम ठुकराल आदि मौजूद रहे।

किच्छा में भी कांग्रेस ने बनाई रणनीति

किच्छा : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली की तैयारी के लिए किच्छा में कांग्रेस नगर एवं ब्लॉक कमेटी के आह्वान पर एक बैठक आयोजित की गई। नगर कांग्रेस कार्यालय पर हुई इस बैठक की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़ ने की और कार्यकर्ताओं के साथ गहन रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। गौरव बेहड़ और नगर कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू ने कहा कि कमेटी प्रचार-प्रसार कर कांग्रेसियों की अधिकतम शिरकत सुनिश्चित करेगी। बैठक में दर्शन कोहली, गुरदास कालरा, मेजर सिंह, सुनीता कश्यप, नितिन शर्मा समेत कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

किच्छा सीएचसी में सर्जन की नियुक्ति

किच्छा : सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) किच्छा में लंबे इंतजार के बाद सर्जन चिकित्सक की नियुक्ति होने से मरीजों और क्षेत्रीय जनता को बड़ी राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के जिला प्रतिनिधि अभिषेक सक्सेना के प्रयासों पर स्वास्थ्य विभाग ने सीएचसी में सर्जन डॉ. तौकीर अहमद की नियुक्ति कर दी है। ज्ञात हो कि सर्जन का पद रिक्त होने के कारण करीब डेढ़ लाख लोगों के लिए उपचार के इस मुख्य केंद्र पर मरीजों को जटिल रोगों के ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही थीं। अभिषेक सक्सेना ने स्वास्थ्य मंत्री से जल्द तैनाती का आग्रह किया था।

नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

काशीपुर : घर से बिना बताए गई नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने पिता की तहरीर पर की नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज की है। कुंडा थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने कुंडा पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि पांच दिसंबर की दोपहर उसकी 16 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई और लापता हो गई। कहा कि उसको अपनी बेटी के साथ अनहोनी की आशंका है। पुलिस लापता की तलाश कर रही है।

पंत विवि के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र ने किया सुसाइड

कमरा नंबर 151 में फंदे से लटका मिला शव, थाना पंतनगर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा, घटनास्थल से डायरी बरामद की

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया है। सूचना मिलते ही थाना पंतनगर पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक डायरी भी बरामद की है। विवि में छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का यह दूसरा मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से संजय गांधी कॉलोनी रुड़की निवासी 21 वर्षीय छात्र अक्षत सैनी पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था और तृतीय वर्ष का छात्र था। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम अक्षत ने दोस्तों के साथ छोटी मार्केट स्थित कैंटीन में खाना खाया और रजत जयंती विग नौ स्थित कमरा नंबर 151 में सोने चला गया। सोमवार की सुबह नौ बजे तक जब कमरे से कोई आहट नहीं हुई तो दोस्तों द्वारा जाकर देखा तो अक्षत का शव पंखे की कुंडी से लटका था।

छात्रावास में जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

अक्षत सैनी। (फाइल फोटो)

प्रारंभिक पड़ताल में यह बात सामने आई कि 21 वर्षीय छात्र अक्षत सैनी मानसिक अवसाद से गुजर रहा था। डायरी में सुसाइड किए जाने की मुख्य वजह का भी कोई जिक्र नहीं है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही आत्महत्या किए जाने की असल वजह का पता चलेगा। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।
-नंदन सिंह रावत, थाना प्रभारी, पंतनगर

घटना की जानकारी मिलते ही छात्रावास में हड़कंप मच गया और सिक्योरिटी अधिकारी सहित थाना अध्यक्ष नंदन सिंह रावत भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंच गए। प्रारंभिक पूछताछ में यह पता चला है कि छात्र पिछले कुछ दिनों से मानसिक अवसाद से गुजर रहा था और गाजियाबाद स्थित पिता के यहां से आने के बाद शांत था। बताया जा रहा है कि सोमवार को एग्जाम होने के कारण उसके दोस्त भी प्रतीक्षा कर रहे थे।

पुलिस ने कमरे से एक डायरी, मोबाइल और गमछा भी बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने सुसाइड प्रकरण की तफ्तीश भी शुरू कर दी है। यहां बता दें कि अक्षत द्वारा सुसाइड किए जाने का यह कोई पहला मामला सामने नहीं आया है, बल्कि सितंबर माह में बीटेक के छात्र नीरज ने भी सुसाइड किया था।

तो क्या अक्षत झेल रहा था मानसिक अवसाद

रुद्रपुर : कमरा नंबर 151 से मिली डायरी में जिस प्रकार बीटेक छात्र अक्षत सैनी प्रतिदिन की दिनचर्या को अपनी डायरी में लिखता था। पुलिस को मिली डायरी में छात्र हर उस गतिविधि या फिर दिनचर्या को लिखता था जो वह दोस्तों के साथ या फिर स्वयं करता था। बताया यह भी जा रहा है कि छात्र खाने-पीने से लेकर किस दोस्त से क्या बातचीत हुई उसका जिक्र भी डायरी में करता था, लेकिन डायरी में यह बात अभी तक सामने नहीं आई कि आखिर अक्षत ने सुसाइड क्यों किया, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में यह जरूर पता चला कि छात्र मानसिक अवसाद या बीमारी से ग्रसित रहा होगा। जिसकी मनोदशा शायद कोई समझ नहीं पाया।

दोस्त को सीपीआर देकर किया बचाने का प्रयास

रुद्रपुर : सोमवार की सुबह नौ बजे अक्षत के दोस्तों को यह इल्म नहीं था कि उनका जिगरी दोस्त सुसाइड जैसा घातक कदम भी उठा सकता है। जब दोस्तों ने देखा कि अक्षत ने फंदा लगा लिया है तो उन्होंने फौरन लटके शरीर को नीचे उतारा और जमीन पर लिटाकर कई बार सीपीआर देकर सांस लौटाने का प्रयास किया। काफी देर बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो अक्षत को नजदीक ही अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया।

सोमवार सुबह दस बजे थी परीक्षा

रुद्रपुर : प्रारंभिक पड़ताल में यह पता चला है कि बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र अक्षत का सोमवार की सुबह दस बजे से परीक्षा देनी थी। परीक्षा को लेकर वह बेहद चिंतित भी था। सुबह जब अक्षत ने नाश्ता नहीं किया और पेपर के समय अवधि में भी नहीं पहुंचा तो दोस्तों ने कमरे में जाकर देखने का फैसला लिया। जब उन्होंने दरवाजे को धक्का मारा और दरवाजा खुलने के बाद भयावह मंजर देखा तो कुछ देर तक अन्य छात्र अचंभे में पड़ गये। इसके बाद छात्रावास में चीख पुकार सुनाई देने लगी। इसके बाद ही सुसाइड प्रकरण की जानकारी हुई।

अक्षत-नीरज ने किया सुसाइड, तीसरे ने किया था प्रयास

रुद्रपुर : बीटेक के छात्र अक्षत सैनी द्वारा सुसाइड किए जाने का यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि 12 सितंबर 2025 को बीटेक के छात्र किच्छा दरऊ निवासी नीरज कुमार ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या की थी और उसी दिन एक छात्र ने भी सुसाइड किए जाने का प्रयास किया था, लेकिन दोस्तों ने उसे बचा लिया। नीरज सुसाइड प्रकरण में आत्महत्या की मुख्य वजह अंग्रेजी की जटिलता बताई गई थी। वहीं अक्षत सुसाइड प्रकरण में मानसिक अवसाद की बात सामने आई है, जबकि प्रयास करने वाले छात्र ने चुप्पी साधे हुए हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर बीटेक जैसी पढ़ाई करने वाले छात्र आत्महत्या का रास्ता क्यों अपना रहे हैं।

सकेनिया चौकी प्रभारी का आकस्मिक निधन

गदरपुरः गदरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सकेनिया चौकी इंचार्ज एसआई सुरेश सिंह का बीमारी के चलते आकस्मिक निधन हो गया। 34 वर्षीय एसआई सुरेश सिंह वर्ष 2012 बैच के अधिकारी थे।

सुरेश सिंह। (फाइल)

मूल रूप से लोहाघाट, चंपावत के निवासी सुरेश सिंह वर्ष 2023 से सकेनिया चौकी में प्रभारी के रूप में तैनात थे। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ चौकी के पास ही किराए के मकान में रहते थे।

जानकारी के अनुसार, 1 दिसंबर को एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद उन्हें निमोनिया की शिकायत हुई। उन्हें उपचार के लिए लोहाघाट, चंपावत ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक हो गया। थाने में आयोजित शोक सभा में थानाध्यक्ष संजय पाठक, मुकेश मिश्रा, विजय कुमार, गिरीश कुमार, संजय बोरा सहित तमाम पुलिसकर्मियों ने अपने सहकर्मी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

काशीपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चला

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः नगर निगम द्वारा मुरादाबाद रोड पर अतिक्रमण हटाओ और साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नाले पर किए गए अवैध कब्जों को हटाना और जल निकासी व्यवस्था को सुचारू करना था।

सोमवार को अभियान के दौरान नाले पर कई कब्जाधारियों द्वारा बनाए गए पक्के स्लैबों को ध्वस्तीकरण कर नाले की साफ-सफाई की गई। जेसीबी और डंपर की मदद से मौके से मलबा हटाया गया। जिससे नाले को पूरी तरह साफ किया जा सका। जसपुर बस अड्डे पर कई लोगों द्वारा नाली के ऊपर बांस-लकड़ी और पक्के खोखे लगाकर किए जा रहे अवैध निर्माण को मौके पर ही ध्वस्त किया गया। साथ ही जसपुर बस अड्डे के निकट बने एक सुलभ शौचालय पर अतिक्रमण करवाने के आरोप में पांच हजार रुपये का चालान किया गया। इसके बाद जसपुर खुर्द रोड पर अभियान चला कर नाले के ऊपर लाल निशान लगाए गए और उक्त व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई कि वे दुकान का सामान नाली के ऊपर न रखें, बल्कि अपना सामान नाली से अंदर की ओर लगाएं। उन्हें नाली के ऊपर लोहे का जाल लगवाने की सलाह दी गई, ताकि आने वाले दिनों में जलभराव की समस्या से मुक्ति मिल सके और नालियों की दैनिक सफाई व्यवस्था सुचारू की जा सके। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं सफाई निरीक्षक मनोज बिष्ट, सुपरवाइजर राजेश बाबू, बादल खत्री, पार्षद दीपा पाठक, जेसीबी आपरेटर दीपेन्द्र मौजूद रहे।

अतिक्रमण पर निशान लगाते कर्मचारी।

सड़क व नालों से ठेले, फड़, रेहड़ियों को हटवाया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः नगर में बढ़ते यातायात दबाव, जाम की स्थिति और बाजार में अव्यवस्था को देखते हुए पुलिस व नगरपालिका ने अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार सुबह से ही पुलिस बल और नगरपालिका की संयुक्त टीम ने कोतवाल नरेश चौहान के नेतृत्व में मुख्य बाजार, बेरिया रोड और अन्य व्यस्त क्षेत्रों में अभियान चलाकर सड़क व सरकारी नालों पर बनाए गए अस्थायी ठेले, फड़ और रेहड़ियों को हटवाया।

टीम ने सबसे पहले बेरिया रोड पर सड़क किनारे खड़े फल व सब्जी के ठेलों को हटवाया। अधिकारियों ने संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उन्हें सब्जी बाजार में चयनित स्थानों पर ही दुकानें लगाने की अनुमति है।

टीम बाजार क्षेत्र में आगे बढ़ी तो सरकारी नाले पर किए गए पक्के और कच्चे अतिक्रमण भी पाए गए। कई लोग नाले पर तख्त लगाकर वर्षों से फड़-ठेले संचालित कर रहे थे। अधिकारियों ने मौके पर ही अतिक्रमण हटवाते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा कब्जा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान दोपहर तक अधिकांश ठेला संचालक स्वयं ही अपना सामान समेटकर हट गए, लेकिन कुछ लोगों द्वारा बार-बार चेतावनी के बावजूद न हटने पर पुलिस को उनका सामान जब्त करना पड़ा।

मुख्य मार्ग पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े चार पहिया वाहनों के भी चालान कर कार्रवाई की गई। बताया गया कि ठेला संचालकों को व्यवस्थित करने और शहर के ट्रैफिक को सुचारू रखने के उद्देश्य से सब्जी बाजार में अलग से स्थल निर्धारित किए गए हैं। अभियान का नेतृत्व कोतवाल नरेश चौहान ने किया। उनके साथ एसएसआई जसविंदर सिंह, एसआई देवेंद्र मनराल, ईओ मनोज कुमार दास, बड़े बाबू राजू पांडेय सहित बड़ी संख्या में पुलिस व नगरपालिका कर्मी मौजूद रहे।

सामान जब्त करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

फल व्यापारियों को सब्जी मंडी में चिह्नित की गई जगह पर जाने की हिदायत देते कोतवाल नरेश चौहान।

अतिक्रमण हटने के बाद फड़, खोखा एवं ठेला स्वामियों ने किया प्रदर्शन

बाजपुर : नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान फड़, खोखा एवं ठेला स्वामियों को खदेड़े जाने का आरोप लगाते हुए प्रभावित लोगों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में सौंपा है। सोमवार को बड़ी संख्या में फड़, खोखा एवं ठेला संचालक उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचे और वहां प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी की गैर मौजूदगी में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन कार्यालय बाबू संजीव चौहान को सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन द्वारा बेरिया-दौलत रोड, मुख्य मार्ग, रामराज रोड सहित अन्य मार्गों पर सड़क किनारे लगने वाले फल ठेलों व छोटे व्यापारियों को हटाया जा रहा है और सब्जी मंडी में अस्थाई रूप से सप्ताह में छह दिन के लिए बैठाने एवं एक दिन बाहर फड़ लगाने की अनुमति दी जा रही है, ऐसे में उनका कारोबार प्रभावित हो जाएगा, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। इस मौके पर महिपाल सिंह, बाबू, हर्षित, लालाराम, कैलाश कुमार, रामकुमार, सफीक अहमद, सनी, पप्पू, राकेश, राजाराम, धर्म सिंह, भूरा, दौलत, सोनू कश्यप, राजीव कुमार, सुरेश, सतपाल सिंह, संतराम, भाग सिंह, संजीव कुमार, अभिषेक चंद्रा, राजेंद्र चंद्रा, बबली सागर, पप्पू दिवाकर, राजू दिवाकर, विकास चंद्रा, अरविंद कुमार, मो.अजीम, सोहन लाल आदि मौजूद रहे।

ट्रेड लाइसेंस के विरोध में आज धरना देंगे व्यापारी

सितारगंज, अमृत विचार : नगरपालिका की ओर से बनाए जा रहें ट्रेड लाइसेंस के विरोध में व्यापारी मंगलवार को धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने बताया कि नगर पालिका जबरन व्यापारियों के लाइसेंस बना रहा है। व्यापारी के मना करने पर वह महिला समूह के माध्यम से तीन दिन में लाइसेंस बनाने के लिए नोटिस भेज रहा है। संवैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जबकि जनपद के दूसरे नगरपालिकाओं में कहीं भी यह व्यवस्था लागू नहीं है।

वहीं, कोषाध्यक्ष दीपेंद्र सिंघल ने कहा कि व्यापारियों पर ट्रेड लाइसेंस से अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। जबरन शुल्क वसूला जा रहा है। बताया कि इसके विरोध में मंगलवार को व्यापारी नगर पालिका गेट पर धरना प्रदर्शन करेंगे।

Cyagro organic

Behind B.D. Cotton Mills, 4th milestone, Sirsa Road, Hisar, Haryana-125001
Mob. 99961-09696
Notice for Sale of 100% water Soluble Mixture of Fertilizer grades in agriculture use

In pursuance to the order no S.O.(E) dated 24th October 2015, and its Amendment dated 30th December, 2017, issued by Department of agriculture corporation and farmers welfare, ministry of Agriculture and farmers welfare, govt. of india in FCO 1985

Cyagro organic herby notifies that it intends to sale 100% water Soluble Mixture Of Fertilizer grades in the state of UK -as per the specifications given-

Sr.No.	Composition	Brand Name
1	12:58:00	Steric P
2	6:00:49	Steric K

अतिक्रमण पर 60 परिवारों को दिए नोटिस

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश में अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा के निर्देशन में सिंचाई विभाग द्वारा गूलरभोज के ठंडा नाला हरिपुरा जलाशय गूलरभोज की सरकारी भूमि पर बसे 60 परिवारों को 15 दिन का अतिक्रमण हटाने का समय देते हुए नोटिस देने की कार्रवाई की गई।

सोमवार को ग्राम पंचायत-कोपा के ठंडा नाला में अतिक्रमण की जद में आ रहे 60 परिवारों को उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा के निर्देशन पर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए। चार धार्मिक स्थल भी अतिक्रमण में आ रहे हैं। अपर जिलाधिकारी मिश्रा ने बताया कि 15 दिन का समय के नोटिस के उपरांत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग के हरिपुरा जलाशय की भूमि से पूर्व में प्रथम चरण में 1.13 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जा चुका है। द्वितीय चरण में 2.45 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जाना है। इस मौके पर कार्रवाई में उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह, सीओ विभव सैनी, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता भरत सिंह डांगी, एसडीओ पंकज ढौंडियाल, कोतवाल नरेश चौहान, पुलिस चौकी प्रभारी दिवान सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

गूलरभोज के ठंडा नाला में नोटिस देने की कार्रवाई करते अधिकारी।

ट्रांजिट कैंप में पुतला दहन के दौरान संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

रामनगर में बुलडोजर चलाने से श्रमिकों में रोष

रुद्रपुर : रामनगर के पुछड़ी में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने से श्रमिकों में आक्रोश व्याप्त है। विरोध में श्रमिक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले विभिन्न मजदूर संगठनों ने परशुराम चौक ट्रांजिट कैंप में भाजपा सरकार का पुतला फूंका। सोमवार को पुतला दहन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में पूंजीपतियों और विकास कार्यों के लिए दशकों से काबिज गरीब जनता की जमीनें छीनने का काम कर रही है। पूंजीपतियों के लिए जमीनें छीनने और उनके आशियानों पर बुलडोजर चलाने की नीति ही भाजपा सरकार की मुख्य नीति है। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री धामी और तमाम प्रशासन के आला अधिकारी जमीनें छीनने के लिए डेमोग्राफी में बदलाव की रट लगाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारों का काम जनता को रोजी, रोटी, रोजगार, घर देने का होता है। लेकिन भाजपा सरकार यह सब छीनने में लगी हुई है। इस अवसर पर मुकुल, शिवदेव सिंह, ललित मटियाली, धीरज जोशी, अन्ना, हरेंद्र सिंह, विजय शर्मा, भूपति रंजन मलिक, ज्ञानचंद, डूंगर सिंह, राजू सिंह मौजूद रहे।

लाखों की खैर लकड़ी जब्त, पुलिस पर सवाल

गदरपुरः महतोष चौकी क्षेत्र के ग्राम बरिराई में वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से तस्करी की जा रही लाखों रुपये की बेशकीमती खैर की लकड़ी जब्त की है। सोमवार तड़के करीब चार बजे मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने घेराबंदी की। टीम को देखकर आरोपी चालक/तस्कर मौके से फरार हो गया। वन विभाग ने मौके से लगभग 150 कुंतल अवैध खैर से लदा ट्रक कब्जे में ले लिया। हैरानी की बात यह है कि बड़े पैमाने पर चल रही इस तस्करी की महतोष चौकी पुलिस को भनक तक नहीं लगी। पीपल पड़ाव रेंज के रेंजर पूरन जोशी से इस संबंध में संपर्क नहीं हो सका।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उधम सिंह नगर

पत्रांक : 13/दिशा/नुक्कड़ नाटक/2025-26/7449 दिनांक : 08-12-2025

जनपद एड्स नियंत्रण समिति उधम सिंह नगर के अन्तर्गत एच०आई०वी०/एड्स की रोकथाम हेतु जनपद के विभिन्न स्थानों में 4500.00 रु० प्रति सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुसार प्रस्तुति की जानी है उक्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सम्पादित किये जाने हेतु इच्छुक दल (जो सूचना विभाग उधम सिंह नगर में पंजीकृत हो) कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उधम सिंह नगर में दिनांक 12.12.2025 तक आवेदन कर सकते हैं। दिनांक 12.12.2025 के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नही किये जायेगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
उधम सिंह नगर

भैंसागाड़ी की चपेट में आने से बालक की मौत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः पुलभट्टा थाना क्षेत्र के सिरौली कला, वार्ड 18 में एक हृदय विदारक घटना हुई, जहां भैंसागाड़ी की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक शैफू की दर्दनाक मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और मां रीना बेसुध नजर आईं।

जानकारी के अनुसार, शैफू घर के बाहर सड़क किनारे खेल रहा था तभी मौके से गुजर रही भैंसागाड़ी के पहिए के नीचे दबकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बालक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर मोर्चरी भेज दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि माता-पिता के पारिवारिक विवाद के चलते शैफू अपनी मां रीना के साथ अलग रहता था।

श्रम कर रहे एक बालक का किया रेस्क्यू

सितारगंज, अमृत विचार : जीरो चाइल्ड लेबर जोन अभियान के तहत सोमवार को संयुक्त टीम ने शहर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बालश्रम में लिप्त एक बच्चों को मुक्त कराया गया। साथ ही, श्रम विभाग ने संबंधित दुकानदारों के चालान काटकर कार्रवाई की। राज्य श्रम आयुक्त और डीएम के निर्देशों के अनुपालन में सोमवार को सितारगंज में अभियान चलाया गया। इस दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी मिनाक्षी भट्ट, श्रम सहायक दिनेश कुमार, एसआई बबीता, बाल संरक्षण अधिकारी स्मिता, चाइल्ड हेल्पलाइन की श्रद्धि, एनजीओ सदस्य रहीस अहमद व पीआरडी जवान चंद्रशेखर टीम में शामिल रहें। टीम ने एमपी चौक, तिरंगा चौक, बस स्टैंड, होटल-ढाबों और मैकेनिक की दुकानों पर छापेमारी करते हुए जागरूकता अभियान भी चलाया। लोगों को बालश्रम की कानूनी रोकथाम और आवश्यकता पड़ने पर 1098, 112 जैसे टोल-फ्री नंबरों पर सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। चेकिंग के दौरान एक दुकान में एक बच्चें काम करते हुए मिला। जिसे टीम ने मुक्त कर सीडब्ल्यूसी के सुपुर्द किया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने दुकान स्वामी के विरुद्ध केस दर्ज कराया। साथ ही, अन्य दुकानों को चेतावनी दी कि भविष्य में बालश्रम पाए जाने पर गंभीर कार्रवाई होगी। रेस्क्यू किए गए बच्चों को सरकार की पुनर्वास और आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। टीम ने शहर के कई स्थानों पर भिक्षावृत्ति रोकथाम संबंधी बैनर लगाकर भी लोगों को जागरूक किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरे सैन्याभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम भावना (BAVANA) भूलवश गलत दर्ज है सही नाम कुमारी भावना (KUMARI BHAVNA) दर्ज कराना चाहता हूँ। **आर्मी नं. 15375338X हवलदार रंजीत सिंह पुत्र स्व. राम सिंह, निवासी ग्राम बानूसी, खटीमा (उधम सिंह नगर)**

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक कुमायूँ परिक्षेत्र, नैनीताल

संख्या : सीओके-भ-4, 5 व 8/2025/1684(1)HD **विज्ञप्ति** दिनांक : 06 दिसम्बर, 2025

पुलिस विभाग कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक, कुमायूँ परिक्षेत्र, नैनीताल में निम्नलिखित निर्माण / मरम्मत कार्यो हेतु इच्छुक रजिस्टर्ड ठेकेदारों से दिनांकः 15-12-2025 को समय 1:00 बजे तक पुलिस महानिरीक्षक, कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित अन्य शर्ते / निविदा प्रपत्र एवं जानकारी पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, नैनीताल एवं कैम्प कार्यालय, हल्द्वानी से सम्पर्क स्थापित कर प्राप्त की जा सकती है :-

क्र०सं०	कार्य का विवरण	स्वीकृत धनराशि
1	पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, नैनीताल में कार्यालय भवन की रंगाई-पुताई का कार्य।	500000.00
2	पुलिस महानिरीक्षक कैम्प हल्द्वानी में कार्यालय भवनों एवं आवासीय भवन की रंगाई-पुताई का कार्य।	500000.00
3	पुलिस महानिरीक्षक कैम्प कार्यालय आवास हल्द्वानी में टाईल्स लगाये जाने एवं सी०सी० मार्ग का निर्माण कार्य।	500000.00

पुलिस महानिरीक्षक
कुमायूँ परिक्षेत्र, नैनीताल

सिटी ब्रीफ

कोतवाली में आबकारी के 114 मालों का निस्तारण

खटीमा : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार सोमवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में निस्तारण कमेटी के समक्ष थाना कोतवाली में आबकारी अधिनियम के कुल 114 मालों को न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश अनुपालन में निस्तारित किया गया। इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी विजेंद्र शाह, एसएसआई ललित मोहन रावल, मालखाना मुहर्रिर विजय कुमार, हेड मुहर्रिर जगदीश सिंह बोरा, ज्ञानदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार दिया

काशीपुर : तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में 80 से अधिक प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 126 विद्यार्थियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सोमवार को चैती मोड़ स्थित विद्यालय में इंटरमीडिएट के 40 और हाईस्कूल के 86 छात्र-छात्राओं की माताओं को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतिवर्ष इस पुरस्कार के रूप में एक हजार रुपये की राशि छात्र-छात्राओं की माताओं को दी गई है। वहां पर विद्यालय समिति अध्यक्ष एसपी गुप्ता, प्रबंधक जीडी मठपाल, ईश्वर चंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

देश के गौरव थे जनरल बिपिन रावतः सुखीजा

गूलरभोज के वार्ड-7 कॉलोनी के चौराहे पर लगेगी प्रतिमा

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचारः भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति उनकी सर्वोच्च समर्पण को स्मरण करते हुए उन्हें उत्तराखंड व देश का गौरव बताया। उन्होंने कहा कि जनरल विपिन रावत का जीवन देश भक्ति, अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा की प्रेरणादायक मिसाल हैं। इस दौरान जनप्रतिनिधियों व पूर्व सैनिकों ने उनकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सोमवार को वार्ड-07 कॉलोनी चौराहे पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद गदरपुर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ ने कहा कि राज्य वित्त आयोग से 8.5 लाख रुपये की लागत से सीडीएम जनरल बिपिन रावत की 7 फीट

गूलरभोज में श्रद्धा सुमन अर्पित करते भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा।

- कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पूर्व सैनिक व नगरवासी हुए शामिल

की प्रतिमा व राष्ट्रीय तिरंगा लगाया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम से पूर्व मुख्यअतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा व नपं अध्यक्ष सतीश चुघ एवं अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिलाध्यक्ष जितेंद्र पांडे ने भूमि पूजन किया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर विजय शर्मा व मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक ने किया। इस मौके पर संरक्षक पूर्व सूबेदार दुर्गा सिंह राणा, पूर्व जिलाध्यक्ष सूबेदार मेजर नंदन सिंह कोश्यारी, महामंत्री रमेश कन्याल, मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक, सूबेदार मेजर महिपाल सिंह कोश्यारी, लेफ्टिनेंट कन्हैया लाल स्वर्णकार, कविता नेगी, भूपेंद्र जोशी, विनोद भट्ट, विनोद तिवारी, सुनील शर्मा, सुरेश पाठक गोविंद चौहान, हीरा पानू, दीपा पपोला, दीपा खनका, अनीता पाठक, प्रियंका जोशी आदि मौजूद रहे।

निकायों के प्रमुख मध्य प्रदेश रवाना

काशीपुरः प्रदेश को आधुनिक रूप से विकसित करने के लिए सफल शहरी मॉडल, सफाई व्यवस्था और स्मार्ट तकनीक को समझने के लिए उत्तराखंड की नगर निकायों के प्रमुखों और अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मध्य प्रदेश के लिए रवाना हो गया है। इसमें काशीपुर के महापौर दीपक बाली भी शामिल हैं। भ्रमण कार्यक्रम में 9 से 12 दिसंबर तक इंदौर और भोपाल में विभिन्न नवाचारों पर मंथन किया जाएगा।

उत्तराखंड की नगर निकायों का 20 सदस्यीय टीम का प्रतिनिधिमंडल मध्य प्रदेश के लिए 9 से 12 दिसंबर तक रवाना हो गया है। इसमें काशीपुर के मेयर दीपक बाली, ऋषिकेश के मेयर शंभू पासवान एवं हरिद्वार की मेयर किरण सहित नगर पालिकाओं व नगर पंचायत के अध्यक्ष व नगर प्रबंधन से जुड़े कई अधिकारी भी शामिल हैं। यह दल मध्य प्रदेश के सफल शहरी मॉडल-इंदौर की साफ स्वच्छता व्यवस्था, भोपाल की स्मार्ट तकनीक, भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के डिजिटलीकरण और ट्रांसपोर्ट सिस्टम का अध्ययन करेगा। महापौर दीपक बाली ने कहा कि उत्तराखंड के शहरों को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ पुनर्गठित किया जाएगा।

जीजीआईसी में 5.70 करोड़ से बनेंगे 12 नए क्लासरूम

- विधायक बेहड़ ने अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नगर स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों से 5 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से तीन मंजिला भवन में 12 नए कक्षा कक्षों के निर्माण को शासन ने स्वीकृति दे दी है। प्रथम किस्त के रूप में 2 करोड़ 29 लाख रुपये की धनराशि भी अवमुक्त कर दी गई है।

स्वीकृति मिलने के बाद विधायक बेहड़ ने जल संस्थान, विद्युत विभाग, नगर पालिका और मंडी परिषद के अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार की।

प्रधानाचार्य अंजू सक्सेना ने विधायक को विद्यालय की प्रमुख समस्याओं, जैसे क्षतिग्रस्त विद्युत वायर से करंट का खतरा, खराब नल, शौचालय में पानी की आपूर्ति

किच्छा में अधिकारियों एवं शिक्षिकाओं के साथ बैठक करते विधायक तिलक राज बेहड़।

बंद होना, गेट पर कचरा और आवारा कुत्तों के आतंक से अवगत कराया। विधायक बेहड़ ने सभी विभागीय अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर इन समस्याओं का निस्तारण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से बिजली लाइनों को सुरक्षित करने, पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने और गंदगी हटाने का निर्देश दिया।

विधायक ने बताया कि नए निर्माण के साथ, करीब 42 लाख रुपये की लागत से विद्यालय की पुरानी बिल्डिंग की भी मरम्मत की जाएगी, जिससे विद्यालय का कायाकल्प हो जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि अप्रैल महीने में छात्राओं के लिए एक बड़ा आर-ओ प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही जिला शिक्षा अधिकारी के साथ बैठक कर शिक्षिकाओं की कमी जैसी लंबित समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा।

नोज़गे पब्लिक स्कूल में आयोजित मेगा फेयर में निरीक्षण करते अतिथि।

नोजगे स्कूल में हुआ एजुकेशनल मेगा फेयर

खटीमा : द एजुक्वेस्ट संस्था द्वारा विद्यालय में ''एजुकेशनल मेगा फेयर'' का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य शीर्षक ''द फयूचर हन्ट'' रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ किसान आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजपाल सिंह, ईस्टर इंडस्ट्रीज के प्लांट हेड आरएस गौड़, एचआर हेड पुनीत मिश्रा, प्रबन्ध निदेशिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी, जिला विज्ञान समन्वयक नरेन्द्र सिंह रौतेला, उप प्रधानाचार्य एचसी पंत ने फीता काटकर किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित मेले में राज्य की 11 यूनिवर्सिटीज शारदा, ग्राफिक ऐरा, बेनेट, चितकारा, माइंड पावर, दून ग्लोबल, उत्तरांचल, आइआइएलएम, जीएनआइओटी, एसआरएचयू, केआईटीएम और देवभूमि यूनिवर्सिटी ने भाग लिया। मेले में खटीमा क्षेत्र के छह विद्यालयों से आए 11वीं और 12वीं के 650 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कच्ची शराब पीने वालों का हो विरोध

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः समाजसेवी सुशील गाबा द्वारा संचालित रुद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स अभियान के तहत वार्ड 32 भूरारानी के डिवाइन पार्क कॉलोनी में अवैध कच्ची शराब, सूखे नशे को लेकर बैठक आयोजित हुई। इसमें कॉलोनी को सुरक्षित रखने के लिए दल बनाने, ड्रग्स पैडलरों और कच्ची शराब आदि का सेवन करने वालों को अपनी कालोनी के आसपास भी न फटकने देने का प्रस्ताव पारित किया गया।

सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान समाजसेवी सुशील गाबा को जानकारी देते हुए स्थानीय लोगों ने बताया कि उनकी कालोनी के सामने रेलवे पटरी पार और कालोनी के साथ स्थित खंडहरों आदि में नशेड़ी आकर सूखे नशे का सेवन करते है। धीरे-धीरे यह

भूरारानी में बैठक करते रुद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स अभियान से जुड़े लोग।

- रुद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स अभियान की बैठक में पास हुआ प्रस्ताव

जहर हमारी पीढ़ी को भी कब्जे में ले सकता है।

स्कूलों आदि के नजदीक सूखे नशे के बढ़ते प्रकोप भी अभिभावकों की चिंता बढ़ा रहा है। अभियान के संयोजक सुशील गाबा ने कहा कि नशा जितना शक्तिशाली दिखता है, उससे कई गुना अधिक शक्तिशाली हमारी मातृशक्ति है। इस अभियान में युवाओं को भी जुड़ना होगा। इस अवसर पर पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष नेहा सामंत, पुष्पा सुंदरियाल, माधवी अधिकारी, नीमा जोशी, कविता, शीतल, प्रीति, चंद्रकला, नीमा, नीलम, गीता, गीता पैतोला, यमुना बोरा आदि मौजूद रहे।

पत्रकार के चाचा के निधन पर शोक

खटीमाः पत्रकार स्वतंत्र प्रकाश आजाद के चाचा मुन्ना लाल का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर स्थानीय पत्रकारों ने शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। जमौर निवासी सेवानिवृत्त पोस्ट मास्टर मुन्ना लाल(75) का सोमवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। जो पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। वह अपने पीछे पुत्र व पुत्रवधू को रोता बिलखता छोड़ गए। चिता को मुखाग्नि उनके पुत्र अशोक कुमार ने दी। इस दौरान विष्णु देव, ज्योति वंधन, अनिल कुमार, राज कुमार, बाबू लाल, सुरेंद्र सिंह, मदन लाल आदि मौजूद थे।

मुन्ना लाल।(फाइल)

खटीमा में हरक सिंह रावत का पुतला फूंकते सिख समाज और भाजपा के लोग।

कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत का पुतला फूंका

खटीमा : सिख समुदाय और भाजपा कार्यकर्ताओं ने पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी और किसान आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत का पुतला दहन किया। बाद में उन्होंने कोतवाली में पहुंचकर हरक सिंह रावत के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किए जाने की मांग की। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे, मंडल अध्यक्ष जीवन सिंह धामी, जिला महामंत्री रमेश जोशी, सतीश भट्ट, गुरमेल सिंह, जोगिंदर सिंह, अवतार सिंह आदि मौजूद रहे।

सिख समाज के नाम पर गुमराह कर रही भाजपा

हल्द्वानी : जसपुर किसान सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष और जिला सहकारी बैंक नैनीताल के पूर्व डायरेक्टर सरदार महेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सिख समाज के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने सार्वजनिक रूप से खेद जताया है, इसलिए अब किसी विवाद की गुंजाइश नहीं है।

चीनी मिलों में अधिक गन्ना आपूर्ति कराने के दिये निर्देश

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने विकास कार्यों की समीक्षा कर गन्ना विकास निरीक्षकों को अधिक से अधिक गन्ना आपूर्ति चीनी मिलों में कराने के निर्देश दिये।

सोमवार को गन्ना विकास परिषद कार्यालय में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बीके चौधरी ने विभागीय विकास कार्यों की समीक्षा की। कहा कि गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान करें। किसानों को अपना गन्ना सरकारी मूल्य से कम मूल्य में न बेचना पड़े, इसके लिए अधिकतम गन्ना आपूर्ति चीनी मिलों को कराई जाए। राज्य से बाहर गन्ना कम मूल्य पर गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों कि

काशीपुर में बैठक के दौरान चर्चा करते अधिकारी। ● अमृत विचार

गन्ना आपूर्ति शत प्रतिशत राज्य की चीनी मिलों में ही कराई जाए। बैठक में मौजूद गन्ना पर्यवेक्षकों से कहा कि प्रत्येक दिवस चीनी मिल के क्रय केंद्रों से समन्वय स्थापित करते हुए अधिकतम गन्ना आपूर्ति कराने का विशेष प्रयास करें तथा साप्ताहिक रिपोर्ट अपने ब्लॉक प्रभारी को उपलब्ध करायें। चीनी मिल के अधिकारियों से यथाशीघ्र तकनीकी खराबियों को ठीक करने का अनुरोध किया गया। इस मौके पर राकेश कुमार, सुरेश सिंह, वीरेंद्र मौर्य, सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, बहादुर सिंह, अनवर अली, कृष्ण कुमार, योगेश भट्ट, धीरज कुमार, शीशपाल सिंह, सतीश सैनी, पृथ्वी पाल सिंह मौजूद रहे।

वंदे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम का महामंत्र बना था

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः जनजीवन उत्थान समिति के तत्वाधान में जगदीश प्रेरणा भवन के सभागार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सोमवार को मुख्य विषय 'वंदे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम का महामंत्र बना' कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे है वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित देश की स्वाधीनता संग्राम का महामंत्र यह गीत एक ऐसा उद्घोष था, जिसने देश की पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया कि वह देश को स्वतंत्रता दिलाकर भारत माता के स्वप्न को अभिव्यक्त करें। गोष्ठी का संचालन कर रहे है अधिवक्ता भास्कर त्यागी ने कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान हम सभी

वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र मिश्रा।

भारतवासियों को करना चाहिए और यह हमारा नैतिक कर्तव्य है हम सब मिलकर विश्व के सबसे सुंदर लोकतांत्रिक देश की गरिमा को विश्व में उद्घोषित करने के लिए राष्ट्रगीत का सम्मान करें। वंदे मातरम के उद्घोष के साथ गोष्ठी का समापन किया गया।

गोष्ठी में देवांग मिश्रा एडवोकेट, राम शर्मा, विवेक कुमार मिश्रा एडवोकेट, कर्तव्य मिश्रा एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

रिटायर्ड कार्मिकों से मांगे सुझाव

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी की। इस दौरान पेंशनर्स की समस्याओं को सुना और सुझावों के आधार पर समाधान किया। उन्होंने अधीनस्थों को आदेशित किया कि सामुदायिक समूह के साथ निरंतर बैठकों का दौर जारी रहे। ताकि पेंशनर्स को थाना-चौकियों में भटकना नहीं पड़े।

सोमवार को पुलिस कार्यालय सभागार में गोष्ठी के दौरान एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि गोष्ठी का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को एक मंच पर लाकर पुलिस परिवार से जोड़ना है और हर परिस्थिति में उनकी भावनाओं को मजबूत करना है। इस दौरान रिटायर्ड कार्मिकों ने नशा उन्मूलन, सामाजिक सुधार जैसे मुद्दों पर अपने सुझाव दिए।

पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। ● अमृत विचार

- एसएसपी ने गोष्ठी कर दिए आदेश, सीएलसी के साथ होगी निरंतर बैठक

जिस पर एसएसपी ने आदेश दिए कि जिले के सभी पुलिस पेंशनर्स एवं आश्रितों के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। जिस पर समस्या, शिकायत व सुझाव पर शीघ्र ही कार्रवाई होगी। इसके अलावा सभी थाना-चौकी प्रभारी अपने-अपने इलाके के सामुदायिक संपर्क समूह के साथ बैठक कर सामाजिक गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। इस मौके पर एसपी क्राइम निहारिका तोमर, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, सीओ प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

खटीमा में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते मौलाना इरफान उल हक कादरी।

मदरसा गौसिया में लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

खटीमा : तंज़ीम उलेमा-ए-अहले सुन्नत के तत्वावधान में निरंजना हेल्थकेयर की तरफ से मदरसा गौसिया में आंखों के इलाज के लिए फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसमें आंखों का मशीनों से टेस्ट किया गया। निरंजना हेल्थकेयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने मदरसा गौसिया पहुंची। मदरसा के फाउंडर मौलाना इरफ़ान-उल-हक़ क़ादरी ने रिबन काटकर कैंप का उद्घाटन किया। जिसके बाद भारी संख्या में लोगों ने आंखों की जांच कराई। इस मौके.पर हाफ़िज़ इरशाद हुसैन तहसीनी, मोहाफ़िज़ रज़ा मिस्बाही, मुफ़्ती सईद अनवर इरशाद, हाफ़िज़ जफरुद्दीन अज़हरी, हाफ़िज़ इरशाद हुसैन मुशाहिदी, मास्टर खालिद हुसैन, क़ारी इसरार अहमद, चमन साहिब, शमसुल हसन आदि मौजूद रहे।

एएनएम को दिया नियमित टीकाकरण का प्रशिक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः प्रतिरक्षण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में नियमित टीकाकरण की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विकास खंड रुद्रपुर की सभी एएनएम को नियमित टीकाकरण, यू-विन, आरसीएच, एचएमआईएस, डाटा प्रबंधन, माइक्रो प्लानिंग, एईएफआई, वीपीडी सर्विलांस का प्रशिक्षण दिया गया।

सोमवार को प्रशिक्षण में सर्विलांस मेडिकल आफिसर डॉ.मीनाक्षी सुमन ने जिला स्तर पर टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव की पहचान, वर्गीकरण, रिपोर्टिंग

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी देते सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल। ● अमृत विचार

एवं निगरानी प्रणाली संबंधी जरूरी सुझाव दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग तुरंत जिला मुख्यालय में की जाए। जिससे एईएफआई सर्विलांस को और अधिक प्रभावी किया जा सके।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश आर्या ने कहा कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद में निवासरत सभी समुदायों को टीकाकरण की सेवाएं देकर उन्हें बीमारियों से बचाया जाना है। इस दौरान सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी प्रदीप महर एवं वीसीसीएम प्रदीप पाठक ने यू-विन पोर्टल की जानकारी दी।

मकर संक्रांति मेले की तैयारी पर चर्चा

काशीपुर : उत्तरायणी मकर संक्रांति मेला समिति की बैठक में 14 जनवरी को होने वाले मकर संक्रांति मेले की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। सोमवार को चामुंडा मंदिर परिसर में पूरन चंद्र कांडपाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 14 जनवरी को मकर संक्रांति मेले का आयोजन चामुंडा मंदिर परिसर में किया जाएगा। मेले में स्थानीय व बाहरी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जो सांस्कृतिक ग्रुप कार्यक्रम प्रस्तुत करना चाहता है, वह 20 दिसंबर तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। यहां दीपक पांडे, महेश चंद्र पांडे, मनोज भंडारी, जतिन कांडपाल, आदित्य पांडे, निर्मला कांडपाल मौजूद रहे।

काशीपुर के ब्लॉक में आधार कार्ड बनाने के लिए लगी लाइन।

आधार कार्ड केंद्रों में अव्यवस्था से परेशान लोग

काशीपुर : आधार कार्ड अपडेट कराने को लेकर ब्लॉक परिसर में आधार कार्ड केंद्रों पर भीड़ लगी रही। पिछले तीन सप्ताह से आधार कार्ड केंद्रों पर लोग आधार कार्ड अपडेट कराने पहुंच रहे हैं। ऐसे में अव्यवस्था भी फैल रही है। राशन कार्ड की केवाईसी शुरू होने के बाद आधार कार्ड को अपडेट कराने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। किसी को आधार कार्ड में उम्र ज्यादा करनी है, किसी को आधार कार्ड में नया फोटो अपलोड करना है तो किसी को नाम में परिवर्तन कराना है। अत्यधिक भीड़ होने की वजह से ब्लॉक परिसर में अव्यवस्था फैल रही है और लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं सीडीपीओ मोहिनी बिष्ट ने बताया कि भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाने में परेशानी आ रही है। ब्लॉक परिसर में चार आधार कार्ड केंद्र बनाए हैं, जो सुबह से लेकर शाम तक लोगों के आधार कार्ड अपडेट कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

चम्पावत में 88 शिकायतों का निस्तारण किया

चम्पावत : जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार जनता मिलन में लोगों ने समस्याएं रखीं। कार्यक्रम में कुल 88 शिकायतें दर्ज की गईं। रेखा बोहरा, ग्राम छतकोट ने पेयजल लाइन को ठीक करने, बचीराम, ग्राम बजौन ने पंचायत भवन की शिकायत, नारायण दत्त पांडेय, ग्राम नायल ने बिजली व ईलाज की सुविधा बेहतर करने, राम सिंह, ग्राम मंगोली ने मेन लाइन से नया जल कनेक्शन लगाने, गिरीश चंद्र पनेरू ने क्वेराला घाटी से आने वाली पेयजल योजना से सेलखोला में पेयजल लाइन बिछाने, अमरनाथ गडकोटी, ग्राम गडकोट ने पेयजल लाइन निर्माण करने के अलावा गीता फर्त्याल, भरत राम, जयंती गोस्वामी, लक्ष्मण सिंह, बसंत बल्लभ, हीरा देवी सहित अन्य नागरिकों ने समस्याएं रखीं। डीएम ने अधिकारियों को समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

टनकपुर से युवती लापता, गुमशुदगी दर्ज

टनकपुर : यहां एक युवती घर से लापता हो गई। काफी ढूंढखोज के बाद भी पता न लगने पर युवती की मां ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। कहा है कि उसकी 18 वर्षीय बेटी 7 दिसंबर को बाजार जाने की बात कहते हुए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। प्रभारी कोतवाल पूरन सिंह तोमर ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर युवती की खोज शुरू कर दी है।

सभी विभागों में बायोमेट्रिक उपस्थिति को करें अनिवार्य: कोंडे

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जनता दरबार में सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश

संवाददाता, बागेश्वर

बागेश्वर में जनता दरबार में समस्याएं सुनतीं जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में सोमवार को गरुड़ ब्लॉक में आयोजित जनता दरबार में आमजन की विभिन्न समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए।

जनता दरबार में कुल 52 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें प्रमुख रूप से पेयजल, आपदा, विद्युत, वन, आवारा पशु, सड़क, सिंचाई एवं शिक्षा से संबंधित मामले शामिल रहे। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। जिलाधिकारी ने आपदा संबंधी शिकायतों पर निर्देश दिए कि परिसम्पत्ति क्षति का आकलन निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। वन विभाग को निर्देशित किया गया कि योजनाओं को सुदृढ़ किया जाए, अधिक से अधिक फलदार पौधों का रोपण किया जाए तथा जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान के लिए स्पष्ट नीति सुनिश्चित की जाए।

पेयजल आपूर्ति के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तक पानी पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, साथ ही विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिए गए कि सभी विद्युत लाइनों एवं तारों की सुरक्षित स्थिति का प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाए तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करते हुए कहा कि उपस्थिति का दैनिक विश्लेषण किया जाए। समस्त कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि अपने कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति पर कड़ी नजर रखी जाए।

जिलाधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा भी की गई, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्तर पर कोई शिकायत लंबित न रहे। प्रशासन का एक ही लक्ष्य है और वो है जनता की सेवा।

पीएमजीएसवाई के अभियंता को बिना तैयारी बैठक में आने के लिए स्पष्टीकरण तलब किया गया। साथ ही जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नकारात्मक समाचारों की समीक्षा भी की गई, और निर्देश दिया गया कि संबंधित विभाग तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट ने कहा कि जनता दरबार आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है और जनसेवा के लिए हम सभी को अधिक तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। जनता दरबार में ब्लॉक प्रमुख किशन सिंह बोरा, जिला पंचायत सदस्य जनार्दन लोहनी, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, एसडीएम अनिल चनियाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कसारदेवी का होगा सौंदर्यीकरण: डीएम

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में सोमवार को डीएम ने पर्यटन विकास को लेकर अधिकारियों की बैठक ली।

अमृत विचार: अल्मोड़ा के पर्यटन स्थल कसारदेवी में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने को लेकर सोमवार को डीएम ने बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को पर्यटन विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि कसार देवी अल्मोड़ा का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, अध्यात्म और संस्कृतिक पर्यटन जैसी अनेक संभावनाएं मौजूद हैं। इन संभावनाओं को व्यवस्थित रूप से विकसित कर क्षेत्र में पर्यटन को नई दिशा दी जा सकती है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन मार्गों, व्यूपॉइंट्स एवं मुख्य स्थलों की साफ-सफाई व सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभाग अपने अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए फॉरेस्ट की जितनी भी आपत्तियां हैं, उनका निदान करें और पार्किंग व्यवस्था, संकेतक बोर्ड, बैठने की व्यवस्था एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। कहा कि मंदिर के प्रचार प्रसार व इसके सौंदर्यीकरण के लिए आधुनिक माध्यमों का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रचार प्रसार अच्छा माध्यम है, इसलिए यहां उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा सुविधाओं को प्रचारित किया जाए। बैठक में उप निदेशक पर्यटन प्रकाश सिंह खत्री, एसडीएम सदर संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी एसके पंत मौजूद रहे।

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को मिलेगी पेंशन

चम्पावत : जनपद के ग्राम बगेड़ी, धौन निवासी 80 वर्षीय कौशल्या देवी की वृद्धावस्था पेंशन अब बनने का रास्ता साफ हो गया है। सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम में उनके पुत्र एवं परिजनों ने जिलाधिकारी मनीष कुमार को बताया कि वृद्धा के फिंगरप्रिंट न आने के कारण आधार कार्ड नहीं बन पा रहा है। इस वजह से वे पेंशन एवं अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित है। डीएम मनीष कुमार ने स्वयं कौशल्या देवी के हाथों को देखा और यूआईडीएआई के वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समाधान करने को कहा। डीएम ने मौके पर ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को समस्त दस्तावेजों की व्यवस्था कर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। डीएम ने उपजिलाधिकारी, समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि कौशल्या देवी को वृद्धावस्था पेंशन के साथ सभी योजनाओं का लाभ दिलाएं।

देघाट पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्करी का आरोपी। ● अमृत विचार

देघाट में 86 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- चेकिंग के दौरान पुलिस ने सराईखेत रोड के पास से पकड़ा
- बाजपुर जिला उधमसिंनगर निवासी है आरोपी

अमृत विचार: ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान देघाट पुलिस ने सराईखेत रोड के पास एक तस्कर को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से वाहन में रखा 86.032 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, एसएसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार देघाट थानाध्यक्ष अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सराईखेत रोड के पास कार संख्या डीएल 3 सीसीजी 0504 को रोका। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो वाहन में आठ कट्टों बोरों में 86.032 किलो गांजा बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश पुत्र स्व अमरपाल कश्यप, निवास ग्राम महेशपुरा थाना बाजपुर जिला ऊधमसिंह नगर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत 21 लाख 50 हजार रुपये से अधिक आंकी गई।

टीम में उपनिरीक्षक गंगाराम गोला, एएसआई राजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज पांडे, कांस्टेबल नीरज बिष्ट शामिल रहे।

तराई में बेचने के लिए ले जा रहे थे गांजा

देघाट थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि व लोग गांजा सराईखेत से खरीदकर रामनगर ले जा रहे थे। जिसे वहां युवाओं को ऊंचे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने का इरादा था। चेकिंग के दौरान गिरफ्त में आया। उन्होंने बताया कि आरोपी के बारे में पुलिस द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

अवैध खनन में लिप्त जेसीबी व चार डंपर सीज

संवाददाता, टनकपुर

अधिकारियों ने अवैध खनन में शामिल वाहन को किया सीज।

- तहसीलदार बृजमोहन आर्य के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

अमृत विचार: चम्पावत जिले के कई क्षेत्रों में धड़ल्ले से अवैध खनन कार्य जोरों पर चल रहा है। अवैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए चम्पावत प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही कड़ी निगरानी के बीच सीम बंडा पट्टी क्षेत्र, बकोड़ा मध्य मोस्टा सँगरोन में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

तहसीलदार चम्पावत बृजमोहन आर्य के नेतृत्व में की गई इस औचक छापेमारी के दौरान अवैध खनन से जुड़ा एक बड़ा गिरोह पकड़ा, जो खनिज संपदा का अवैध दोहन कर रहा था। मौके पर एक जेसीबी एक्सावेटर को अवैध खुदान करते पाया गया, जबकि खुदान की गई खनिज सामग्री को टनकपुर की ओर ले जाते हुए 4 डंपरों को भी मौके से पकड़ा गया। प्रशासनिक टीम के पहुँचते ही ऑपरेटर एवं डंपर चालक मौके से फरार हो गए। तहसीलदार द्वारा जेसीबी एवं सभी चारों डंपरों का चालान कर उन्हें सीज कर दिया गया। पूरे क्षेत्र को सुरक्षित संरक्षण में लेते हुए अवैध खनन गतिविधियों पर रोक सुनिश्चित की गई। तहसीलदार बृजमोहन आर्य ने बताया कि क्षेत्र में कई दिनों से अवैध खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, जिसके आधार पर विशेष सतर्कता बरतते हुए यह कार्रवाई की गई।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन शून्य सहनशीलता की नीति पर कार्य कर रहा है तथा किसी भी स्तर पर गैरकानूनी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के पश्चात पूरे क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ कर दिया गया है, ताकि भविष्य में भी कोई व्यक्ति अवैध खनन का प्रयास न कर सके। प्रशासन नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर रहा है, और खनन से जुड़े सभी संभावित स्थानों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। कहा कि अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान तहसीलदार के साथ राजस्व उपनिरीक्षक पुष्कर चन्द, राजस्व उपनिरीक्षक जीवन रिंगवाल, राजस्व उपनिरीक्षक शुभम पुजारी, तथा जवान बंशीधर एवं राजेंद्र बिष्ट मौजूद रहे।

गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला में हैरतअंगेज करतब दिखाते निहंग।

निहंग सिंहों के युद्ध कौशल ने किया हतप्रभ

बाजपुर : गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला में आयोजित वार्षिक ''गुरु मान्यों ग्रंथ समागम'' के समापन अवसर पर सोमवार को निहंग सिंहों द्वारा प्रदर्शित पुरातन युद्ध कौशल (महल्ला) आकर्षण का केंद्र रहा। मिशल शहीदां तरना दल यूपी के जत्थेदार गुरबख्श सिंह और जोबन सिंह के नेतृत्व में पहुंचे बहादुर सिंहों ने तलवारबाजी, गतका, घुड़दौड़ और प्राचीन शस्त्र विद्या का शानदार प्रदर्शन किया। इस रोमांचक प्रदर्शन में पारंपरिक हथियारों का उपयोग करते हुए कृपाण चलाना, भाला चलाना, नेजेबाजी, और आंखों पर पट्टी बांधकर कृपाण चलाने जैसे करतब शामिल थे। तेज़ रफ़्तार में घोड़ों पर सवार होकर संतुलन दिखाते हुए प्रदर्शित किया गया कौशल मुख्य आकर्षण रहा। मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित संगत ने उत्साहपूर्ण नारों से निहंग सिंहों का हौसला बढ़ाया। सेवादारों ने बताया कि इन विधाओं के माध्यम से सिख इतिहास, परंपरा और शौर्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया जाता है। कार्यक्रम के समापन पर लंगर का प्रबंध भी किया गया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुभारंभ पर संबोधित करते अधिकारी।

खेल भावना को सुदृढ़ करना अत्यंत महत्वपूर्ण

गदरपुर : राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 15वीं वाहिनी कैम्पस में दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नॉर्थ जोन, वेस्ट सेंट्रल जोन, साउथ, साउथ सेंट्रल जोन, ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट जोन की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। सेनानी सुदेश कुमार दराल ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कमांडेंट सुदेश कुमार दराल ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं जवानों की शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, टीम भावना और खेल भावना को सुदृढ़ करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन और सामूहिक सहयोग की भावना का प्रतीक है, जो जवानों में एकता और आत्मविश्वास को सशक्त बनाता है। इस मौके पर अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज की बदहाली पर भड़के लोग

- मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की उठाई मांग
- जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को चेताया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में सोमवार को प्राचार्य से वार्ता करते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर स्थानीय लोग मुखर हो गए है। सोमवार को लोगों ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीपी भैसोड़ा से मुलाकात की। जल्द व्यवस्थाएं सुधारने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

इस मौके पर लोगों ने कहा कि लंबे समय से मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल बनी हुई है। कॉलेज में करोड़ों रुपये के संसाधनों के बाद भी मरीजों का इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। कहा कि डायलिसिस सेवा भी लोगों को नहीं मिल पा रही है।

लोगों ने जल्द स्वास्थ्य सेवाएं नहीं सुधारे जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। यहां पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, मनोज सनवाल, हरीश कनवाल, भगवत आर्या, पारू उप्रेती, अमित साह, अभिषेक जोशी, अर्जुन बिष्ट, कैलाश गुरूरानी, भूपेंद्र सिंह बिष्ट, आशीष वर्मा, मंटू भंडारी, रीता दुर्गापाल, पुष्पा सती, आशा कर्नाटक, हरीश बिष्ट, ललित जनौटी, हयात बिष्ट, देवेन्द्र कर्नाटक, हेम जोशी, दिनेश कुमार, विनोद जोशी आदि मौजूद रहे।

पांच आवारा मवेशियों को ग्रामीणों ने पकड़ा

बाजपुर: बेरिया दौलत में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे पांच आवारा मवेशियों को ग्रामीणों ने रविवार की रात संगठित होकर पकड़ लिया। किसानों के अनुसार यह मवेशी पिछले कई दिनों से खेतों में घुसकर गेहूं सहित अन्य फसलों को नष्ट कर रहे थे, जिससे किसानों की आजीविका पर संकट गहरा गया था। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार यह मवेशी घरेलू पशुओं पर हमला कर उन्हें घायल कर चुके थे। किसानों के मुताबिक इन्हें भगाने की कोशिश करने पर यह मवेशी ग्रामीणों पर भी हमला कर देते थे। सोमवार को एसडीएम डा.अमृता शर्मा के हस्तक्षेप के बाद सभी मवेशियों को ग्राम लखनपुर स्थित गौशाला के सुपुर्द कर दिया गया। मौके पर हरप्रीत सिंह निज्जर, सतनाम सिंह, निर्मल सिंह मौजूद रहे।

पटना में साइकिल से यात्रा के दौरान सत्यपाल सिंह खालसा।

सत्यपाल सिंह साइकिल से पहुंचे पटना

रुद्रपुर : पंजाब की फसलों एवं नसों (मिट्टी और पानी) की खुशहाली एवं देश की खुशहाली के लिए सत्यपाल सिंह खालसा की साइकिल पैदल यात्रा जारी है। यह यात्रा 14 नवंबर को जिला फिरोजपुर से हुई जो श्री हरमंदिर साहिब से होते हुए सोमवार को पटना पहुंची। सोमवार को सत्यपाल सिंह खालसा ने बताया कि वे रुद्रपुर से होते हुए बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, अयोध्या, ब्रह्म कुंड नजर बाग गुरुद्वारा होते हुए श्री हरमंदिर साहिब पटना पहुंचे हैं। इस दौरान उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। श्री हरमंदिर साहिब पटना प्रधान कमेटी मैनेजमेंट ने निशान साहब देकर सम्मानित किया और अगले पड़ाव की ओर रवाना किया। उन्होंने बताया कि आनंदपुर साहिब पंजाब दिल्ली शीशगंज गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर उनकी यात्रा समाप्त होगी। इसमें लंबा समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि रात में 12 से एक बजे के बीच एक समय भोजन ग्रहण करते हैं और 7 से 11 बजे तक साफ सुथरे स्थान पर सो जाते हैं। दूध, इलायची, अदरक, लॉग, गिलोय, काली मिर्च, कच्ची हल्दी, दालचीनी इत्यादि दूध में डालकर प्रसाद बनाकर इसका सेवन करते हैं। इसके सहारे उनकी यात्रा लगातार रात दिन जारी रहती है।

वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अंकित ने सिल्वर पदक झटका

संवाददाता, अल्मोड़ा

वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप में प्रतिद्वंदी से भिड़ते अल्मोड़ा के अंकित मेर।

अमृत विचार: नगर के अंकित मेर ने वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप ने सिल्वर पदक जीत इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले वह पहले भारतीय खिलाड़ी भी बन गए है। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप अंडर-21 में अंकित मेर का पहला मुकाबला तुर्की के कान येलालदी को पहले राउंड में 2-5 और दूसरे राउंड में 0-2 से हराया। इसें बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में अंकित ने वर्ल्ड चैंपियन साउथ कोरिया के सियो ईउन-सु को 2-1 से हराया। क्वार्टर फाइनल में अंकित मेर ने स्पेन के अंकित मेर बनाम जेवियर ओटेरो को 2-0 से हराया। सेमीफाइनल में बुल्गारिया के हिस्तीयन जॉर्जिएव को 2-0 से हराया। हालांकि फाइनल में उन्हें मिश्र के मोआताज बेलाह असेम से हार का सामना करना पड़ा। अंकित मूल रूप से अल्मोड़ा के मेरगांव निवासी हैं और वर्तमान में विकास भवन के पास रहते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर छात्रसंघ कोषाध्यक्ष विनय कनवाल, प्रधान कमला कनवाल, विशाल कनवाल, हिमांशु कनवाल, कमलेश सिंह चुफाल आदि ने बधाई दी है।

तमंचा दिखाया फिर कर दिया लहूलुहान

संवाददाता, रुद्रपुर

- थाना ट्रांजिट कैंप इलाके का है मामला, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

अमृत विचार: छह दिसंबर की रात्रि हथियार लेकर युवकों ने दूसरे युवक पर प्रहार कर दिया। पहले हमलावरों ने तमंचा दिखाकर भयभीत किया फिर सिर पर धारदार हथियार से प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। युवक को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ठाकुरनगर निवासी गौतम राम ने बताया कि छह दिसंबर की रात्रि दो बजे वह अपने दोस्त सुमित, अखिलेश कुमार, रितिक कुमार, सचिन कुमार के साथ घर लौट रहा था। इस बीच खेड़ा बस्ती निवासी रामू, शुभम, दीपेश, मनोज कुमार, अंकित आये और तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी।

आरोप था कि युवकों ने घेराबंदी कर हमला शुरू कर दिया और उसके सिर पर धारदार हथियार से प्रहार कर दिया। दोस्तों ने भागकर अपनी जान बचाई और परिवार को सूचित किया। लोगों को आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां युवक की हालत स्थिर बनी हुई है।

अमृत विचार

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

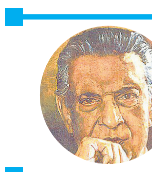

सिर्फ वही समाधान सार्थक होते हैं, जो लोग स्वयं खोज लेते हैं।

–सत्यजीत रे, फिल्मकार

लापरवाही की आग

गोवा के एक नाइट क्लब में हुआ भीषण अग्निकांड, जिसने 25 निरपराध लोगों की जान ले ली, जिसमें प्रदेश के दो लोग भी शामिल हैं, केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, नियमों की अवहेलना और लालच में अंधे व्यावसायिक मॉडल का भयावह परिणाम है। असली दोषी केवल इलेक्ट्रॉनिक पटाखे या क्लब प्रबंधन नहीं, बल्कि वह पूरा तंत्र है, जिसने अवैधता को वर्षों तक पनपने दिया और निरीक्षण की मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। हैरत की बात है कि यह हादसा पर्यटक सीजन के चरम पर हुआ, जब सरकार को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए थी।

गोवा की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर है, अतः भीड़भाड़, नाइट लाइफ़ और मौसमी गतिविधियों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का और अधिक कठोरता से पालन स्वाभाविक अपेक्षा है, लेकिन हुआ इसका उलटा। निरीक्षण शिथिल, निगरानी सतही और अवैध प्रतिष्ठानों की भरमार। यह तथ्य कि क्लब के पास न तो कंस्ट्रक्शन लाइसेंस था, न फायर एनओसी और पंचायत ने अवैध निर्माण का नोटिस भी थमा रखा था, फिर भी क्लब निर्बाध रूप से संचालित होता रहा- पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कारण था कि कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह ढिलाई जानबूझकर बरती गई? या स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक संरक्षण और व्यावसायिक हितों के चलते नियमों को हवा में उड़ा दिया गया? कोई भी उत्तर हो- जिम्मेदारी शासन तंत्र पर ही आती है। क्लब का पणजी से 25 किलोमीटर दूर होना शायद क्लब प्रबंधन को यह गलत भरोसा दे गया कि निरीक्षण टीमें इतनी दूर तक बार-बार नहीं आएंगी। यह मानसिकता कि नियमों की पकड़ कमजोर है, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं की जड़ है। बैकवॉटर किनारे स्थित इस क्लब में संकरे एंट्री-एग्ज़िट गेट और बेसमेंट में बिना वेंटिलेशन के निर्माण की अनुमति कैसे मिली? दमघोंटू धुएं के कारण हुई मौतें साफ बताती हैं कि भवन निर्माण और आंतरिक सज्जा के मानकों को बर्बर ढंग से नजरअंदाज किया गया था। कई प्रतिष्ठान संगीत, नृत्य, शराब परोसने और बड़े आयोजन चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस लिए बिना ही 'छद्म' व्यापार चलाते हैं। सरकार का यह कहना कि अब सभी क्लबों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा- एक त्रासदी के बाद जागने जैसा हास्यास्पद और अस्वीकार्य है।

सामान्यतः सुरक्षित माना जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक पटाखों को भीड़भाड़, संकरी जगहें और ज्वलनशील सजावट जोखिमपूर्ण बना सकती है, ऐसे में विवाह समारोहों और बंद हॉल में इनके इस्तेमाल पर गंभीर पुनर्विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस घटना का प्रभाव गोवा की साख पर कितना पड़ेगा? यदि सुरक्षा को लेकर राज्य की यह उदासीनता बनी रही, तो पर्यटकों की संख्या और गिरना अवश्यंभावी है, जिसका व्यापक आर्थिक असर पड़ेगा। सुरक्षा बैरियर, निरीक्षण प्रणाली, लाइसेंस सत्यापन और आपातकालीन प्रतिक्रिया- इन सबका कड़ाई से पालन ही जीवन बचाता है। यह घटना कड़ी चेतावनी है कि किसी भी राज्य को यह भूल नहीं करनी चाहिए कि मनोरंजन या राजस्व कभी भी मानव जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उम्मीद है, सरकारें इस पर ध्यान देंगी।

इंडिगो का संकट और 'गुडाकेश' सिंड्रोम

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

महाभारत में असाधारण वीरता की कथाओं की भूमिका में अर्जुन को 'गुडाकेश' कहकर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ है निद्रा पर विजय प्राप्त करने वाला। योगबल से अर्जुन ने यह शक्ति अर्जित की थी, जब उनके शत्रु नींद से भ्रमित, विक्षिप्त, स्मृति-शिथिल होने लगते थे, विजय सामने आ खड़ी होती थी। ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो भी इस 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जो हालिया संकट के प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं, एयरपोर्टों पर अराजकता और अफरातफरी का आलम हुआ, तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं। किसी एयरपोर्ट पर एक पत्नी अपने पति का शव लेकर कई दिन इंतजार करती दिखी, कहीं इंडिगों संकट में दूल्हे के फंस जाने के कारण मुहूर्त बीत गया और शादी टालनी पड़ी।

महानायक अर्जुन पर देवताओं की जैसी कृपा थी और उन्होंने जो सफलताएं अर्जित कीं, उनकी तुलना इंडिगो की चमत्कारिक उपलब्धियों से की जा सकती है, क्योंकि यह लंबे समय से निवेशकों को मुनाफा देने वाली प्रिय कंपनी बनी हुई है। उड्डयन को संसार के काफी मुश्किल सेक्टर्स में गिना जाता है, जहां बिरले ही कोई कंपनी लगातार मुनाफे में बनी रह पाती है। आए दिन दुनिया की बड़ी-बड़ी एयरलाइन कंपनियों के संकट में होने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस परिस्थिति में भी आर्थिक विशेषज्ञ दावे करते रहते हैं कि इंडिगो जिस हिसाब से इस कदर स्पर्धा वाले बाजार में भी साल दर साल मुनाफा बना रही है, वह आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी बन सकती है।

> ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं। तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं।

इंडिगो के मुनाफे का राज उसके अति सख्त और हठी-प्रबंधन में छिपा है। एक ही एयरक्राफ्ट को दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर अधिकतम चक्कर लगवाना, कुशल ईंधन प्रबंधन, पायलट और क्रू मेंबर्स से बहुत अधिक काम लेना और हर मामले में अधिकतम बचत का सिद्धांत लागू करना। अब हवाई यात्रा में पहले की तरह बिना मांगे पानी नहीं मिलता और उर्जा की बचत के लिए ठंडा खाना बेचा जाता है। यह कोई नया प्रबंधन नहीं है, पुरानी साहूकारी शैली में भी ज्यादा चतुर और कंजूस प्रबंधक यही तरीका अपनाते थे, चूंकि इससे निवेशकों को फायदा मिल रहा है, इसलिए मैनेजमेंट गुरु कामयाबी के गुण गा रहे हैं। कल कोई इससे अधिक कामयाब कंपनी आएगी उसकी जय होगी।

अभी तो जब से सरकार की मुक्त आकाश नीति के तहत उड्डयन का निजीकरण शुरू हुआ, कई कंपनियां अपनी किस्मत आजमाने आईं, लेकिन बंद हो गईं। वहीं इंडिगो का व्यापार बढ़ता गया और भारत जैसे विशाल देश के एविएशन सेक्टर में वो मोनोपॉली स्थापित करने में कामयाब रही। यहां याद रखने लायक है कि इंडिगो का यह विस्तार मुक्त अर्थव्यवस्था के उस बुनियादी सिद्धांत के विपरीत था, जिसमें यह कहा गया था कि कंपटीशन इतना होगा कि ग्राहक को अधिकतम लाभ पहुंचेगा और हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोग भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने जानबूझकर एविएशन सेक्टर में एकाधिकार को बनने दिया। ऐसा क्यों हुआ, कोई छिपी बात नहीं है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयर इंडिया की साख पर जो बट्टा लगा, उसने बाजार में इंडिगो की स्थिति को बहुत मजबूत किया, लेकिन यह भी तथ्य है कि इस हादसे के बाद फ्लाइट सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी होती गईं। इसी का ध्यान रखते हुए सरकार ने पायलटों के साप्ताहिक आराम की सीमा को बढ़ाकर 36 घंटे से 48 घंटे कर दिया। यह एक जरूरी काम था। जिस तरह दूसरे वाहनों के चालकों को नींद परेशान करती है, पायलटों की भी क्षमताओं पर असर डालती है, तब मानवीय चूक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस मामले में हुआ यह है कि सरकार ने यह फैसला करने से पहले यह जानने की कोशिश नहीं की कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के पास कितने पायलट हैं और काम के घंटे अचानक घटाए जाने से एयर ट्रैफिक संकटग्रस्त तो नहीं हो जाएगा?

ज़ाहिर है, सरकार को इंडिगो की वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था और उसने एयरलाइन को तैयारी का मौका दिए बिना अचानक फैसले का एलान कर दिया। इन दिनों विमानन का जो हाल है लोग जानते हैं, लेकिन इस संकट से लोगों का ध्यान एक बार फिर इस ओर गया कि पैंसेजर ट्रेन और रोडवेज की बसों में ठूंसकर इस देश के आम नागरिक अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचते हैं और मुनाफे की होड़ में उड्डयन के बुनियादी सिस्टम की उपेक्षा कितनी भारी पड़ सकती है। इस मामले में अंतिम नतीजा निराशाजनक रहा कि सरकार को पायलटों के काम के घंटों से संबंधित फैसला वापस लेना पड़ा है, लेकिन उसने यात्रियों को नुकसान से बचाने के लिए कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

इस राष्ट्रीय संकट जैसी स्थिति में किसी सकारात्मक और हल निकालने वाली सोच का परिचय देने के बजाय विमानन कंपनियों का जोर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर तिगुने-चौगुने महंगे टिकट बेचकर माल बटोरने वाला रहा। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर का जमकर फायदा उठाया गया, जिसे कारपोरेट की भाषा में आपदा में अवसर भी कहा जाता है, लेकिन मुख्य प्रश्न वही है, इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां पायलटों और अन्य स्टॉफ से उतना काम ले रही हैं, जिससे अधिक ले पाना जैविक रूप से संभव नहीं और उन सभी को अर्जुन की तरह गुडाकेश भी नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कोई व्यावहारिक रास्ता खोजना पड़ेगा।

सोशल फोरम

अपने बच्चे की सुंदरता पर मोहित मां बन गई खूनी

हरियाणा के पानीपत और सोनीपत जिलों से जुड़ी घटना है। एक शादी समारोह में छह साल की बच्ची विधि की मौत को दुर्घटना समझा जा रहा था। विधि अपने परिवार के साथ नौल्था गांव में

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

एक विवाह समारोह में आई थी। देर रात जब बारात निकलने की तैयारी हो रही थी, तब बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। तड़के जब उसकी दादी ऊपर की मंजिल पर पहुंचीं, तो एक स्टोर रूम का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर बच्ची का शव एक प्लास्टिक के टब में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें सिर्फ उसका सिर पानी में डूबा था। शुरुआत में परिवार इसे हादसा मान रहा था, लेकिन पुलिस को स्थिति संदिग्ध लगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका जाहिर हुई, जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

जांच के दौरान पुलिस की नजर बच्ची की मौसी पूनम पर गई, जिसकी बातों में विरोधाभास थे। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सबको सन्न कर दिया। 34 वर्षीय पूनम ने स्वीकार किया कि वह सिर्फ विधि ही नहीं, बल्कि कुल चार बच्चों की हत्याएं कर चुकी है, जिनमें उसका अपना ढाई-तीन साल का बेटा भी शामिल था। पुलिस के अनुसार पूनम को अपने बच्चे से ज्यादा सुंदर दिखने वाले बच्चों को मारने की इच्छा होती थी। उसने जनवरी 2023 में अपनी सगी भाभी की नौ साल की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद उसने अपने बेटे की भी हत्या कर दी, क्योंकि उसे डर था कि बच्चा सच्चाई बता सकता है।

अगस्त 2024 में उसने अपनी मौसेरी बहन की छह साल की बेटी की हत्या की, जिसे भी परिवार ने दुर्घटना मान लिया। हर बार मौत का तरीका एक ही था, पानी में डुबोना। सालों तक इन हत्याओं को संयोग और हादसा समझा जाता रहा, जब तक कि विधि की हत्या ने पूरी परतें नहीं खोल दीं। यह घटना हमें अचानक झकझोर कर यह पूछने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपराध को केवल कानून की भाषा में समझकर संतुष्ट हो सकते हैं, या हमें उसके भीतर छिपे उस अंधेरे को भी देखना होगा जो धीरे-धीरे मनुष्य को मनुष्य से काट देता है। चार-चार बच्चों की हत्या कोई क्षणिक उन्माद नहीं होती। वह लंबी मानसिक यात्रा का परिणाम होती है, जिसमें समाज, परिवार और व्यक्ति तीनों की चुप्पियां शामिल होती हैं।

प्रसंगवश

सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र

भारत का भू-सांस्कृतिक मानचित्र केवल एक नक्शा नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, खेती, परंपराओं, समुदायों और सांस्कृतिक व्यवहारों की सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र है। यह उस भारत का प्रतिरूप है, जिसकी बनावट केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित एक जीवंत सांस्कृतिक पारिस्थितिकी से होती है। जिस समय दुनिया जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण और असंतुलित शहरीकरण की मार झेल रही है, उस समय भारत का यह भू–सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकास की नई दिशा का आधार बन सकता है।

आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और संस्कृति के बीच जन्मे उस संतुलन को लगातार पीछे धकेला, जो भारतीय जीवन पद्धति

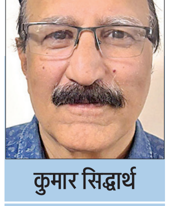

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

की आत्मा था। बीते दो शताब्दियों में आर्थिक वृद्धि के नाम पर वह दृष्टि हावी हुई, जिसने जल, भूमि और समुदायों को संसाधन भर मान लिया। परिणाम यह हुआ कि भारत की अर्थव्यवस्था में कभी 32 प्रतिशत तक योगदान देने वाला प्रकृति संस्कृति का साझा योग घटकर मात्र चार प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस पृष्ठभूमि में भू-सांस्कृतिक मानचित्रण का विचार न केवल वैज्ञानिक महत्त्व रखता है, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सांस्कृतिक दस्तावेज भी बन सकता है।

भू-सांस्कृतिक मानचित्र की अवधारणा यह स्वीकार करती है कि भारत को सिर्फ 15 एग्रो–क्लाइमेटिक ज़ोन में बांटकर नहीं समझा जा सकता। देश की मिट्टी, नमी, स्थलरूप, ऋतु–चक्र, कृषि–पद्धति, बोली–भाषाएं, लोक–ज्ञान और सामुदायिक ढांचे इतनी विविधता लिए हुए हैं कि वास्तविकता में यहां 86 से अधिक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की पहचान सात प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। मिट्टी का प्रकार, जल–उपलब्धता, खेती, प्राकृतिक वनस्पतियां, पारंपरिक पेशे, सांस्कृतिक व्यवहार और सामुदायिक जल–प्रबंधन। इन सभी तत्वों के संगम से बनने वाले प्रत्येक क्षेत्र का चरित्र विशिष्ट होता है और वही इसे भू–सांस्कृतिक इकाई बनाता है।

इस अवधारणा की चर्चा हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में हुई, जहां देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों, डिज़ाइन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे भारत के भविष्य की दिशा के रूप में रेखांकित किया। विकास बनाम पुनर्जनन के संदर्भ में नये नजरिए को विकसित करने के लिए जल चेतना वाहक एवं जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह ने भू–सांस्कृतिक मानचित्र की संकल्पनना का एक खाका सामने रखा, जो विकास की पुरानी दृष्टि से बाहर आकर प्रकृति और संस्कृति के पुनर्जनन को केंद्र में होने की पैरवी करता है। ये आत्मनिर्भर भारत का मूल मार्ग होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मधुलिका बैनर्जी बताती हैं कि शिक्षा व्यवस्था ने लोक ज्ञान को उपेक्षित किया है, जबकि भारतीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सह अस्तित्व पर टिका है। एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि स्थानीय भू-सांस्कृतिक अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किए बिना शिक्षा को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा जा सकता। पर्यावरणीय अर्थशास्त्री विजय परांजपे का मानना है कि भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है। हमें भू-सांस्कृतिक दृष्टि के आर्थिक पक्ष को भी देखने की जरूरत होगी। भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है।

आमने

गहलोत जी आप हर बार की तरह पचपदरा रिफाइनरी पर राजनीति तो खूब कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि देरी और अव्यवस्था की असली नींव आपकी ही सरकार ने रखी थी। भाजपा सरकार ने प्रोजेक्ट को फिर से गति दी, तब आपको यह विकास दिखाई नहीं दे रहा।

–राजेंद्र राठौड़

भाजपा नेता, राजस्थान

सामने

राठौड़ जी 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत आप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। रिफाइनरी पर बोलने से पहले आपको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। चार साल तक 'रिव्यू' के नाम पर आपने राजस्थान के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

–टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

राष्ट्रमंडल खेल, विश्व ओलंपिक का अवसर

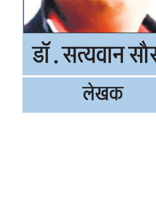

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नई ऊंचाई दे सकता है, परंतु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है, ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है और 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

> 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व–ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं।

ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के 'पूर्वाभ्यास', 'पूर्व-ओलंपिक नमूने' और 'वैश्विक विश्वास की परीक्षा' के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएं प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज—सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो विश्व में यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर संपन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है, जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद हैं। अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है, इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जांच और जवाबदेह व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है, इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि संपूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढांचा विश्व-स्तर पर पहुंच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल 'दिखावे की अधोसंरचना' में बदल जाए, जो आयोजन–उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं, जहां खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में 'मरे हुए ढांचे' बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है, इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

सामयिकी

घर की चुप्पी में दम तोड़ती आधी आबादी

देश में घरेलू महिला हिंसा की ताज़ा तस्वीर बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में लगभग हर तीसरी महिला अपने जीवन के किसी न किसी पड़ाव पर अपने ही जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का सामना करती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिक संकेत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर एक गहरा प्रश्न है। एक ऐसा दस्तावेज़, जो घर की चारदीवारी में दबा दिया जाता है और बाहर की मुस्कान के पीछे छुपा रहता है।

यह तस्वीर हमारे सामाजिक ढांचे में मौजूद उस दरार को भी उजागर करती है, जहां रिश्तों के नाम पर सहनशीलता को संस्कार बताया जाता है और संरक्षण के नाम पर स्त्री के हिस्से में मौन का बंधन

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की 15 से 49 वर्ष आयु-वर्ग की लगभग बीस प्रतिशत महिलाओं ने केवल वर्ष 2023 में ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव किया। अपने ही घर में, अपने ही विश्वस्त साथी द्वारा की गई हिंसा किसी भी सभ्य समाज की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। यह हमारे उन नैतिक और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रश्न खड़ा करती है, जिन्हें हम गर्व से 'भारतीय संस्कार' कहते हैं।

घरेलू हिंसा को आमतौर पर शारीरिक उत्पीड़न की संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया जाता है, जबकि सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। अपमान, उपेक्षा, अविश्वास ये मानसिक हिंसा हैं। आवाज़ दबा देने वाली तिरस्कारपूर्ण चुप्पी, आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले ताने ये भावनात्मक हिंसा हैं। आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाना यह वित्तीय हिंसा है और सहमति को महत्व न देना यौनिक हिंसा है। कई बार यह हिंसा सामाजिक रूप ले लेती है, जब महिला को अपनों से अलग कर दिया जाता है या उसे परिवार के बीच ही अपमानित किया जाता है। यह धीमी, भीतर से तोड़ने वाली प्रक्रिया स्त्री के भीतर ऐसी दरारें पैदा कर देती है।

ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए वर्ष 2005 में लागू हुआ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस कानून ने पहली बार स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल मारपीट नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और यौन हिंसा भी है। इसने पीड़िता को संरक्षण आदेश, निवास के अधिकार, भरण-पोषण, मेडिकल सहायता, काउंसलिंग और आवश्यक होने पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी। कई राज्यों में प्रोटेक्शन ऑफिसर, वन-स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन सेवाओं ने हजारों महिलाओं तक पहुंच बनाई है। अनेक मामलों में यह कानून उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक सहारा साबित हुआ है।

कानून अपनी जगह है और समाज अपनी जगह। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम ने जो ढांचा पेश किया, वह जितना आश्वासक है, उसका क्रियान्वयन उतना ही सीमित। प्रोटेक्शन ऑफिसरों की कमी, पुलिस और न्यायिक तंत्र की सुस्ती और पितृसत्तात्मक रवैये ने इस कानून की प्रभावशीलता को बाधित किया है। कई महिलाएं शिकायत तक दर्ज नहीं कर पातीं और जो करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है, इसलिए कानून ने रास्ता तो खोला है, पर उस रास्ते पर चलने के लिए अभी भी साहस से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में लगभग 84 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में कभी न कभी शारीरिक या यौन हिंसा का शिकार हो चुकी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

सूपा देउराली नेपाल के सुदूर पहाड़ी पर स्थित देवी भगवती के एक रूप का मंदिर है, जहां नेपाल के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। भारत के यूपी, बिहार, भूटान से भी हजारों श्रद्धालु जाते रहते हैं। सूपा देउराली की ख्याति नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में तो है ही, साथ ही इसकी पहचान प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी है। सूपा देउराली देवी स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर नरपानी नामक एक पहाड़ी स्थल जहां के रिसोर्ट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भारतीय टूरिस्टों की भीड़ सदैव रहती है। यह स्थल नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश के अर्घाखांची जिले के संधिखर्क नगरपालिका में स्थित है।

विनम्रता का जीवंत प्रतीक

सूपा देउराली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और विनम्रता का जीवंत प्रतीक है। यह स्थान हमें यह सिखाता है कि विश्वास और नम्रता में ही शक्ति निहित है। अर्घाखांची की यह पवित्र धरा आज भी भक्तों के लिए आस्था का दीप प्रज्ज्वलित किए हुए है, जहां हर कदम पर भक्ति की सुगंध और देवी की कृपा की अनुभूति होती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

सुपा देउराली मंदिर श्रद्धा, विश्वास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है । यहां तक पहुंचने के लिए नेपाल के अंदर अर्घाखांची वाया बुटवल आना होता है, जबकि भारतीय सीमा के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा आदि से होकर आना होता है। बढ़नी, खुनुवा से इसकी दूरी 75 से 100 किमी की है, जबकि ककरहवा से यह दूरी थोड़ी बढ़ जाती है। साधन की जहां तक बात है, तो यदि अपने साधन से हैं, तो प्रतिदिन के हिसाब से भारतीय मुद्रा में 350 रुपये खर्चा आता है और यदि आप नेपाली साधन से जाना चाहें तो दांग, नेपालगंज से अर्घाखांची जाने नेपाली बस या बिंगर हमेशा उपलब्ध है।

सूपा देउराली मंदिर

आस्था, चमत्कार और सौंदर्य का संगम

उत्पत्ति और पौराणिकता

कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह इलाका केवल जंगल और पहाड़ियों से घिरा एक निर्जन स्थान था। एक दिन एक ग्वाला अपनी गायें चराते हुए यहां आया और देखा कि अपने आप एक पत्थर से दूध बह रहा है। वह हैरान होकर गांव लौट गया और सबको इस बात की जानकारी दी। ग्रामीण लोग ने वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना आरंभ कर दी। धीरे-धीरे वहीं से देवी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उस स्थान को सूपा देउराली नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय भाषा में 'सूपा' का अर्थ 'उच्च' या 'शानदार' और 'देउराली' का अर्थ 'पहाड़ी दर्रा' या 'विश्राम स्थल' होता है। यानी 'ऊंचे पहाड़ी पर विराजमान देवी का मंदिर।' इस मंदिर पर आकर पूजा-अर्चना करने से यूं तो तमाम प्रकार की मन्नतें पूरी होती हैं, लेकिन कहते हैं कि कुमारी लड़कियां सुंदर व खुशहाल वर के लिए यहां आकर पूजा अर्चना करती हैं।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

प्राकृतिक सौंदर्य

मंदिर के चारों ओर हरियाली, पर्वत श्रृंखलाएं और दूर-दूर तक फैले हिमालय के दृश्य इस स्थल को अद्भुत बनाते हैं। सुबह के समय धुंध से घिरी पहाड़ियों के बीच से उगता सूरज और मंदिर की घंटियों की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।

विनम्रता का संदेश

स्थानीय लोककथाओं में एक चमत्कारिक घटना आज भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले एक नेपाली जवान, जो ब्रिटिश सेना में सेवा कर चुका था, छुट्टी लेकर अपने गांव लौट रहा था। गर्व से भरा हुआ वह जब सूपा देउराली के पास पहुंचा, तो गांव वालों ने उसे देवी के दर्शन करने की सलाह दी, लेकिन घमंडी सेना का जवान हंसकर बोला, "मैं सैनिक हूं, मेरा कोई देवी-देवता क्या कर सकते हैं?" फिर वह मंदिर के पास जाकर उपहास पूर्वक एक पत्थर पर पैर रखकर कुछ व्यंग्य भरे शब्द बोला। तभी अचानक उसका शरीर उसी पत्थर से चिपक गया। गांव वाले भयभीत हो उठे और पुजारी को बुलाया गया। पुजारी ने देवी से क्षमायाचना करते हुए पूजा की और घंटों की प्रार्थना के बाद ही वह जवान पत्थर से अलग हो सका। वह रोते हुए देवी के चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगते हुए अपनी भूल का पश्चाताप किया। आज भी उस स्थान को "सैनिक टासेको ढुंगा" यानी "जहां सैनिक चिपक गया था" कहा जाता है। वहां भी आने वाले श्रद्धालु फूल, धूप और दीप अर्पित कर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बोधकथा

पिंकी का स्वाभिमान

पिंकी एक छोटे से कस्बे के साधारण परिवार की लड़की थी। उसके पिता सिलाई का काम करते थे और माता एक निजी स्कूल में सहायिका थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी, किंतु पिंकी आत्मसम्मान की भावना से पूर्णतया समृद्ध थी। उसे अपने परिवार की ईमानदारी पर गर्व था और अपनी मेहनत की बदौलत आगे बढ़ने का विश्वास भी। पिंकी पढ़ाई में होशियार थी और उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास झलकता था। स्कूल की प्रतियोगिताओं में वह अक्सर भाग लिया करती थी, चाहे संसाधन कम हों या सुविधाएं। कई बार उसके सहपाठी उसकी साधारण वेशभूषा का मज़ाक भी उड़ाते थे। वे कहते, "देखो, पिंकी फिर वही पुरानी फ्रॉक पहनकर आ गई। इसको तो स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए।" पिंकी इन बातों को मन में रखती जरूर थी, पर टूटती नहीं थी। उसे मालूम था कि मनुष्य का मूल्य चमकते कपड़ों से नहीं, बल्कि उज्ज्वल विचारों से तय होता है।

एक दिन स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता की घोषणा हुई। विषय था-"स्वाभिमान ही वास्तविक संपत्ति है।" पिंकी के मन में तो जैसे कोई दीपक जल उठा। उसने निश्चय कर लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह इस प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेगी, लेकिन समस्याएं यहीं से शुरू हो गईं। प्रतियोगिता के दिन उसके पिता को काम पर जाना था और माता स्कूल से देर से लौटती थीं। पिंकी को स्वयं तैयारी करनी थी। उसके पास नया पहनने को कुछ नहीं था, जबकि बाकी छात्र-छात्राएं मंच पर जाने के लिए नए कपड़े सिलवा रहे थे। जब वह फ़ॉर्म भरकर कक्षा में लौटी, तो कुछ लड़कियों ने व्यंग्य से कहा, "पिंकी, मंच पर जाने के लिए नए कपड़े नहीं होंगे तो सब मज़ाक समझेंगे! छोड़ दे, तुझे क्या ज़रूरत है?"

पिंकी के भीतर उस क्षण हल्की-सी टीस उठी, लेकिन उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मंच पर कपड़े नहीं, आत्मविश्वास चमकता है। मैं भाग लूंगी।" शाम को जब पिंकी घर पहुंची, तो उसने पिता को बताया कि वह प्रतियोगिता में भाग लेने वाली है। पिता ने मुस्कराते हुए कहा, "बिटिया, नए कपड़े तो इस बार नहीं दिला पाए, परंतु हमारा आशीर्वाद तेरे साथ है।" पिंकी ने सिर हिलाया और कहा, "मुझे बस इसी की आवश्यकता है, पिताजी।"

अगले दो दिन वह पूरी लगन से अपने भाषण की तैयारी करती रही। भाषण की हर पंक्ति में उसने अपने जीवन के अनुभवों को गूंथ दिया। कैसे स्वाभिमान किसी भी कठिनाई में मनुष्य का सहारा बनता है, कैसे आत्मसम्मान के बल पर मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी टिककर खड़ा रहता है, यह सब कुछ उसके भाषण में झलक रहा था।

प्रतियोगिता का दिन आया। स्कूल पहुंचते ही पिंकी की अभिन्न मित्र रेखा ने अपनी महंगी पोशाक उसे देते हुए कहा,"पिंकी, आज तुम इसे पहनकर मंच पर जाओगी। मैं नहीं चाहती कि कोई तुम्हारा ज़रा भी मज़ाक बनाए।" लेकिन पिंकी के स्वाभिमान ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। पिंकी बोली,"रेखा, मैं तेरी भावनाएं समझती हूं, लेकिन अगर आज मैंने तुम्हारी बात मान ली, तो मेरे भीतर से मेरी स्वाभिमान की दौलत खत्म हो जाएगी।" पिंकी ने अपनी साफ-सुथरी मगर पुरानी फ्रॉक ही पहनी और बालों को साधारण तरीके से बांध लिया। उसके कुछ सहपाठियों ने हंसकर कहा, "इस रूप में भी कोई मंच पर जाता है?" लेकिन पिंकी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गई। उसके कदम भले हल्के थे, पर मन भीतर से दृढ़ था। जब मंच पर उसका नाम पुकारा गया, तो सभागार शांत हो गया। पिंकी ने माइक पकड़ा और बोलना शुरू किया, "स्वाभिमान वह शक्ति है, जो किसी भी व्यक्ति को झुकने नहीं देती।गरीबी हो या कठिनाई, यदि मन में आत्मसम्मान है तो मनुष्य हर बाधा पर विजय पा सकता है" उसके शब्दों ने मानो पूरे सभागार पर जादू कर दिया हो। पिंकी के शब्दों में सच्चाई थी, अनुभव था और संघर्ष की चमक भी। उसके भाषण ने यह संदेश दे दिया था कि इंसान की असली सजावट उसके मूल्यों में होती है, न कि महंगे वस्त्रों में। भाषण समाप्त होते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

वह पल पिंकी कभी नहीं भूल पाई, जबकि अनगिनत लोग सिर्फ उसकी बातों के लिए, उसके साहस के लिए और उसके स्वाभिमान के लिए ताली बजा रहे थे। जब परिणाम घोषित हुए, तो पिंकी प्रथम स्थान पर रही। प्रिंसिपल ने ट्रॉफी देते हुए कहा, "पिंकी, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि सफलता दिखावे की नहीं, विश्वास की मोहताज होती है।" मंच से उतरते हुए पिंकी के वही सहपाठी, जो उसके कपड़ों पर हंसते थे, आज सर नीचा किए खड़े थे। घर लौटकर पिंकी ने ट्रॉफी पिता की गोद में रख दी और कहा, "पिताजी, आज मैंने जो जीता है, वह आपसे मिली हुई सीख की वजह से। उसके पिता की आंखें भर आईं। उन्होंने पिंकी को हृदय से लगा लिया।

प्रेरणा अवस्थी, लखीमपुर खीरी

पौराणिक कथा

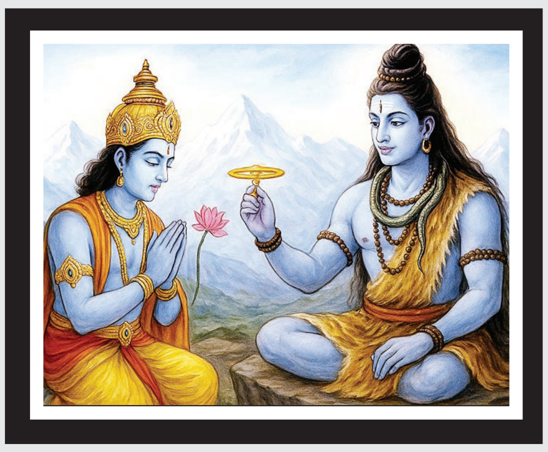

सुदर्शन चक्र की उत्पत्ति

एक समय ऐसा आया जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। उनके आतंक से न केवल मनुष्य त्रस्त थे, बल्कि देवताओं के लिए भी धार्मिक कार्य करना कठिन हो गया था। राक्षसों का उद्देश्य केवल पृथ्वी को ही नहीं, बल्कि स्वर्गलोक को भी अपने अधीन करना था। देवराज इंद्र चिंतित थे, राक्षसों की शक्ति प्रतिदिन बढ़ रही थी और देवताओं का सामर्थ्य उनके सामने क्षीण पड़ रहा था। अंततः स्वर्ग के सभी देवगण इंद्र के नेतृत्व में भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और व्याकुल स्वर में बोले- "हे नारायण, राक्षसों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कृपा कर हमें इस संकट से मुक्ति दें।" भगवान विष्णु देवताओं की व्यथा सुनकर गंभीर हुए। वे जानते थे कि इस विनाशकारी स्थिति का समाधान स्वयं वे नहीं, बल्कि भगवान शिव कर सकते हैं। विष्णुजी शिवजी को अपना आराध्य मानते थे और शिवजी विष्णुजी को अपना इष्ट। इसलिए देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं पर जाकर भगवान शिव की तपस्या करने का निश्चय किया।

विष्णुजी ने शिव के सहस्त्र नामों का जाप आरंभ किया। उनका संकल्प था कि प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित करेंगे। तप की अग्नि में लीन होकर वे निरंतर एक-एक नाम का उच्चारण करते और कमल अर्पित करते गए। इस अद्भुत भक्ति को देखकर भगवान शिव ने मन ही मन सोचा-"क्यों न आज मैं अपने आराध्य की भक्ति की परीक्षा लूं?" यही सोचकर शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक कमल का फूल अदृश्य कर दिया।

तप में लीन भगवान विष्णु को इसका आभास तक न हुआ। जब सहस्त्र नामों के अंतिम नाम का उच्चारण करने का समय आया, तब उन्होंने देखा कि कमल एक कम है। यदि कमल चढ़ाया नहीं गया, तो उनका संकल्प भी अधूरा रह जाएगा और तपस्या भंग हो जाएगी। परंतु भगवान विष्णु का मन तनिक भी विचलित न हुआ। विष्णुजी कमल नयन कहलाते हैं, इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि कमल के स्थान पर वे अपनी आंख अर्पित करेंगे। बिना किसी संकोच के अपनी एक आंख भगवान शिव को समर्पित कर दी।

विष्णुजी की इस निष्ठा और त्याग को देखकर भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और तुरंत प्रकट होकर बोले- "हे विष्णु, तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मांगो, क्या वर चाहते हो?" विष्णुजी ने विनम्र होकर कहा- "प्रभो, राक्षसों के अत्याचार से देवता और मनुष्य सभी कष्ट में हैं। उनका अंत करने हेतु आप ही अजेय शस्त्र दे सकते हैं। वही वर प्रदान कीजिए।" भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए अपने परम दिव्य और अजेय शस्त्र सुदर्शन चक्र विष्णुजी को अर्पित किया। इस चक्र की शक्ति से भगवान विष्णु ने समस्त राक्षसों का संहार कर संसार को पुनः धर्म और शांति के मार्ग पर स्थापित किया। **–फीचर डेस्क**

किचन का गलत वास्तु बढ़ा सकता है मेडिकल बिल!

किचन में अगर आग, पानी और दिशाओं का संतुलन बिगड़ा हो तो सबसे ज्यादा असर पाचन शक्ति, ब्लड प्रेशर, तनाव, हार्मोनल और स्त्री-रोगों पर देखा जाता है। आसान उपायों से बिना तोड़-फोड़ के भी किचन के वास्तु को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है। जिससे आप और आपका परिवार खुशहाल जीवन बिता सकता है।

कौन सी बीमारियां संभव हैं

- अगर किचन उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में हो तो गैस, एसिडिटी, कब्ज, पाचन गड़बड़ी, मानसिक तनाव और चिंता जैसे रोग बढ़ सकते हैं, क्योंकि यहां जल तत्त्व पर अग्नि हावी हो जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में किचन होने पर घर के पुरुषों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, दुर्घटना, क्रॉनिक स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ने की संभावना मानी जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम किचन या आग तत्त्व की गड़बड़ी से घर की महिलाओं को पैरों में दर्द, कमजोरी और स्त्री-रोग, हार्मोनल इंबैलेंस की दिक्कतें भी बताई गई हैं।
- किचन में रंग और ऊर्जा गलत हों (जैसे बहुत गहरा लाल या नीला/जल तत्त्व वाले रंग) तो सिरदर्द, माइग्रेन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

क्या है आदर्श वास्तु

- किचन की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोन) मानी जाती है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम दिशा ठीक रहती है।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

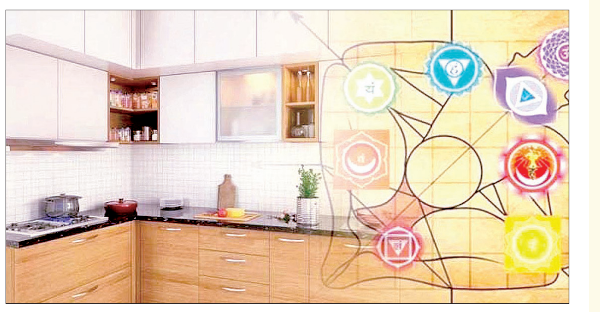

- गैस-चूल्हा या कुकटॉप दक्षिण-पूर्व कोने में हो और खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो तो स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों के लिए अच्छा रहता है।
- सिंक, वॉश-बेसिन, ड्रेनेज आदि उत्तर या उत्तर-पूर्व साइड में रखें, ताकि पानी और आग तत्त्व आपस में टकराएं नहीं।

आसान घरेलू उपाय

- जहां पर भी चूल्हा लगा है, उस ज़ोन को साफ-सुथरा रखें, रोज़ दीया या छोटी लौ जलाकर 2-3 मिनट मंत्र/प्रार्थना करें, इससे अग्नि तत्त्व संतुलित होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।
- अगर किचन उत्तर-पूर्व में है, तो वहां हमेशा सफाई रखें, हल्के पीले/क्रीम रंग का पेंट या स्टिकर लगाएं, आग के ठीक आसपास लाल रंग कम से कम रखें, और उस कोने में ज्यादा भारी सामान न रखें।
- दक्षिण-पश्चिम किचन होने पर उस कोने में भारी स्टोरेज (अनाज, डिब्बे) रखें, खूब अर्थी टोन (ब्राउन, बेज) के रंग प्रयोग करें और रोज़ मोटा सेंधा नमक छोटे कटोरे में रखकर बदलते रहें, इससे तनाव और विवाद की ऊर्जा कम होती मानी जाती है।
- किचन में पीला, हल्का नारंगी, ब्राउन जैसे गर्म लेकिन सॉफ्ट रंग दीवारों/टाइल्स/कर्टेन में रखें, नीला/डार्क ब्लू और काला रंग कम से कम रखें, खासकर गैस के पीछे या आसपास।

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिप्स

- किचन हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें, एग्ज़ॉस्ट या चिमनी से धुआं और गर्मी बाहर निकलने दें, इससे सांस और सिरदर्द से जुड़ी दिक्कतें भी घटती हैं।
- अनाज, दाल, तेल आदि के भारी डिब्बे दक्षिण या पश्चिम साइड रखें, उत्तर-पूर्व में भारी स्टोरेज से बचें, इससे स्वास्थ्य और समृद्धि दोनों बेहतर मानी जाती हैं।
- रात को सोने से पहले किचन साफ करके गैस-स्टोव पोंछें, गंदे बर्तन न छोड़ें और एक छोटी कटोरी में थोड़ा पानी और या तो कपूर/लौंग/इलायची जला कर सुगंध फैलाएं, इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

- अगर किचन में कोई कोना डेड या बहुत बंद है, वहां हल्का क्वाट्र्ज/मेटल पिरामिड या छोटा फव्वारा/पौधा रखने से रुकी हुई ऊर्जा को चलायमान करने में मदद मिलती है (कॉमर्शियल पिरामिड भी बहुत लोग इसी उद्देश्य से लगाते हैं)।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फ़ॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1200, बासमती- 5900, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 4300, साबुत चना दाल- 3400, मूंग साबुत- 4600, राजमा- 9000-12100, दाल उड़द-7200, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5400, काबुली चना- 9400, अरहर दाल-10300, लोबिया/करमानी- 2200

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

दो सत्रों की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेज गिरावट, निफ्टी भी 26 हजार के नीचे पहुंची

- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बढ़ा दबाव
- फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले निवेशकों ने अपनाया सतर्क रुख

मुंबई, एजेंसी

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई।

बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। एक समय यह 294.2 अंक टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। जापानी बॉण्ड प्रतिफल के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, जिससे येन कैरी ट्रेड के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।

मिड व स्मॉलकैप सहित सभी सेक्टरों में गिरावट

मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.73 और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट रही जबकि 950 शेयरों में तेजी रही और 187 अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में 3.70, रियल्टी में 3.50, पूंजीगत वस्तुओं में 2.83, दूरसंचार में 2.53, औद्योगिकी वस्तुओं में 2.21, उपयोगिताओं में 2.10, धातु में 1.96 और बिजली में 1.84 प्रतिशत की गिरावट रही।

विदेशी बाजारों में दिखी तेजी

एशिया के अन्य बाजारों में द. कोरिया का कॉस्पी 1.34 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत और जापान का निक्की 0.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

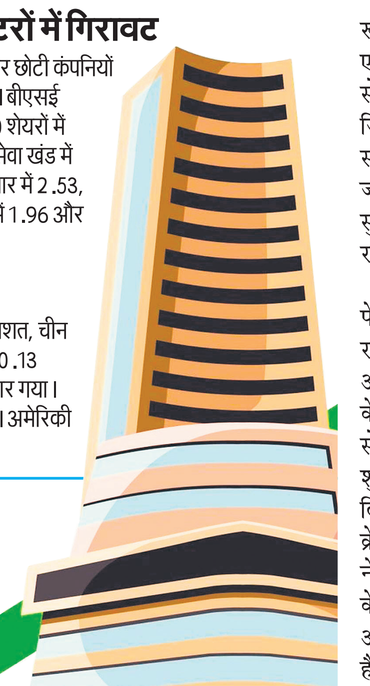

भारत अपने स्त्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

मॉस्को, एजेंसी

- रूस ने भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर रहेगा कायम

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा। वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो के लिए नकारात्मक, वित्तीय नुकसान भी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मूडीज रेटिंग एजेंसी बोली- एक साल से तय नियमों का सही से नहीं कर सकी पालन

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है। यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई।

इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। मूडीज ने कहा कि ये व्यवधान साख के लिए नकारात्मक हैं, क्योंकि इंडिगो को राजस्व हानि, उड़ान रद्दीकरण, रिफंड और प्रभावित यात्रियों को अन्य क्षतिपूर्ति के साथ ही डीजीसीए द्वारा लगाए जा सकने वाले जुर्मानों के कारण महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मूडीज ने योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में एयरलाइन की महत्वपूर्ण चूक को इसका प्रमुख कारण बताया क्योंकि ये नियम उद्योग को एक साल से अधिक पहले बताए गए थे।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर 8% लुढ़का

- एक्सचेंज ने विमान सेवा कंपनी को कारण बताओ नोटिस किया जारी

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिंक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शेयर बाजार ने इस खबर पर एयरलाइंस से जवाब मांगा है। इस बीच, बीएसई में इंडिगो का शेयर आज 444.75 रुपये (8.28 प्रतिशत) गिरकर 4,926.55 रुपये रह गया। कंपनी के शेयर में इस महीने 16.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। नवंबर के अंतिम कारोबारी दिवस पर एयरलाइंस का शेयर 5902.70 रुपये पर बंद हुआ था। इस प्रकार, यह 976.15 रुपये टूट चुका है।

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोर्ड ने कहा- वित्तीय स्थिरता, जोखिम प्रबंधन तथा व्यापार को आसान बनाने को नए नियम
- नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को किया अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है। बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

वंदे मातरम् से अन्याय, तुष्टीकरण की हुई थी शुरुआत

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले- राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को समान दर्जा देना था, लेकिन वंदे मातरम् को खंडित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदे मातरम्' के साथ हुआ 'अन्याय' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरुआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया। लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

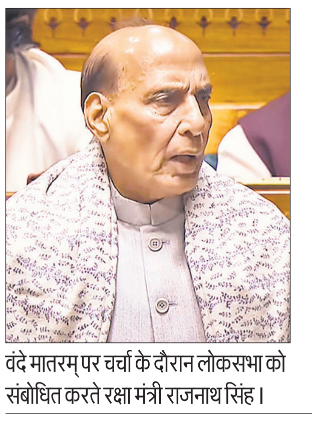

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान लोकसभा को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को 'खंडित' किया गया। सिंह ने कहा कि वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना समय की मांग और नैतिकता का तकाजा है। हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए। सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् और बंकिमचंद्र चटर्जी की पुस्तक 'आनंद मठ' कभी भी इस्लाम के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि आज पश्चिम बंगाल से बहुत से परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है और ऐसा तृणमूल कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठियों को शरण देने की राजनीति के कारण हुआ है।

बीच में टोके जाने पर भड़के रक्षामंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में अपने वक्तव्य के दौरान किसी विपक्षी सदस्य के बीच में टोकने पर सख्त नाराजगी जताई। राजनाथ सिंह वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए बोल रहे थे, तभी विपक्ष के किसी सदस्य ने टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि संसद में कोई चाहे जो बोले, सच बोले, सत्य से थोड़ा परे भी बोले, लेकिन शोर-शराबा नहीं मचाना चाहिए।

वंदे मातरम् से हमें एनर्जी, कांग्रेस को एलर्जी : अनुराग

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम से हमें एनर्जी मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे एलर्जी होती है। लोकसभा में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला। ठाकुर ने कहा कि अभी गलियारों में चर्चा थी कि पांच दिन से प्रियंका तैयारी कर रही हैं और वंदे मातरम् सुनाएंगी। उन्होंने इतने महापाप किए हैं कि प्रायश्चित का समय आ गया है।

वंदे मातरम् की ऊर्जा आज भी उतनी ही, जितनी स्वतंत्रता संग्राम में थी : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वंदे मातरम् की ऊर्जा आज भी उतनी ही प्रखर है, जितनी स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में थी। उन्होंने सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत से पहले यह टिप्पणी की। बिरला ने कहा कि आज हम वंदे मातरम् की 150 वर्षीय गौरव-यात्रा का स्मरण कर रहे हैं। एक ऐसी अमर ध्वनि, जिसकी प्रत्येक पंक्ति में भारत की प्रकृति, मातृत्व, सौंदर्य और शक्ति का अद्भुत समन्वय धड़कता है। इस गीत ने भारतीयों में स्वतंत्रता का स्वप्न देखने का साहस जगाया और असंख्य वीरों ने यातनाओं और फांसी के तख्तों पर चढ़ते हुए भी वंदे मातरम् का उद्घोष कर मातृभूमि के चरणों में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

उम्मीद पर 5.17 लाख वक्फ संपत्ती पंजीकरण 2.16 लाख मंजूरी

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को तैयार किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5.17 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से छह महीने की समय सीमा के दौरान 2,16,905 संपत्तियों को नामित अनुमोदकों द्वारा मंजूरी दे दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने छह जून 2025 को इस केंद्रीय पोर्टल की शुरुआत की थी और वक्फ अधिनियम, 1995 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संपत्तियों का विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा छह दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि अंतिम समय सीमा नजदीक आते ही पंजीकरण की गति में काफी तेजी आई। आंकड़ों के अनुसार, 5,17,040 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण शुरू हुआ, जिनमें से 2,16,905 को मंजूरी मिली। इसके अतिरिक्त 2,13,941 संपत्तियां अंतिम अनुमोदन के लिए लंबित हैं।

बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार विधानसभा चुनाव में मिली जीत पर राजग सांसदों से प्रधानमंत्री ने कहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत के बाद लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को उस समय यह संदेश दिया, जब राजग सांसद मोदी को बिहार चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत की बधाई देने के लिए दिल्ली आए थे। बैठक के बाद शांभवी ने कहा कि हमने बिहार में शानदार नेतृत्व और प्रचार अभियान के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी तथा उनका आभार जताया, जिसके कारण हमारे चुनाव अभियान को मजबूत गति मिली थी। प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

शांभवी ने बताया कि मोदी ने सांसदों से बिहार के लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया, क्योंकि सभी के लिए समावेशी विकास राजग की स्पष्ट प्राथमिकता है, फिर चाहे वे किसी भी वर्ग के हों। शांभवी के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि वे नकारात्मकता, घृणा और झूठ के बजाय प्रगति पर ध्यान केंद्रित करें। मोदी ने बिहार के राजग सांसदों को याद दिलाया कि उनका असली काम चुनाव के बाद शुरू होता है।

आतिथ्य कंपनी की दो संपत्तियां की गई सील

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

पणजी, एजेंसी

गोवा में नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने रोमियो लेन कंपनी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गोवा में इस आतिथ्य कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है।

संपत्ति के प्रवर्तकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। गोवा की अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी गोवा जिला प्रशासन ने 'रोमियो लेन' श्रृंखला के वागातोर स्थित एक बीच कैफे और आसगांव स्थित एक अन्य क्लब को भी सील कर दिया है।

गौरव-सौरभ के दिल्ली स्थित घर पहुंची पुलिस, नहीं मिले

नई दिल्ली। गोवा पुलिस की टीम सोमवार को बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब की घटना की जांच में नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव और सौरभ लूथरा के दिल्ली विवि के पास स्थित आवास पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस के पहुंचने पर मुख्य आरोपियों में शामिल लूथरा बंधु हडसन लेन स्थित अपने आवास पर नहीं पाए गए। टीम ने गौरव और सौरभ के वर्तमान ठिकाने का पता लगाने के लिए लूथरा परिवार से पूछताछ की और उनकी गतिविधियों, संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी मांगी।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

पणजी। गोवा सरकार ने अरपोरा स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब की घटना की जांच करने के लिए सोमवार को मजिस्ट्रेट जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की। अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी अंकित यादव की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। समिति के सदस्यों में दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा, फोरेंसिक विज्ञान निदेशक आशुतोष आप्टे और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक राजेंद्र हलर्नकर शामिल हैं।

बार काउंसिल चुनावों में 30% सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्यों को दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़े कदम के तहत सोमवार को कहा कि जिन राज्यों की बार काउंसिलों में चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुये हैं, उनमें 30 प्रतिशत सीटें महिला वकीलों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के लिए 20% सीटें चुनी हुई महिला सदस्यों द्वारा भरी जाएंगी और 10% सह विकल्प से भरी जायेंगी।

न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में महिला उम्मीदवारों की संख्या कम है, वहां सह विकल्प का प्रस्ताव उसके सामने रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन छह राज्य बार काउंसिल में कोई आरक्षण लागू नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। ये राज्य आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ हैं। इसके बावजूद, पीठ ने इन राज्यों के अधिवक्ता मतदाताओं से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को उनके वोटों के माध्यम से पर्याप्त और सार्थक प्रतिनिधित्व मिले। न्यायालय ने कानूनी पेशे में महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

वांगचुक ने वीसी से पेश होने की मांगी अनुमति, केंद्र का विरोध

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल उस अर्जी का विरोध किया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उनकी हिरासत से संबंधित मामले में जोधपुर जेल से वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिये पेश होने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि कार्यकर्ता जेल से वीसी से जुड़ना चाहते हैं और इसकी अनुमति मांगी है।

निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सिद्दरमैया से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से 2023 के चुनावों में वरुणा विस क्षेत्र से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा। इस क्षेत्र का मतदाता होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में पांच गारंटियों का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि सिद्दरमैया जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने के. शंकर नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सिद्दरमैया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

इंडिगो से जुडी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जकार्ता में लुप्तप्राय जायंट पांडा के शावक ने लिया जन्म

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत के वन्य जीव संरक्षण केंद्र तमन सफारी इंडोनेशिया (टीएसआई) में एक विशाल पांडा शावक ने जन्म लिया है। यह घटना देश के लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के प्रयासों में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। टीएसआई के सोमवार के बयान के अनुसार, इस शावक को 27 नवंबर को मादा पांडा हचुन ने जन्म दिया। हचुन उन दो विशाल पांडाओं में से एक है जिन्हें चीन के साथ 10 साल के संरक्षण सहयोग कार्यक्रम के तहत 2017 में इंडोनेशिया भेजा गया था। टीएसआई ने कहा कि यह जन्म उसकी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रजनन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसमें चीन के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला है। शावक की हालत स्थिर है और उसे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पैरिस के लूव्र म्यूजियम की लाइब्रेरी में घुसा पानी 400 किताबें भीगीं

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित सुप्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में पानी भर जाने मिस्र विद्या या मिस्रविज्ञान (इजिप्टोलॉजी) लाइब्रेरी की सैकड़ों किताबें खराब हो गई हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने रविवार को संग्रहालय के उप प्रबंधक फ्रांसिस स्टेनबॉक के हवाले से बताया कि 26 नवंबर को हुई इस घटना से 300 से 400 किताबें प्रभावित हुईं। इनमें मिस्र की पढ़ाई से संबंधित पत्रिकाएं और वैज्ञानिक प्रलेखन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल शोधकर्ता नियमित रूप से करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक कलाकृति या चीज को नुकसान नहीं हुआ है और कोई भी ऐसा नुकसान नहीं हुआ है जिसे ठीक न किया जा सके।

म्यामांर में 1178 चीनी साइबर अपराधियों को वापस भेजा गया

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1,178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि एक दिसंबर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवंबर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के बीच मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने आपसी सहयोग से सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन न करने का अधिकार

न्यूयार्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इन्कार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट की ओर से मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनका अनुरोध अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

आजादी के गीत पर राजनीतिक संग्राम

वंदे मातरम् पर विवाद

बंकिम चंद्र चटर्जी लिखित गीत वंदेमातरम् जो कभी आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार बना था, आजाद भारत में अब उसी गीत पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। यह विवाद इसलिए शुरू हुआ है क्योंकि इस गीत के 150 साल पूरे होने पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की गई है और सत्ता पक्ष और विपक्ष ने 1937 में गीत के कुछ महत्वपूर्ण अंशों को हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। इस सियासी विवाद की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इस पर चर्चा की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। विपक्ष भी इस पर कम आक्रामक नहीं है। वह उन ऐतिहासिक विशेषज्ञों का हवाला दे रहा है जिनके अनुसार 1937 में वंदे मातरम् के कुछ छंदों को हटाने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन में समावेशिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था।

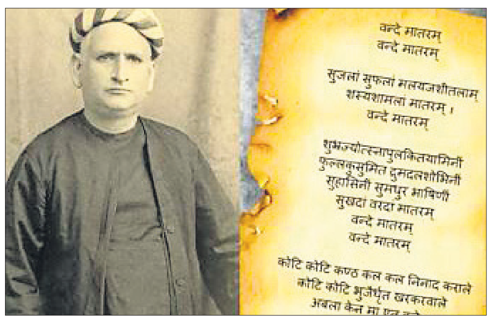

सत्तापक्ष के आरोप

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया, जिससे गीत की मूल भावना कमजोर हुई।
- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि छंदों को हटाने का यह निर्णय तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा था और इसी मानसिकता ने 1947 में देश के विभाजन के बीज बोए।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रिटिशों की फूट डालो और राज करो की नीति सांप्रदायिक आपत्ति के पीछे थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया।

विपक्ष का जवाब

- कांग्रेस ने कहा, यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष नेताओं की सलाह पर लिया गया था, ताकि इसे एक साझा राष्ट्रीय गीत बनाया जा सके।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी और असमानता से ध्यान भटकाने के लिए इस बहस को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा है, भाजपा-आरएसएस ने अपने कार्यक्रमों में कभी वंदे मातरम या राष्ट्रगान नहीं गाया है, कांग्रेस ही हमेशा से इसकी ध्वजवाहक रही है।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

- मद्रास हाईकोर्ट ने जुलाई 2017 में एक महत्वपूर्ण फैसले में तमिलनाडु के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया था।
- अदालत का आदेश था सभी सरकारी-निजी स्कूलों में सप्ताह में कम से कम एक बार वंदे मातरम् गाया जाना अनिवार्य होना चाहिए।
- अदालत ने छात्रों को विवेक की स्वतंत्रता दी। कहा, यदि कोई गीत गाने में सहज महसूस नहीं करता है तो उसे बाध्य नहीं किया जाए।
- बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वंदेमातरम् को अनिवार्य करने के आदेश पर रोक लगा दी और कहा- किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता है।

क्या कहता है इतिहास

- मूल गीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ थे। मुस्लिम लीग ने इन्हें इस्लाम के एकेश्वरवाद के खिलाफ बताकर आपत्ति की थी।
- गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि स्वतंत्रता का आंदोलन समावेशी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र बनाए रखे।
- टैगोर ने सुझाव दिया कि आपत्तिजनक संदर्भ से पहले दो छंद राष्ट्रीय समारोहों में गाने चाहिए जिनमें जिनमें मातृभूमि की सुंदरता का वर्णन है।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 29 अक्टूबर, 1937 को खुला निर्णय लिया कि पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह भी संज्ञान लिया गया था कि वंदेमातरम् के पहले दो छंद ही सबसे अधिक लोकप्रिय थे बाकी छंद आम तौर पर कम उपयोग किए जाते थे।

संविधान सभा की घोषणा

- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को वंदे मातरम् को भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व के कारण राष्ट्रीय गान के समान दर्जा मिले।

भारत की अपने नागरिकों से अपील चीन यात्रा में समझदारी से काम लें

अरुणाचल की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के बाद परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी दूसरे गंतव्य पर जाने के लिए चीन से गुजरते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। और समझदारी से काम लें। नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान इस महिला के भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इन्कार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा। जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जायसवाल ने कहा, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें।

18 घंटे हिरासत में रखा था पेम वांग थोंगडोक को

पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक महिला यात्री पेम वांग थोंगडोक को चीन से गुजरने के दौरान शंघाई हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटों तक हिरासत में रखा गया था। उन्हें तब तक वहीं रखा गया जब तक भारतीय अधिकारी मामले को सुलझाने और उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद चीन के साथ भारत के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

- उम्मीद जताई भारतीय नागरिकों को परेशान नहीं करेगा चीन

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दोहराया, अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि शंघाई हवाई अड्डे पर हाल ही में हुई घटना के बाद उभरी चिंताओं से हम पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह भरोसा देंगे कि चीन के एयरपोर्ट से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीन सम्मान करेगा।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद चीन का त्रिपक्षीय सहयोग पर जोर

- कहा- तीनों देशों रिश्ते साझा हितों के अनुरूप

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

तनाव बढ़ा, थाईलैंड ने कंबोडिया सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

बैंकॉक, एजेंसी

- दांव पर लगा ट्रंप की मध्यस्थता में हुआ संघर्ष विराम, सीमाई इलाकों से 50,000 लोग विस्थापित

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी। यह संघर्ष विराम समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अक्टूबर में कराया गया था लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां अन्यत्रचले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।

रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

नाइजीरिया की मदद से नाकाम हुई बेनिन में तख्तापलट की कोशिश

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके।

इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा में फिलिस्तीनी लड़की की हत्या की

गाजा। दक्षिणी गाजा के राफा के मवासी इलाके में रविवार को इजरायली सेना ने गोलीबारी कर एक फिलिस्तीनी लड़की की हत्या करदी। एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि लड़की को मवासी में इजराइली सेना के तैनाती क्षेत्रों के बाहर गोली लगी। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि दक्षिणी गाजा में सैनिकों ने एक आतंकवादी की पहचान की, जो पीली रेखा पार कर सैनिकों के पास आया था और तत्काल खतरा पैदा कर रहा था और उन्होंने आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति का भंडार विनाशकारी शून्य स्तर पर बना हुआ है।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौतियों का दिया गया हवाला

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता, नैनीताल

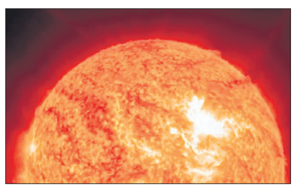

- एक्स क्लास की भयानक 20 सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास

अमृत विचार: जलवायु के लिहाज से पृथ्वी अनेक संकटों से जूझ रही है तो अंतरिक्ष मौसम भी इस वर्ष ऐतिहासिक रहा, जिसने सौर विकिरण की बारिश कर वातावरण को दूषित करने में दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। साथ ही, इस सदी में सूर्य ने एक्स क्लास की 20 ज्वाला का रिकॉर्ड बनाया है।

अंतरिक्ष के मौसम को कमतर नहीं आंका जा सकता है। पृथ्वी का अपना मौसम समुद्री जलधाराओं से प्रभावित होता है तो अंतरिक्ष मौसम सूर्य की ज्वालाओं से प्रभावित होता है जिसमें सर्वाधिक खतरनाक सौर तूफानों को माना जाता है। ये इतने शक्तिशाली होते हैं कि हमारे सैटेलाइट के संचालन को ठप कर सकते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल ग्रिड को ध्वस्त करने की ताकत रखते हैं। इसके अलावा हवाई उड़ानों में बाधा पहुंचा सकते हैं। सौर विस्फोट से निकलने वाले उच्च ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण भी हमारे उच्च आसमानी क्षेत्र में फैल जाता है। जिस कारण 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर यात्रा करने वाली गर्भवती महिला के भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती है।

इस वर्ष नवंबर माह विकिरण को लेकर सर्वाधिक असरकारक रहा। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य में उत्पन्न 11 नवंबर की ज्वाला सर्वाधिक खतरनाक रही। इस ज्वाला से उठे सौर तूफान से विमान बोइंग 320 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। साथ ही, यह तूफान भारी मात्रा में आसमान में करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई में विकिरण फैला गया, जो सामान्य स्तर से दस गुना अधिक था। इस विकिरण का प्रभाव 15 घंटे तक बना रहा, जबकि सामान्यतौर पर छः घंटे से अधिक विकिरण का प्रभाव नहीं रहता है। यह 25वा सौर चक्र है, जो पिछले कई सौर चक्रों की तुलना सर्वाधिक प्रभावशाली रहा है। सौर तूफानों के उठने से कई देशों में रेडियो ब्लैक आउट करना पड़ा और हवाई उड़ानों के सिग्नल्स को भी प्रभावित किया। सूर्य अभी भी सक्रियता के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा आने वाले दिनों में भी सूर्य की सतह पर विस्फोट जारी रहेंगे, उनसे उच्च स्तरीय सौर तूफान उठेंगे और इनसे नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

ऐतिहासिक रहा यह वर्ष : डॉ. वहाबुद्दीन

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह वर्ष अब तक की सबसे तीव्र सौर ज्वाला उत्पन्न करने के अलावा, एक्स-श्रेणी की सर्वाधिक ज्वालाओं का वर्ष रहा, जो पृथ्वी की ओर उच्च गति वाले प्रोटॉन और अन्य ऊर्जावान कणों की एक धारा भी फैला गया। पूर्व में इस तरह की सौर गतिविधि बहुत कम ही देखी गईं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता जारी रहने वाली है, लिहाजा अंतरिक्ष मौसम का खतरा बने रहने की संभावना है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 02 .28 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेषा 10 दिसंबर 02 .22 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं। माता की सलाह आपके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। आदर्शवादी विचारों से आपको बचना चाहिए। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। बच्चों की सफलता पर गर्व का अनुभव करेंगे।

वृष — आज आपका पूरा ध्यान करियर में रहेगा। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नये सहयोगी जुड़ने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ मिलेगा।

मिथुन — आज व्यापार में विस्तार के लिए लोन ले सकते हैं। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आपके मुख-मंडल पर प्रसन्नता के भाव रहेंगे। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपको तनाव से दूर रहने के लिए योग और ध्यान की आवश्यकता है।

कर्क — आज जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और प्रेम भाव में वृद्धि होगी। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। गूढ़ विद्याओं की ओर आपका रूझान बढ़ेगा। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। गलत खबरों को फैलाने से बचें। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी।

सिंह — आज दांपत्य सुख में कमी आयेगी। नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। अपने व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। धन संबंधी चिंता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुरानी कड़वी यादें आपका मन खराब करेंगी।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। मित्रों से आपको काफी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

तुला — आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। कमीशन संबंधी कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। मार्केटिंग संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक — आज पुराने निवेश से आपको धन लाभ मिलेगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — आज आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। शत्रु आपके ऊपर हावी होने का प्रयास करेंगे। रिश्तों को लेकर आप थोड़े भावुक रहेंगे। यात्रा आपको बुरी तरह थका सकती है। ऑनलाइन कारोबारियों को पेमेंट आदि को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहिए।

मकर — आज प्रेमी जन अपने परिवार से विवाह को लेकर सहमति लेना चाहते हैं तो आज दिन शुभ है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको बहुमूल्य उपहार मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव होंगे।

कुंभ — आज निजी रिश्तों को लेकर समस्याओं का समाधान होगा। नया कारोबार शुरू करने में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग कठिन निर्णय ले सकते हैं। रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। जिस कार्य से परिणाम न मिल रहे हों उन्हें फिलहाल छोड़ना ही उचित है।

मीन — आज महत्वपूर्ण लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन से झूठ न बोलें। आपकी दिनचर्या काफी अनुकूल रहने वाली है। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। बुजुर्ग जातकों को सन्तान के करियर की चिन्ता हो सकती है।

सुडोकू -185

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
4								
			7	1				
	5							
				8				
		8						
								5
		3					2	

सुडोकू - 184 का हल

1	8	2	3	4	5	6	9	7
5	3	6	9	7	8	1	4	2
4	9	7	1	6	2	3	8	5
3	5	8	6	9	4	7	2	1
2	4	1	7	8	3	9	5	6
6	7	9	5	2	1	8	3	4
8	1	3	4	5	6	2	7	9
7	6	4	2	3	9	5	1	8
9	2	5	8	1	7	4	6	3

लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया। जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला।

–स्टीव स्मिथ

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

टी-20 सीरीज में जीत से आगाज करना चाहेगा भारत

गिल और हार्दिक की वापसी, विश्व कप की तैयारी की शुरुआत करेंगे मेजबान

शुभमन गिल।

कटक, एजेंसी

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

समय शाम 7:00 बजे से

अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

शुभमन गिल ने जमकर बहाया पसीना

कटक। शुभमन गिल ने दो घंटे तक कड़े अभ्यास के साथ वापसी की जबकि फिट हो चुके हार्दिक पंड्या ने यहां बाराबती स्टेडियम में टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व सोमवार को ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान गिल गर्दन में ऐंठन और 24 दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद वापस आए हैं और वह पूरी तरह से फिट दिखे। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी से पहले क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल से शुरुआत की। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों का सामना किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और यहां तक कि अभिषेक शर्मा भी उन्हें गेंदबाजी की। अभिषेक ने हालांकि बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। मुख्य विकेट के पास मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत के बाद गिल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया और उनके शानदार शॉट बार-बार गैलरी में गए। लोगों को बिना किसी भुगतान के अभ्यास सत्र देखने की इजाजत थी और जब गिल बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तो लगभग पांच हजार प्रशंसक उनकी हौसलाअफजाई कर रहे थे। उन्होंने कुछ मौकों पर शिवम दुबे से भी लंबे शॉट खेले।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यान्सेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

हार्दिक की वापसी से टीम को मिला संतुलन : सूर्यकुमार

कटक। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पांड्या की वापसी से टीम की एशिया कप में सफलता हासिल करने वाली रणनीति और संतुलन बहाल होगा।

भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा लेगी। तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बाएं हाथ के अंगूठे में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढ़ावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा। नयी गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं।

सूर्यकुमार ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिये। उन्होंने कहा वह टीम को विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा। उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को एक अच्छा संतुलन प्रदान करेगी। हार्दिक टीम से एक दिन पहले कटक पहुंच गए थे।

हाईलाइट

दूसरे वनडे में धीमे ओवर-रेट के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

अभिषेक मैच विजेता खिलाड़ी : मार्करम

कटक। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मार्करम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेखौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नयी पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मार्करम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।

लियोन से कोई शिकायत नहीं: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि लियोन को केवल इस मैच के लिए बाहर किया गया।

साई में 1191 पद खाली : खेल मंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को गंभीर रूप से कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था।

दुबई कैपिटल्स की अबूधाबी पर बड़ी जीत

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल की धमाकेदार पारी की मदद से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को 83 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पॉवेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाए जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स (32 गेंदों पर 52 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की जिससे दुबई कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चार विकेट पर 186 रन बनाए। इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : बिहार ने उप्र के खिलाफ किया उलटफेर

कोलकाता, एजेंसी

भारत के टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके जिससे बिहार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां उत्तर प्रदेश को छह विकेट से हरा दिया।

सलामी बल्लेबाज पीयूष सिंह की 54 गेंदों में 57 रनों की पारी के दम पर बिहार ने 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले मंगल महरौर ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश छह विकेट पर 144 रन ही बना सका। मध्यम गति की गेंदबाजी करने वाले महरौर को कप्तान सकीबुल गनी (20 रन पर एक विकेट) और साकिब हुसैन (31 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने अपने-अपने चार ओवरों में एक-एक विकेट लिया।

चंडीगढ़ ने एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से मात दी

हैदराबाद के अमन राव का विकेट लेने के बाद जश्न मनाती चंडीगढ़ की टीम।

कोलकाता : चंडीगढ़ ने अर्जुन आजाद (63) और शिवम भांबरी (42) की शानदार बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले 147 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। जम्मू कश्मीर ने नौ विकेट पर 150 रन बनाने के बाद मध्यप्रदेश की पारी को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 137 रन पर समेट कर 13 रन से जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र ने गोवा को हराया

ग्रुप के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने राहुल त्रिपाठी के 83 रन की शानदार पारी के बाद जलज सक्सेना, तनय सांघवी और विक्की ओस्तवाल के तीन-तीन विकेटों से गोवा को 15 रन से हराया। महाराष्ट्र ने 7 विकेट पर 161 रन बनाने के बाद गोवा को 19.3 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दोहा : निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई। तीस शॉट के फाइनल में जोरावर लय में नहीं दिखे और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले शुरुआती दो निशानेबाजों में शामिल रहे।

रियल मैड्रिड की घरेलू मैदान पर पहली हार

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रविवार को सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया। रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है।

रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया।

खिलाड़ियों का बिगाड़ा प्लान

चेन्नई : जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ आए हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में उन्होंने यादगार पलों को संजोने के लिए फोटो सेशन कराया। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट की वजह से कई खिलाड़ियों, परिवारों और फैंस के ट्रैवल प्लान बिगड़ गए हैं। • एजेंसी

भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स को 3-1 से हराया

हॉकी जू. महिला विश्व कप

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया।

भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल करने में सफल रहा। हिना ने साक्षी राणा के पास पर यह गोल किया। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम ने लगातार मौके बनाए जिसका उन्हें फायदा भी मिला जब राणा का शॉट सुनलिता के पास गया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से भारत ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी।

हॉकी जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

अब भी पदक जीतने का एक मौका है : श्रीजेश

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी।

सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने भाषा से खास बातचीत में कहा यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षायें थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाये। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

यह पूछने पर कि मौजूदा चैम्पियन टीम के सामने होने के कारण क्या कोई मानसिक दबाव था, श्रीजेश ने कहा कि माहौल की वजह से कई बार दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन कई बार माहौल की वजह से दबाव बन जाता है। इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता ही है चूंकि इन खिलाड़ियों के पास उतना अनुभव अभी नहीं है। आपको उनकी टक्कर का मैच खेलना था क्योंकि एक बार दबाव में आने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। इसके लिए मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है।

दो बार ओलंपिक कांस्य पदक का मुकाबला जीत चुके श्रीजेश ने कहा टीम के लिए जरूरी है कि अगले मैच का महत्व समझे क्योंकि अभी भी हमारे पास एक पदक जीतने का मौका है। यह खिलाड़ियों के लिए अहम है कि इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ मैचों में मौकों को भुनाना और मौके नहीं गंवाना सीखना होगा। यह पूछने पर कि क्या इस टीम में ऐसी प्रतिभाएं दिखती हैं जो आगे जाकर सीनियर स्तर पर भारत के लिए खेल सकती हैं, श्रीजेश ने कहा कि उन्हें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा इस टीम में छह सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सीनियर टीम में जाने के हकदार हैं। उन्हें हालांकि अभी और अनुभव की जरूरत है लेकिन विश्व कप और हॉकी इंडिया लीग के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे सीनियर कोर ग्रुप में होंगे। अगले साल विश्व कप, अजलन शाह कप, प्रो लीग, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं तो यह अनुभव उनके काम आयेगा। उन्होंने आगे कहा ये खिलाड़ी विश्व कप पदक जीतने के हकदार हैं क्योंकि पिछले एक साल में इन्होंने काफी मेहनत की है। अब मैदान पर जाकर इन्हें वह पदक जीतकर लौटना है।

हमें जर्मनी से सीखना चाहिए

मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को जर्मनी की तरह खेल पर नियंत्रण बनाना सीखना होगा। उन्होंने कहा हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिये था जिसमें हम नाकाम रहे। हमारी छोटी छोटी गलतियों का जर्मनी ने पूरा फायदा उठाया और गोल किए। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और वन टच यूरोपीय हॉकी खेलकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा जो हमें सीखना और समझना होगा।

09 साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का टूटा सपना

10 दिसंबर को कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

• फाइनल में स्पेन और जर्मनी टकराएंगे